RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 81
नई दिल्ली, बुधवार, 26 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

रोहित शर्मा फिट
वेस्टइंडीज के खिलाफ कप्तानी के लिए तैयार
स्पोर्ट्स-12

सीडीएस रावत व कल्याण सिंह को मरणोपरांत पद्म विभूषण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस साल भी भारत रत्न किसी हस्ती को नहीं दिया जाएगा। अन्य दो पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता संगीतकार प्रभा अत्रे और गीता प्रेस के अध्यक्ष राधेश्याम खेमका (मरणोपरांत) हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद और सीपीआई (एम) के नेता और पश्चि बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य कुल 17 पद्म भूषण पुरस्कार विजेताओं की सूची में शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों की 128 विशिष्ट हस्तियों की सूची जारी की, जिन्हें इस साल पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इस सूची में चार पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण और 107 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। कुल 128 पुरस्कार विजेताओं में 34 महिलाएं हैं। इस सूची में विदेशियों/

कल्याण सिंह

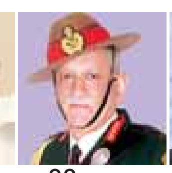
बिपिन रावत

गुलाम नबी आजाद

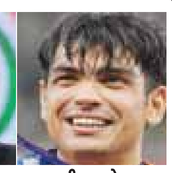
नीरज चोपड़ा

- कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद व पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव को पद्म भूषण पुरस्कार मिलेगा
- भाला फेंक में ओलंपिक पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा व गायक सोनू निगम को पदम श्री दिया जाएगा
- वैक्सीन निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट के पूनावाला तथा भारत बायोटेक के एला दंपति को पदम भूषण
- गूगल के भारतीय मूल के सीईओ सत्या नडेला और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सुंदर पिचाई को भी पद्म भूषण

एनआरआई/ पीआईओ/ ओसीआई श्रेणी से 10 और मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं की श्रेणी के 13 व्यक्ति भी शामिल हैं। दूसरी ओर बुद्धदेव भट्टाचार्य ने पद्‌म भूषण सम्मान को स्वीकार करने से मना कर दिया है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं– पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री। असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए पद्म विभूषण प्रदान किया जाता है। उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए पद्म भूषण और किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए पद्म श्री से नवाजा जाता है। केंद्र ने देश के दो कोविड वैक्सीन निर्माताओं सीरम इंस्टीट्यूट के संस्थापक साइरस पूनावाला और भारत बायोटेक के प्रमोटरों डॉ कृष्णा एला और पत्नी सुचित्रा एला को संयुक्त रूप से पद्म भूषण से सम्मानित किया है। गूगल के भारतीय मूल के सीईओ सत्या नडेला और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सुंदर पिचाई को भी पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। पूर्व गृह सचिव और सीएजी राजीव महर्षि, अभिनेता विक्टर बनर्जी और गुजराती लेखक और उपदेशक स्वामी (शेष पेज 9)

प. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्‌टाचार्य ने पद्‌म भूषण सम्मान ठुकराया

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और माकपा के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्‌टाचार्य ने मंगलवार को पद्‌म भूषण सम्मान को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं पद्‌म भूषण सम्मान के बारे में कुछ नहीं जानता। मुझे किसी ने इसके बारे में नहीं बताया। अगर मुझे पद्‌म भूषण सम्मान दिया गया है तो मैं इसे अस्वीकार कर रहा हूं। माकपा सूत्रों के अनुसार यह भट्‌टाचार्य के साथ ही पार्टी का भी फैसला है। दूसरी ओर सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी ने बीमार बुद्धदेव भट्‌टाचार्य के घर पर फोन किया था और उनकी पत्नी ने फोन रिसीव किया था। उनकी पत्नी को, बुद्धदेव (शेष पेज 9)

गांधी परिवार के वफादार रहे आरपीएन भाजपा में शामिल

- चुनावी बेला में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जितिन प्रसाद के बाद एक और बड़ा झटका लगा
- पडरौना में सपा को घेरने के लिए दिग्गज ओबीसी नेता को इस्तेमाल कर सकती है भगवा पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गांधी परिवार के वफादार रहे आरपीएन सिंह चुनावी बेला में कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। उत्तर प्रदेश में एक के बाद एक झटके झेल रही भगवा पार्टी को सिंह के आने से मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी, जबकि कांग्रेस ने इशारों-इशारों में उन्हें कायर कहकर निशाना साधा है। आरपीएन सिंह (57) एक प्रमुख नेता और पूर्वी उत्तर प्रदेश के राजघराने के सदस्य हैं। वह पडरौना से तीन बार कांग्रेस विधायक और कुशीनगर से सांसद रह चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफे का एक संक्षिप्त पत्र लिखने के तुरंत बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान सिंह का जाना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। उनके इस कदम से कांग्रेस नेतृत्व जाहिर तौर पर आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि सिंह को कुछ दिन पहले ही पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया गया था। पार्टी नेताओं के एक वर्ग को लगता है कि आरपीएन सिंह का इस तरह जाना अच्छा रहा, क्योंकि वह पिछले एक साल से झारखंड में कांग्रेस-झामुमो गठबंधन सरकार को गिराने के लिए भाजपा के साथ मिलकर कोशिश कर रहे थे। आरपीएन बीते तीन वर्षों से झारखंड के प्रभारी महासचिव के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। पूर्वी उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख कुर्मी ओबीसी नेता आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद के बाद राज्य में कांग्रेस के लिए दूसरा बड़ा झटका हैं। जितिन अब योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्री हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में उत्तर प्रदेश प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, उत्तर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डॉ. दिनेश शर्मा तथा ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में मीडिया को संबोधित करते हुए सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति को 21वीं सदी से जोड़ने के लिए उनकी सराहना की जा रही है। सिंह को ओबीसी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ भाजपा के विधानसभा उम्मीदवार के रूप में भी देखा जा रहा है, जो हाल ही में भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए हैं। अपनी पूर्व पार्टी, कांग्रेस की आलोचना करते हुए सिंह ने कहा कि मैंने एक राजनीतिक दल (कांग्रेस) में 32 साल बिताए हैं, लेकिन वह पार्टी वैसी नहीं रही, जैसी पहले थी। मैं भारत के लिए पीएम मोदी के सपनों को पूरा करने की दिशा में एक कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा। आरपीएन सिंह भी सिंधिया, जितिन प्रसाद, टॉम वडाकन और प्रियंका चतुर्वेदी जैसे राहुल गांधी के उन करीबी नेताओं में शामिल हो गए हैं, जो कथित रूप से बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस का हाथ झटककर दूसरे दलों में शामिल हो गए हैं। सिंह ने कहा कि यह मेरे लिए एक नई शुरुआत है और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान के लिए तत्पर हूं।

नई दिल्ली में भाजपा में शामिल होते आरपीएन सिंह

कांग्रेस के पडरौना से प्रत्याशी सहित दो नेताओं ने भी पार्टी छोड़ी

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आर. पी. एन. सिंह के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के कुछ हीघंटों के भीतर पडरौना से कांग्रेस के उम्मीदवार मनीष जायसवाल और पार्टी की कुशीनगर जिला इकाई के प्रमुख राजकुमार सिंह ने भी पुरानी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पीटीआई/भाषा से बातचीत में राजकुमार सिंह ने कहा, मैंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि पार्टी में आरपीएन सिंह के लिए कोई सम्मान नहीं था। सिंह ने कहा कि वह भी भाजपा में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व जिला इकाई प्रमुख ने यह भी बताया कि पडरौना से पार्टी प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

अवकाश सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय एवं प्रेस में आज दिनांक 26 जनवरी 2022 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी 2022 को प्रकाशित होगा।

बाजार

सेंसेक्स	57,858	↑	366	
निफ्टी	17,277	↑	128	
सोना	48,555	↑	86	/10g
चांदी	63,907	↓	522	/kg

क्विक न्यूज

अतार्किक मुफ्त सेवाओं के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर केंद्र, निर्वाचन आयोग को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव से पहले सार्वजनिक कोष से अतार्किक मुफ्त सेवाएं एवं उपहार वितरित करने या इसका वादा करने वाले राजनीतिक दलों का चुनाव चिह्न जब्त करने या उनका पंजीकरण रद्द करने का दिशा-निर्देश देने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग से मंगलवार को जवाब मांगा। न्यायालय ने साथ ही कहा कि यह एक गंभीर मामला है क्योंकि कभी-कभी नि:शुल्क सेवाएं नियमित बजट से भी अधिक दी जाती है। प्रधान न्यायाधीश वी एन रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किए। इन्हे चार सप्ताह मे नोटिस का जवाब देना है। पांच राज्यो में विधानसभा चुनाव से पहले दायर की गई याचिका मे कहा गया है कि मतदाताओ से अनुचित राजनीतिक लाभ लेने के लिए इस प्रकार के लोकलुभावन कदम उठाने पर पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए, क्योंकि यह संविधान का उल्लंघन है और निर्वाचन आयोग को इसके खिलाफ उचित कार्रवाई करनी चाहिए। पीठ ने उपध्याय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह के इस कथन पर गौर किया कि इसके लिए एक कानून बनाने और चुनाव चिह्न जब्त करने या राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने या दोनो पर ही विचार करने की आवश्यक्ता है क्योंकि अंततः इसके लिए भुगतान नागरिको को करना है। पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद कहा, देखते है। फिलहाल, हम नोटिस जारी करेंगे। सरकार और निर्वाचन आयोग को जवाब देने दीजिए।

सरकारी दफ्तरों में सिर्फ आंबेडकर और भगत सिंह की फोटो लगेगी

- दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने किया ऐलान, दिल्ली के सरकारी दफ्तरों में नहीं दिखेंगी राजनेताओं की तस्वीर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के सभी सरकारी दफ्तरों में अब बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की फोटो लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री समेत अन्य राजनेताओं की तस्वीरें नहीं लगेंगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित गणतंत्र दिवस के मौके पर तिरंगा फहराया और अपने संबोधन में यह ऐलान किया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह सबसे ज्यादा बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर से प्रभावित हैं जिनका जन्म दलित परिवार में हुआ था। उन्होंने देश के संविधान की रचना करने वाली समिति की अगुवाई की। वह क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह से भी उतने ही प्रभावित हैं। दोनों ने एक समान उद्देश्य के लिए अलग-अलग तरीके से काम किया। दिल्ली सरकार इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों के सिद्धांतों पर काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हर बार यह सोचकर हैरान हो जाते हैं कि किस तरह आंबेडकर ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में आवेदन किया और लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में करीब 100 साल पहले पढ़ने गये, जब इंटरनेट और मोबाइल फोन नहीं थे। आंबेडकर का एक सपना था कि हर बच्चे को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी हम लोग उनके इस सपने को पूरा नहीं (शेष पेज 9)

बंगाल में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष व महासचिव भाजपा से निलंबित

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश मजूमदार और राज्य महासचिव रितेश तिवारी को मंगलवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। इसके कुछ ही घंटों बाद बंगाल भाजपा में दरार उस समय और चौड़ी हो गई जब मजूमदार ने राज्य और केंद्रीय नेतृत्व के एक वर्ग पर जोरदार हमला बोला। राज्य के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर से मजूमदार की निकटता जगजाहिर है। दोनों नेताओं को उनकी कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के कुछ घंटों बाद पार्टी से निलंबित कर दिया गया। दोनों नेताओं को ठाकुर और कुछ अन्य नेताओं द्वारा आयोजित बागी विधायकों की पिकनिक पार्टियों में शिरकत करते देखा गया था। पिछले साल के विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी मामलों में गड़बड़ी करने के लिए वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सुकांतो मजूमदार और महासचिव अमिताभ चक्रवर्ती पर हमला करते हुए, जयप्रकाश (शेष पेज 9)

पंजाब में राहुल सुपरहीरो हल्क और चन्नी बने थोर

- रोड शो और रैलियों पर प्रतिबंध के चलते वर्चुअल वर्ल्ड में रोचक प्रचार, कांग्रेस के 34 सेकेंड के वीडियो में नवजोत सिंह सिद्धू को मिला कम महत्व

मोनिका मलिक। चंडीगढ़

पंजाब में 20 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए रोड शो और रैलियों पर प्रतिबंध के बीच वर्चुअल प्रचार अभियान पर विभिन्न राजनीतिक दलों का जोर पकड़ रहा है। पंजाब कांग्रेस चुनाव प्रचार अभियान के लिए एक नया वीडियो आया है, जो 2018 की हॉलीवुड सुपरहीरो फिल्म एवेंजर्स से प्रेरित है, जिसमें मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी वज्र के शक्तिशाली देवता थोर के रूप में और ब्रूस बैनर के रूप में राहुल गांधी दिखाई दे रहे हैं। कुल 34 सेकेंड के इस वीडियो के जरिए कांग्रेस ने अपने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के खिलाफ वस्तुत: युद्ध की घोषणा कर दी है।

इसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा करते हुए पार्टी ने कैप्शन दिया कि पंजाब और उसके लोगों के हितों के खिलाफ काम करने वाली बुरी ताकतों के चंगुल से अपने प्यारे राज्य को छुड़ाने के लिए जो कुछ भी करना होगा, हम करेंगे। वीडियो में सीएम चन्नी थोर के रूप में को स्टॉर्मब्रेकर, राहुल गांधी ब्रूस बैनर के रूप में हल्क बस्टर, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू कैप्टन अमेरिका और पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील कुमार जाखड़ को ग्रूट के रूप में देखा जा सकता है। वीडियो में हल्क बने राहुल गांधी द्वारा विरोधियों को चेतावनी में कोई ना बचना तुस्सी (अब आप को बचाया नहीं जा सकता) की घोषणा के साथ शुरू होता है, चन्नी को मुख्य मंत्री पद को उम्मीदवार की भूमिका के रूप में भी चित्रित करता है, जो पार्टी के प्रमुख की पसंद के संकेत में। दिलचस्प बात यह है कि चन्नी को अपने विरोधियों से मुकाबला करने के लिए प्रतिष्ठित स्टॉर्मब्रेकर थोर के हथियार को झूलते हुए क्लिप में अपने युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हुए देखा गया था। यही नहीं, वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को विदेशी-दुश्मन के रूप में दिखाया गया है, जिनके चेहरे इस पर अंकित हैं। सिद्धू, जो हमेशा से मुख्यमंत्री पद की रेस में थे और पार्टी के सीएम उम्मीदवार को क्लिप में हीरो (शेष पेज 9)

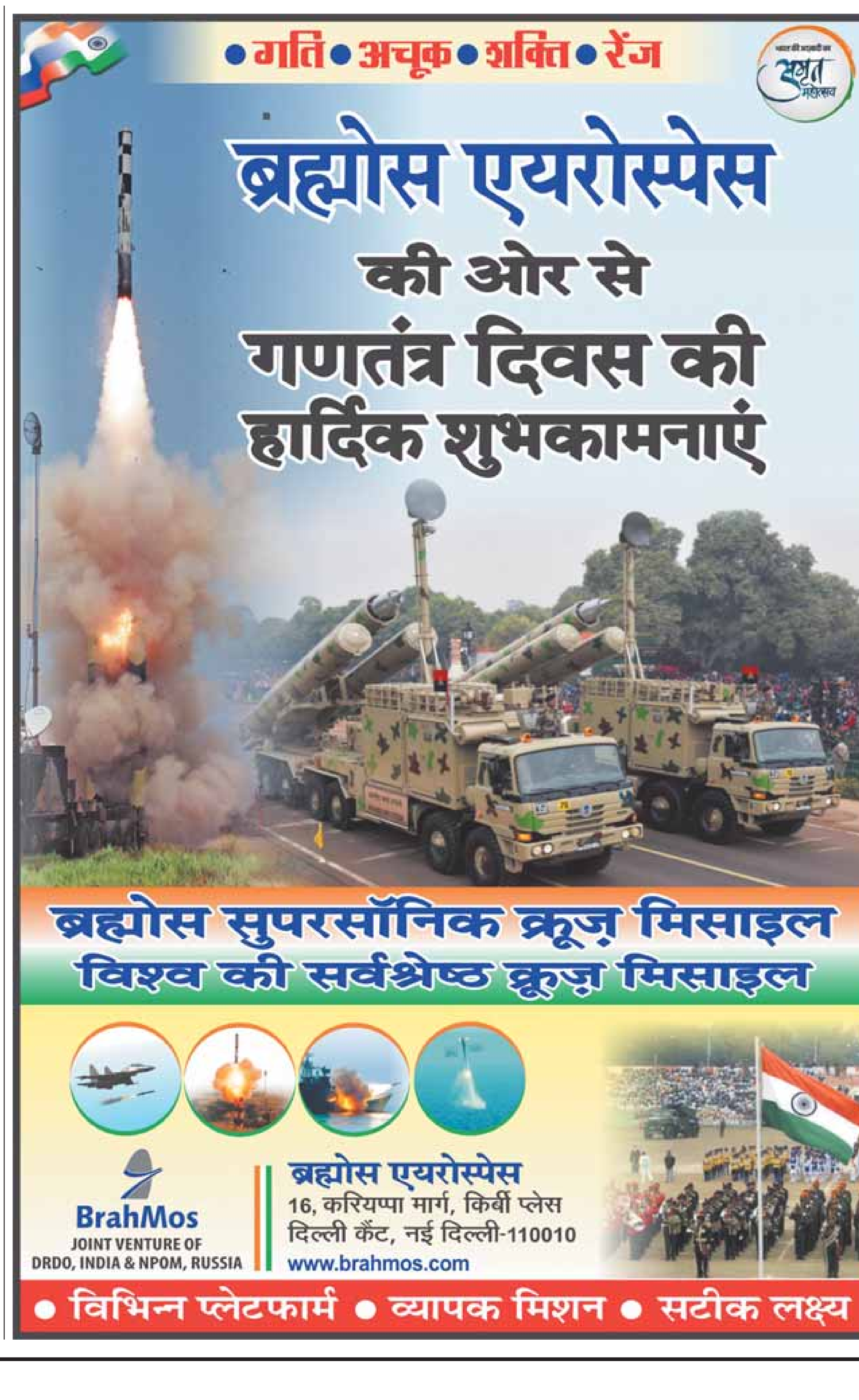

नोएडा से 10 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज

दादरी और जेवर समेत तीनों सीटों पर 38 प्रत्याशी मैदान में

● 27 जनवरी तक प्रत्याशी नाम ले सकते हैं वापस

विधनसभा	नामांकन भरे	खारिज हुए	बचे हुए प्रत्याशी
नोएडा	23	10	13
दादरी	16	02	14
जेवर	13	01	12

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर की तीनों विधानसभा पर 10 फरवरी को मतदान होगा। इसी प्रक्रिया में सोमवार को प्रत्यशियों के नामांकन पत्र की जांच की गई, जिसमें 52 उम्मीदवारों में से 13 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र को खारिज कर दिया गया है। जिसमें से सबसे ज्यादा नोएडा में नामांकन पत्र खारिज हुए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी की अगुवाई में सोमवार को जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के नामांकन पत्रों की जांच की गई। नामांकन पत्रों में गड़बड़ी पाए जाने पर 13 परचे खारिज कर दिए गए। सबसे अधिक नोएडा विधानसभा क्षेत्र में 10 नामांकन पत्र निरस्त किए गए हैं। इसके बाद अब जनपद में 38 प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे हैं। अब 27 जनवरी तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। इसके बाद जिले में प्रत्याशियों की स्थिति साफ होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी सुहास एलवाई की अगुवाई में निर्वाचन प्रक्रिया चल रही है। जनपद की नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभा क्षेत्रों में 52 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। नोएडा सीट के लिए 23, दादरी सीट के लिए 16 और जेवर सीट के लिए 13 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा था। सोमवार को नामांकन पत्रों की जांच की गई। सबसे अधिक नोएडा सीट से 10 पर्चे निरस्त किए गए।

प्रचार को लोनी पहुंची रेसलर बबीता फौगाट

गाजियाबाद। अंतरराष्ट्रीय रेसलर बबीता फोगाट ने लोनी विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी नंदकिशोर गूर्जर के पक्ष में चुनाव प्रचार कर वोट मांगें। माना जा रहा है। कि रंजीता धामा के चुनाव लड़ने से जाट वोट प्रभावित हो रहा है। जिसके लिये भाजपा के रणनीतिकारों ने जाट सेलिब्रिटिज को विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए उतारा है। बबीता फोगाट ने जाट बहुल गांव निस्तौली बंथला और बेहटा में जनसंपर्क कर वोट मांगें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ही यूके और लंदन जैसी सडकें लोगों को मुहैया करा सकती है। बिजली और मूलभूत सुविधाओं के ख्याल रखने वाली भाजपा सरकार की सोच ईमानदार है।

चुनाव आयोग की गाइडलाइन को प्रत्याशी कर रहे दरकिनार

नोएडा, दादरी व जेवर में प्रमुख दलों के उम्मीदवारों पर दर्ज हो चुके हैं आचार संहिता उल्लंघन के मामले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 की घोषणा होने के साथ आचार संहिता लागू हो गई थी। ऐसे में निर्वाचन आयोग ने सभी जनप्रतिनिधियों और पार्टियों को निर्देश देते हुए कहा था कि कोई भी व्यक्ति आचार संहिता का उल्लंघन ना करें और इसके अलावा कोविड-19 प्रोटोकॉल का भी पूरा पालन करें, लेकिन फिर भी जनप्रतिनिधि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन को नजरअंदाज कर रहे हैं।

दरअसल, सोमवार को कांग्रेस प्रत्याशी ने जेवर झाझर रोड पर अपना कार्यालय का शुभारंभ किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे कार्यक्रम की वीडियोग्राफी की। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के उल्लंघन में पुलिस ने 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

उम्मीदवार चुनाव आयोग की बनी गाइडलाइन को दरकिनार कर प्रचार कर रहे हैं। पहले चरण का चुनाव 10 फरवरी को होना है।

गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी प्रचार-प्रसार में जुट गए हैं। चुनाव आयोग ने बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते किसी भी चुनावी रैलियों, जुलूस और रोड शो पर पाबंदी लगा रखी है लेकिन, सभी दल के नेता चुनाव आयोग की बनी गाइडलाइन की जमकर धज्जियां उड़ा रहे हैं।

नोएडा, दादरी और अब जेवर में उम्मीदवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। चुनावी प्रकरण के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन में जिले में सबसे पहले नोएडा में केस दर्ज हुआ था। 16 जनवरी को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नोएडा दौरे पर आए थे। सीएम ने कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के साथ मिलकर डोर टू डोर जनता से जनसंपर्क किया। इस दौरान कोविड नियमों और आचार संहिता के नियमों का उल्लंघन के मामले में रिटर्निंग ऑफिसर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ है। दादरी के विधायक और भाजपा प्रत्याशी तेजपाल नागर ढोल.नगाड़ों के साथ चुनाव प्रचार करने बिसरख थाना क्षेत्र स्थित गौर सिटी पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। नागर द्वारा आचार संहिता और कोविड.19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया है। इस मामले में उनके खिलाफ भी बिसरख थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जेवर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे अवतार सिंह भड़ाना ने झाझर रोड पर कार्यालय खोला है। बता दें, किसी भी पार्टी के उम्मीदवार को अपना कार्यालय खोलने से पहले चुनाव अधिकारी को जानकारी देनी होती है, लेकिन अवतार सिंह भड़ाना ने बिना अनुमति के कार्यालय खोला है। यह आचार संहिता के नियमों का उल्लंघन है।

विधानसभा चुनाव के बहिष्कार की दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भूख हड़ताल धरने पर बैठी महिलाओं की बरसात और सर्दी के कारण हालत खराब होने लगी है। लेकिन उनकी मांगो पर सरकारी स्तर पर कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई है। महिलाओं ने चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी दी है। बता दें कि 3 जनवरी 2021 को उखलारसी स्थित श्मशान घाट का बरांडा गिरने के कारण 25 लोगों की मृत्यु तथा इससे अधिक घायल हो गए थे। नगर पालिका परिषद द्वारा निर्माण में अनियमितताओं के कारण भयावह हादसा हुआ था। 29 नवंबर से पीड़ित परिवारों की महिलाएं नगर पालिका परिषद परिसर में भूख हड़ताल धरने पर बैठी हुई हैं। इससे पूर्व संबंधित परिवारों की महिलाओं को सभासद से लेकर प्रधानमंत्री तक न्याय तथा हादसे के समय पीड़ित परिवारों को कई तरह की सहायताओं का आश्वासन दिया था। लेकिन 1 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद भी उनकी कहीं सुनवाई नहीं हुई। महिलाओं के धरने पर राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर उन्हें उनकी मांगे पूरी कराने का आश्वासन दिया था। लेकिन अभी तक उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई है।

चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को मिलेंगी मेडिसिन किट : सीएमओ

हापुड़। विधानसभा चुनाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को एहतियात के तौर पर मेडिसिन किट उपलब्ध कराई जाएंगी। सीएमओ डा. रेखा शर्मा ने बताया- स्वास्थ्य विभाग ने चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के लिए अलग से 1400 मेडिसिन किट तैयार कराई है। किट के लिफाफे पर कोविड कंट्रोल रूम के नंबर भी अंकित होंगे, ताकि स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या होने पर तत्काल कंट्रोल रूम से संपर्क किया जा सके। ड्यूटी पर जाने से पहले सभी कर्मचारियों की कोरोना जांच भी होगी और ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों को कड़ाई से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी जाएगी।

अवैध शराब बेचने के आरोप में कई तस्करों को दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में जेवर थाने की पुलिस ने सोमवार रात, एक सूचना के आधार पर शराब तस्करी के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने रिंकू तथा अजय नामक दो व्यक्तियों को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से 4 पेटी हरियाणा मार्का शराब बरामद की गई है। इस बीच राज्य में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने शराब और मादक पदार्थ बेचने तथा अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इसके तहत नोएडा में विभिन्न जगहों से पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में दर्जनभर लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में शराब बरामद की।

पुलिस के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि थाना सेक्टर 58 की पुलिस ने मंगलवार सुबह थापर गेट के पास से राहुल, रवि, सुरेंद्र ,तथा राजकुमार नामक चार व्यक्तियों को अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया।

युवक की सड़क हादसे में मौत

नोएडा। जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। युवक अपने घर से झगड़ा करके पैदल ही यमुना एक्सप्रेस-वे पर निकल गया था। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा में रहने वाला प्रमोद मंडल (28) का अपने परिजनों से किसी बात पर झगड़ा हो गया था जिसके बाद वह घर से चला गया और नशे की हालात में यमुना एक्सप्रेस वे पर पैदल ही चलने लगा। उन्होंने बताया कि इस बीच थाना बीटा-2 क्षेत्र के तहत आने वाले इलाके में यमुना एक्सप्रेस वे पर उसे एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

नौकरी लगवाने के नाम पर महिला से दुष्कर्म, केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शादीशुदा महिला से नौकरी लगवाने के नाम पर बलात्कार करने के आरोप में एक शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सेक्टर 39 थाने के प्रभारी राजीव बालियान ने सोमवार को बताया कि गाजियाबाद की रहने वाली पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी सोमेंद्र उर्फ पुनीत के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

उन्होंने बताया कि पीड़िता का आरोप है कि जब वह गाजियाबाद से नोएडा सेक्टर 37 पहुंची तो सोमेंद्र एक कार से उसे सेक्टर 37 के पास सुनसान जगह पर ले गया जहां आरोपी ने गाड़ी में ही उसके साथ बलात्कार किया।

'पुरुष वेश्या' बनाने का झांसा देकर जालसाजों ने ठगे रुपए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जनपद के थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के बरौला गांव निवासी एक युवक से पुरुष वेश्या बनाने के नाम पर अज्ञात साइबर ठगों ने 1,54,430 रुपये की ठगी की। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

पुलिस थाना सेक्टर 49 के प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि बरौला गांव के कल्याण कुंज कॉलोनी में रहने वाले पवन कुमार पटेल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनसे संपर्क किया और पुरुष वेश्या बनाने का प्रस्ताव दिया। सिंह ने कहा कि पीड़ित का आरोप है कि प्रस्ताव देने वाले लोगों ने कई मौकों पर पटेल से कुल 1,54,430 रुपये वसूले जो शिकायतकर्ता ने उनके खाते में जमा किये। थाना प्रभारी ने कहा कि साइबर ठगों ने शिकायतकर्ता को मोटी कमाई का लालच देते हुए पैसे वसूल किए।

सिंह ने बताया कि पुलिस मामला दर्ज कर घटना की जांच कर रही है। नोएडा, एनसीआर में इस तरह का यह पहला मामला है जब पुरुष वेश्या बनाने के नाम पर साइबर ठगों ने किसी को अपने जाल में फंसाया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

उत्कृष्ट सेवा के लिए दिल्ली पुलिस के अफसर और कर्मी सम्मानित

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस के 23 अधिकारियों को वीरता सहित विभिन्न सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक स्पेशल सीपी डेविड, स्पेशल सीपी शालिनी सिंह, और एसआई रमेश सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। वीरता के लिए पुलिस पदक से पुलिस उपायुक्त संजीय यादव, एसीपी जसवीर सिंह, एसआई रवि तुषार को नवाजा गया है।

कल से हटाए जा सकते हैं कुछ प्रतिबंध

दिल्ली वालों ने कोरोना की मार झेली और महामारी से अच्छे से निपटा है : केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री केजरवाल ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में तिरंगा फहरा

राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण की दर पिछले दस दिनों में काफी कम हुई है। ऐसे में दिल्ली वालों को प्रतिबंधों से कुछ राहत मिल सकती है। इस बात के संकेत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिए हैं। उन्होंने कहा मंगलवार को 10.55 फीसद संक्रमण दर दर्ज की गई है।

15 जनवरी को सबसे अधिक पॉजिटीविटी रेट लगभग 30 फीसद आया था और 10 दिन के बाद आज 25 जनवरी को यह घट कर साढ़े दस फीसद रह गया है।

इन 10 दिनों में करीब 20 फीसद पॉजिटीविटी रेट कम हो गया है। उसी तरह से केस में भी कमी आ रही है। यह इस बात का भी नतीजा है कि इस बार की लहर बहुत माइल्ड है। दूसरा, युद्ध स्तर पर वैक्सीनेशन किया गया। अगर वैक्सीनेशन किया जाए, तो कोरोना का असर थोड़ा माइल्ड होता है। अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली सचिवालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर सभी को शुभकामनाएं दी। भारत माता की जय और बंदे मातरम के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सभी डॉक्टर, नर्सेज, पैरा मेडिकल स्टॉफ, स्टॉफ और अधिकारियों ने मिलकर वैक्सीनेशन पर शानदार काम किया है। सौ फीसद पूरी दिल्ली को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। साथ ही 82 फीसदी लोगों को दूसरी डोज भी लग चुकी है।

उन्हें लगता है कि यह शायद पूरे देश में रिकॉर्ड है। शायद पूरी दुनिया में भी यह रिकॉर्ड है। और अब बूस्टर डोज भी बहुत तेजी से लग रही है। केजरीवाल ने बताया कि पिछले दो साल से केवल दिल्ली समेत देश दुनियाप कोविड-19 महामारी से जूझ रही है। पिछले दो साल से ढेर सारी गतिविधियां बंद पड़ी हैं। बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े और बहुत सारे लोगों की मौत हुई। देश में कोविड-19 की यह तीसरी लहर चल रही है, लेकिन दिल्ली में पांचवीं लहर है और सबसे ज्यादा कोरोना की मार दिल्ली वालों ने झेली है।

पाबंदियों से तकलीफ, लेकिन जान और सेहत भी जरूरी

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संक्रमण जब भी बढ़ता है तो कुछ पाबंदियां लगानी पड़ती हैं। मार्केट बंद करने पड़ते हैं।

आर्थिक गतिविधियां, स्कूल और कॉलेज बंद हो जाते हैं। इससे लोगों को तकलीफ होती है।

लोगों की रोजी-रोटी खराब होती है। लेकिन भरोसा रखिए कि सरकार उतनी ही पाबंदी लगाती हैं, जिनती जरूरत होती है। वह नहीं चाहते हैं कि लोगों की रोजी-रोटी खराब हो। पिछले सप्ताह कुछ व्यापारी मिलने आए थे।

चुनाव में निडर होकर मतदान करने का लिया संकल्प : सीईओ

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 12वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस धूमधाम से मनाया गया। दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. रणबीर सिंह ने कहा कि एनवीडी दिवस समारोह का मकसद मतदाताओं के बीच पंजीकरण को प्रोत्साहित करना है। इस साल की एनवीडी थीम चुनावों को समावेशी, सुलभ और सहभागी बनाना है। इस दौरान निडर होकर मतदान करने का संकल्प लिया। केंद्रीय कानून एवम न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ओएसडी जे.एल गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ चुनावी प्रक्रिया पुरस्कार 2022 प्रदान किया। यह पुरस्कार उन्हें राजधानी में चुनावी साक्षरता क्लबों को बढ़ावा देने में उनकी सक्रिया भूमिका के लिये दिया गया है।

- केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ओएसडी जे.एल गुप्ता को किया पुरस्कृत

केजरीवाल ने शराब माफिया को फायदा पहुंचाया : भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने केजरीवाल सरकार की नई आबकारी नीति के ऊपर सवाल उठाते हुए कहा कि केजरीवाल शराब माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए इतने बेकरार है क्योंकि उनके बीच पैसों की लेन देन हो रही है। पहले त्योहार व राष्ट्रीय पर्व को मिलाकर 21 दिन ड्राई डे होते थे जब दिल्ली में शराब नहीं बिकती थी लेकिन अब उन में से गुरु गोविंद सिंह जयंती, महावीर जयंती, दीपावली व होली जैसे 18 त्योहारों पर भी शराब बेचने की इजाजत केजरीवाल सरकार ने दे दिया है।

धार्मिक पर्वों पर ठेके खोलना आस्था पर प्रहार : कांग्रेस

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल ने कहा कि सरकार द्वारा धार्मिक पर्वों पर शराब के ठेके खोलने और केवल 3 ड्राई डे निश्चित करने का विरोध करती है। केजरीवाल दिल्ली वालों की धार्मिक आस्थाओं को पूरी तरह नजरअंदाज करके शराब की बिक्री में प्रोत्साहन देने का काम कर रहे है, क्योंकि नई आबकारी नीति के तहत जहां उन्होंने प्रत्येक वार्ड में 3-4 शराब की दुकानें खोलकर नशे की राजधानी बना दिया है, वहीं युवाओं की शराब पीने की उम्र 25 से घटाकर 21 वर्ष कर दी है।

जहरीले बोल पर मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली। इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के जहरीले बोल पर केंद्रीय वक्फ परिषद अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सदस्य रईस खान पठान ने अहमदाबाद शहर के राखियाल पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उनके वीडियो में उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए देश में गृह युद्ध करवाने की धमकियां दी हैं। तौकीर का भड़काऊ और

रईस खान पठान

नफ़रत फैलाने वाला यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। पठान ने कहा है कि तौकीर रजा मुस्लिम युवाओं को हिंदुओं के खिलाफ भड़काने की कोशिश की है।

यमुना बाढ़ क्षेत्र में 929 वाहनों से वसूला 2.41 करोड़ का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- डीडीए ने पिछले चार वर्षों में कूड़ा फेंकने व पार्किंग करने वालों के काटे धड़ाधड़ चालान

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने बीते चार वर्षों में यमुना के बाढ़ क्षेत्र में अवैध रूप से कचरा और निर्माण मलबा गिराने तथा अनधिकृत पार्किंग करने के आरोप में 929 वाहनों पर कुल 2.41 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में डीडीए ने यमुना के बाढ़ क्षेत्र में अवैध रूप से कचरा गिराने तथा अनधिकृत पार्किंग करने के मामले में 610 चालान काटे थे। यह संख्या बीते चार वर्षों में सर्वाधिक है। 2020 में 54, 2019 में 186 और 2018 में सिर्फ एक चालान काटा गया था।

आंकड़ों के अनुसार, उल्लंघनकर्ताओं पर 2.41 करोड़ रुपये से अधिक का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया गया था, लेकिन अभी तक महज 46.87 लाख रुपये वसूल हो सके हैं।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने यमुना के बाढ़ क्षेत्र में कचरा या निर्माण मलबा फेंकने पर साल 2015 में प्रतिबंध लगा दिया था। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर 50 हजार रुपये तक का पर्यावरणीय जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

मतदाता दिवस मनाए जाने से मजबूत हो रहा लोकतंत्रः डीएम

जागरूकता कार्यक्रम में अव्वल रहे छात्रों को डीएम शुभ्रांत शुक्ल ने किया सम्मानित

सम्मानित करते डीएम।

चित्रकूट। 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत डीएम शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता एवं शपथ ग्रहण समारोह कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुआ। डीएम ने समावेशी, सुगम एवं सहभागी की नीतियों का पालन करते हुए अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाए जाने की परंपरा से लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती है।

लोकतंत्र हमें सिखाता है कि हम मतदान करें और दूसरे को भी कराएं। पूरे देश में 12 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा सी विजिल एप्स के माध्यम से पारदर्शिता लाई जा रही है। जहां पर मतदान कम है वहां पर भी जाकर हम प्रेरित करें, निर्भीक एवं स्वतंत्र पूर्ण मतदान करें। उन्होंने बताया कि सेंटर पैरामिलिट्री आ गई है, जिससे निर्भिक होकर आप मतदान कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों को अधिकाधिक मतदान करने और नए मतदाता बनाने की शपथ दिलाई। जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखते हुए संकल्प लेते हैं कि जो भी मतदान होगा उसमें भाग लेकर उपयुक्त लोगों का चयन करेंगे और अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करें पहले मतदान, फिर जलपान,की नीत को अपनाकर शत प्रतिशत मतदान करें। अपर जिलाधिकारी कुंवर बहादुर सिंह ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस दिवस पर जो लोग शपथ लिए हैं उसे अक्षरशः पालन किया जाए। आज यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। ताकि आप सभी स्वयं एक जागरूक मतदाता बने और दूसरों को भी जागरूक मतदाता बनने के लिए प्रेरित करें।

हमारे देश का लोकतंत्र सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी मजबूती के लिए हमें शत-प्रतिशत मतदाता बनकर शत-प्रतिशत मतदान भी करना है। इसीलिए हर साल और पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मैयादीन पटेल स्वीप आइकन, शंकर लाल गुप्ता दृष्टि संस्थान से, अतुल कुमार श्रीवास्तव स्वीट आईकन के लोगों ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सभी को इस लोकतंत्र के पर्व में मतदान करने के लिए प्रेरित किए। अनुरंजना सिंह, लालमन, लक्ष्मी के द्वारा कठपुतली नाच के माध्यम से मतदाता जागरूकता किया गया। मतदाता गीत गाकर प्रेरित किए। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा 8 नवोदित मतदाताओ को वोटर कार्ड वितरण किया गया। 6 बीएलओ, स्वीप टीम के 6 सदस्य एवं पोस्टर प्रतियोगिता, गीत प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता के 16 छात्र /छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर बहादुर सिंह, अपर जिला अधिकारी(न्यायिक) वंदिता श्रीवास्तव, एसडीएम कर्वी पूजा यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक बलिराज राम, सुरेश प्रसाद आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस ने 70 लाख गबन के ईनामी अपराधी दबोचे

संवादाता। चित्रकूट

ईनामी अपराधी के बारे में पत्रकारों को बताते एसपी।

पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देश पर पुलिस ने 25 हजार रुपये के ईनामी अपराधी को साथी समेत गिरफ्तार कर 70 लाख 30 हजार रुपया के गबन की घटना का खुलासा किया है। ज्ञात है कि 23 नवम्बर 2020 को सीएमएस इन्फो सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड विष्णुपुरी नवाबगंज कानपुर के ब्रांच मैनेजर मनीष दीक्षित ने कोतवाली कर्वी में रिपोर्ट लिखाई कि एटीएम के 70 लाख 30 हजार रुपये प्रदीप पाण्डेय समेत आठ लोगों ने गबन कर लिए हैं। पुलिस ने आठ दिसम्बर को विकास पुत्र चन्द्रभान सिंह निवासी बर्रा कानपुर मूल निवासी मांझा चांदपुर फतेहपुर को बीस लाख रुपये समेत गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

बांकी आरोपियों की गिरफ्तारी को सर्विलांस टीम के प्रभारी एमपी त्रिपाठी व अतिरिक्त अपराध निरीक्षक भाष्कर मिश्रा की संयुक्त टीम ने प्रदीप पाण्डेय पुत्र रामसुमेर निवासी खरियौना भरुई गनेशपुर थाना कुमारगंज जिला अयोध्या जिस पर 25 हजार रुपये का ईनाम था। उसे व उसके साथी विकास मिश्रा पुत्र उदितनारायण निवासी कस्बा मऊ को दबोचा हैं। आरोपियों के कब्जे से गबन की धनराशि से खरीदी स्कार्पियों कीमत 18 लाख बरामद किया है। दोनों आरोपियों का खासा आपराधिक इतिहास है। टीम में सर्विलांस प्रभारी एमपी त्रिपाठी, अपराध निरीक्षक भाष्कर मिश्र, दरोगा अनिल साहू, दरोगा राधाकृष्ण तिवारी, दरोगा संदीप पटेल, सिपाही जितेन्द्र कुमार, रोहित सिंह, शरद सिंह व अनिल यादव शामिल रहे।

कोविड नियमों के तहत किया घर-घर जाकर जनसंपर्क

बांदा। उप्र के बांदा में तेजतर्रार युवा प्रत्याशी धीरज राजपूत ने आज युद्ध स्तर पर नगर की जनता डोर टू डोर जन संपर्क स्थापित किया कोबिट नियमों का पालन करते हुए विधान सभा 2022 के लिए जारी जन सम्पर्क अभियान के तहत बाँदा सदर विधान सभा क्षेत्र बाँदा शहर के अम्बेडकर नगर एवं शुतरखाना वासियों से बाँदा सदर के बसपा प्रत्याशी लोधी धीरज राजपूत ने मुलाकात कर बसपा के समर्थन में मतदान हेतु अनुरोध किया। इस दौरान मोहल्ले वासियों द्वारा मिले प्रेम एवं स्नेह हेतु समस्त मोहल्ले वासियों का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन करता हूँ। मोहल्ले वासियों की अपार प्रेम मतदाताओं में तब्दील हो रहा है रहा है जन समर्थन इस बार का वर्तमान प्रत्याशी काफी कुछ मुसलमानों और ब्राह्मणों मतदाताओं को मैं तब्दील करने का प्रयास कर रहे हैं कल हुए ब्राम्हण मतदाता सर्वे में यह ज्ञात हुआ कि वर्तमान समय में बांदा विधानसभा में 65000 ब्राह्मण मैं 70 परसेंट ब्राह्मण भाजपा से भ्रमित हो रहा है अब वह यह सोच रहा है कि बीएसपी में जाऊं या सपा में थोड़ा मैदान में है अब देखना यह है कौन कितनी दौड़ लगाता है और अपने पक्ष में कितने मतदाताओं को करने में सफल होता है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर छात्र-छात्राओं को जिलाधिकारी ने दिलायी शपथ

उरई (जालौन)। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने राष्ट्रीय मतदाता के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई सभागार विकास भवन में वर्चुअल छात्र- छात्राओं को अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र सबसे अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था है। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को मतदान करके अपने पसंद का जनप्रतिनिधि चुनने का मौका मिलता है।

अधिकारियों व कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते हुए कहा कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह हमारे छोटे नन्हे मुन्ने बूथ हैं जो घर-घर तक वोट के अधिकार के प्रयोग का संदेश लेकर जाते हैं और अपने माता-पिता भाई-बहन से अनुरोध करते हैं कि आप अपना वोट 20 फरवरी को डालने जरूर जाएंगे। जनपद में शत-प्रतिशत मतदान होगा। इस अधिकार को प्राप्त करने के लिए लोगों ने बहुत से आंदोलन किए हैं। बलिदान और संघर्ष किए हैं यह वो अधिकार है जो आपको सशक्त करता है एवं भावनाओं को जागृत करता है कि आप अपनी सरकार खुद चुन सकें। जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित छात्र-छात्राओं को स्लोगन लेखन, पोस्टर चित्रकला, निबंध, रंगोली, मेहंदी, नुक्कड़ नाटक, गीत, वाद विवाद, तत्काल भाषण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय एवं तृतीय को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

ट्यूबवेल से पाइप चोरी के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी

जालौन। ट्यूबवेल से चोरी हुए पाइपों के बारे में पूछने पर 3 लोगों ने युवक के साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर दी और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी है। पीड़ित ने घटना की शिकायत सीओ से की है। थाना सिरसा कलार निवासी मान सिंह ने सीओ को बताया कि उनके खेत में लगे ट्यूबवेल से 21 जनवरी को पाइपों की चोरी हो गयी थी। ट्यूबवेल से हुई चोरी की जानकारी जब उसने गांव के रामकुमार, अन्नू व दीपू से चाही तो वह गाली-गलौज पर उतर आए। मना करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें शक है कि उनके पाइपों की चोरी इन तीनों लोगों ने ही की है। इसकी चलते उन्होंने धमकी दी है कि अगर शिकायत की तो वह उसे झूठे मुकदमे में फंसा देगा। पीड़ित ने सीओ से निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

क्विक न्यूज

मऊ में बनेगा सबसे बड़ा सोलर प्लांट

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के बरगढ क्षेत्र में भारत सरकार व प्रदेश सरकार के प्रयास से सबसे बडे सोलर प्लांट का शुभारम्भ होगा। किसानों को इससे सुविधायें मिलेंगी। मंगलवार को मऊ तहसील के एसडीएम नवदीप शुक्ला, तहसीलदार शशिकान्त मणि व टीएचडीसी एवं यूपीनेडा के केबी सिंह, शिवशंकर तिवारी, वरिष्ठ अभियंता हर्षबंसल की ओर से नवल किशोर मिश्र, अवधेश शुक्ला, अनुज शुक्ला ने बताया कि सोलर प्लांट स्थापित होने से क्षेत्र के किसानों की आय में वृद्धि के साथ रोजगार मिलेगा। किसानों के जीवन स्तर में सुधार होगा। परियोजना प्रभारी केबी सिंह ने बताया कि इससे पूर्व में टीएचडीसी ने विश्व के सबसे ऊंचे अर्थ एवं राकफिल डैम का निर्माण किया है। परियोजना प्रभावित परिवारों के स्तर में सुधार का विभिन्न कार्य कर रही है। ग्रामीणों से सहयोग की अपील किया। सौर ऊर्जा प्रबंधक शिवशंकर तिवारी ने बताया कि आठ सौ मेगावाट की सोलर पार्क परियोजना को चार हजार एकड भूमि की जरूरत होगी। 80 फीसदी से ज्यादा की सहमति मिल गई है। परियोजना सम्पन्न होने से बुन्देलखण्ड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। किसानों की ओर से पूर्व ब्लाक प्रमुख नवल किशोर मिश्र ने भारत सरकार व प्रदेश सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गीत गाकर मतदाताओं को वोट डालने के लिए किया जागरूक

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में जिला निर्वाचन अधिकारी जिला कलेक्टर अनुराग पटेल ने राष्ट्रीय मतदान दिवस का आयोजन किया और कुछ समय के लिए मोहम्मद रफी की तर्ज पर एक मंच से गीत गाया यह शहर जब छोड़ कर चला जाऊंगा तो तेरी याद बहुत आएगी गमों को भुला कर चला जाऊंगा तो तेरी याद बहुत आएगी इस तर्ज पर बांदा जनपद के मतदाताओं को वोट डालने के लिए उत्साहित करते हुए प्रयास प्रयास किया एक कार्यशाला का आयोजन किया और एक लंबा लोगों के साथ मार्च चें भी किया रास्ते में बच्चियों छोटे.छोटे बच्चों और महिलाओं को 23 फरवरी वोट डालने के लिए प्रोत्साहित किया है बांदा कलेक्टर अनुराग पटेल ने सर्व धर्म एक होने की बात कही और तीनों झंडो का फ्लैग मार्च निकालकर सभी धर्मों के लोगो को 23फरवरी2022 को वोट करने की बात कही स्वयं मुश्लिम झंडा लेकर चले और2 अधिकारी हिदू झंडा और सफेद झंडा लेकर वोट मतदान का जुलूस निकालकर जान जागरण किया

डम्पर ने बाइक में मारी ठोकर, एक की मौत

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के अहिरी गांव के पास बाइक सवार को डम्फर ने ठोकर मार दी। इससे बाइक सवार राममिलन उर्फमनीष (35) पुत्र बाबूलाल यादव निवासी बैरमपुर थाना रैपुरा की मौके पर मृत्यु हो गई। मृतक के एक पुत्री व दो पुत्र हैं। मृतक मजदूरी करता था। ये हादसा मंगलवार को सवेरे नौ बजे हुआ। बताया गया कि अहिरी गांव के पास बाइक सवार राममिलन घरेलू सामान लेने जा रहा था। कर्वी की ओर से आ रहे डम्फर ने ठोकर मार दी। इससे मनीष की मौके पर मृत्यु हो गई। बैरमपुर के वाशुदेव उर्फलाला पटेल (25) घायल हो गये। विमला देवी व उमा देवी भी घायल हो गई हैं। ग्रामीणों की मदद से घायलों को मऊ सीएचसी लाया गया। सीएचसी में अधीक्षक ने बताया कि राममिलन की मृत्यु हो चुकी है। वाशुदेव की हालत नाजुक होने पर इलाहाबाद रेफर किया है। मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है।

रास्ते के विवाद में युवक के साथ मारपीट

जालौन। रास्ते में निकलने को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने गांव में आकर युवक के साथ न केवल मारपीट की बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रूरा मल्लू निवासी अनिल सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि सोमवार को वह सातमील से बाइक लेकर अपने गांव जा रहा था। तभी रास्ते में वाहन निकालने को लेकर हरकौती निवासी राघवेंद्र उसके साथ अकारण ही गाली, गलौज करने लगा। जिसकी शिकायत करने वह अपने भाई सनी के साथ राघवेंद्र के घर चला गया। वहां से लौटकर जब वह अपने घर आया तो राघवेंद्र के साथी धर्मेंद्र, कुमकुम व आशीष लाठी, डंडे और सरिया लेकर उसके घर आ धमके। तीनों ने घर में घुसकर उसे व उसके भाई सनी के साथ गाली, गलौज करते हुए मारपीट की। जिसमें उसे चोटें आई हैं। शोरगुल सुनकर आसपास के लोगों को आता दख उक्त सभी जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। उक्त संदर्भ में कोतवाल शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला मोर्चा की महामंत्री ने गिनाई योगी सरकार की उपलब्धियां

चित्रकूट। भाजपा ने चुनाव आयोग के निर्देश पर महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने चुनाव प्रचार का शुभारम्भ एलआईसी तिराहे से किया। मंगलवार को बिहार से आई चुनाव प्रभारी संयोजिका श्रीमती विनीता मिश्रा की अगुवाई में महिला मोर्चा जिला महामंत्री विनीता द्विवेदी ने सरकार की उपलब्धियां बताते हुए एलआईसी तिराहे से लेकर महिला थाना चौराहा तक मार्च किया। उन्होंने सभी लोगों को भाजपा सरकार की उपलब्धि बताई।

विदेशी कम्पनियों को करें बैनः हरिशंकर

चित्रकूट। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिला मंत्री हरिशंकर गुप्ता ने अमेजॉन फ्लिपकार्ट ऑनलाइन कंपनियों का विरोध करते हुए भारत सरकार से गुजारिश की है कि इन कंपनियों को भारत में बैन किया जाए। मंगलवार को गुप्ता ने अमेजॉन पर ऑनलाइन के माध्यम से भारतीय तिरंगा डिजाइन वाले जूतों की बिक्री हो रही है। यह हमारे देश के स्वाभिमान राष्ट्रीय ध्वज का अपमान कर रहे हैं। ऐसी विदेशी कंपनियों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए भारत में पूरी तरह से बैन किया जाए। जिला मंत्री हरिशंकर ने गुजारिश की है कि सभी देशवासी इस तरह की कंपनियों से खरीदारी न करें। जो हमारे देश का अपमान कर रहे हैं। जिला मंत्री ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अमेजॉन विदेशी कंपनियों को पूरी तरह से भारत में बैन करने की गुजारिश की है। इस मौके पर करामत अली, रवि गुप्ता, पप्पू जायसवाल, मंडल कार्यवाहक अध्यक्ष छुटकू, दीपक पटेल, शिवम आदि मौजूद रहे।

प्रभारी नंबर से नहीं खरीद रहे धान

दलालों के माध्यम से सीधे ट्रकों में लोड होता धान।

चित्रकूट। भाकियू तहसील अध्यक्ष तीरथ प्रसाद सिंह ने बताया कि क्रय केंद्र रामनगर में दलालों के माध्यम से धान खरीदी हो रही हैं। दर्जनों किसानों ने भाकियू पदाधिकारियों को बताया कि मौके पर पहुंचकर पदाधिकारियों ने देखा कि केन्द्र प्रभारी लालबहादुर सिंह दलालों से पैसा लेकर धान खरीद रहे हैं। मंगलवार को भाकियू तहसील अध्यक्ष तीरथ प्रसाद सिंह ने कहा कि हफ्तों से पड़े किसानों का नम्बर नही लग रहा। लाये धान की तौल भी नही की जाती। सीधे ट्रैक्टरों से ट्रकों में लोड कर दिया जाता है। बिना नम्बर के तौल की जाती हैं। दबंग केंद्र प्रभारी से नम्बर में लगे किसान बात करते हैं तो उन्हें कहा जाता है कि दूसरी जगह जा कर बेंच लो। किसान रवि करण पांडेय, बेनीप्रसाद, रामचन्द्र, मोनू तिवारी, शिवप्रसाद, बबली सिंह, साधुराम सिंह, बबलू, मुन्नीलाल सिंह, राजकिशोर सिंह आदि किसानों ने केंद्र प्रभारी पर नम्बर से धान न खरीदने का आरोप लगाते हुए कहा कि हफ्तों से पडे है। हमारा नम्बर होने के बाद भी धान नही खरीदा जा रहा है।

सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाया जाए गणतंत्र दिवस का पर्वः डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाए जाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी ने बताया कि प्रात: 7 बजे मलिन बस्तियों में सफाई अभियान, 8 बजे प्रभात फेरी घोष के साथ एनसीसी स्काउट तथा झांकियां, 8.30 बजे समस्त सरकारी अर्द्ध सरकारी भवनों में झंडारोहण, झंडाभिवादन,राष्ट्रगान, संविधान के संकल्प का स्मरण तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान, 9:30 बजे पुलिस लाइन में पुलिस परेड कार्यक्रम, 10 बजे समस्त शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण राष्ट्रगान संविधान के संकल्प का स्मरण एवं खेलकूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10:15 बजे जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल एवं मिठाई का वितरण, 10.30 बजे साइकिल दौड़, 9 बजे से 10:30 बजे तक स्टेडियम में वॉलीबॉल प्रतियोगिता, 11 बजे से दो बजे तक मंदाकिनी गेस्ट हाउस करबी में उत्तर प्रदेश दिवस आयोजन कार्यक्रम, 2 बजे दृष्टि संस्था शंकर बाजार करबी में फल वितरण तथा 3 बजे रूट मार्च का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को देखते हुए सभी संयोजक तथा सह संयोजक अधिकारियों को निर्देश दिए की गणतंत्र दिवस को सादगी, सौहार्द, निष्ठा और गरिमा से उत्साह पूर्वक मनाया जाए। गणतंत्र दिवस को मनाये जाने के लिए जो शासन से दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं उसी के अनुसार कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि शासन के निर्देशानुसार कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता काअनुपालन एवं आवश्यक कार्यवाही करते हुए उपरोक्त राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 2022 को सादगी के साथ गरिमा पूर्ण ढंग से मनाया जाए।

छोड़ो अपने सारे काम पहले करो मतदान

संवाददाता। उरई(जालौन)

लक्ष्मीचरण हुब्बलाल महाविद्यालय के परिसर में एनएसएस के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम प्राचार्य डा. योगेश कुमार पचौरी की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। महाविद्यालय के प्रबंधक इंजी. प्रभाकर अवस्थी ने मत और दान करने का सही तरीका बताया। प्राचार्य डा. योगेश कुमार पचौरी ने चुनाव की एक धर्म संज्ञा दी जिसमें सभी को मतदान की आहूति देना अनिवार्य बताया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता डा. राजेश कुमार स्वामी ने संविधान की गरिमा को बताते हुए मतदान क्यो आवश्यक है के विषय पर मार्गदर्शन किया और कहा कि छोड़ो अपने सारे काम पहले करो मतदान। डा. अम्बरीश बाजपेयी ने कहा कि अपना अमूल्य वोट देकर अपना भाग्य स्वयं लिखे वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है का नारा दिया।

जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद प्राचार्य व अन्य

नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की यही पुकार करो अपना मतदान। मतदान करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। लेकिन कुछ लोग अपने इस महत्वपूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी को नही निभाते सभी इससे दूर रहना चाहते या मतदान दिवस को अवकाश दिवस के रूप से मनाते है।

यदि आप मतदान करेगे तो आज अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकेगे। लोकतंत्र में हिम्मेदारी हम सबकी है जिम्मेदारी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर कुलदीप, आशीष, राजेश, जगदीश, अर्चना, प्रतापभान, रजनीकांत, रागनी, प्रवीण, सुरेन्द्र निगम, संतोष वर्मा, शिव कुमार पुरवार, राजा यादव, सत्य नारायण, आदि महाविद्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया टीम ने

जालौन। राज्य की कायाकल्प तीन सदस्यीय टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर मूल्यांकन किया। इस दौरान टीम ने अस्पताल की सेवाओं, व्यवस्थाओं और संसाधनों की भौतिक स्थिति का जायजा लिया। टीम दौरे से संतुष्ट नजर आई। मूल्यांकन के आधार पर अस्पताल को नंबर मिलेंगे।

वर्ष 2014 में मोदी सकार की ओर से स्वच्छ भारत अभियान शुरू होने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने अस्पतालों के लिए कायाकल्प योजना चलाई है। इसके अंतर्गत अस्पतालों की सेवाओं, साफ-सफाई, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण और सपोर्ट सर्विस के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। अव्वल आने पर तीन श्रेणियों में पुरस्कार राशि दी जाती है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से भेजे गए क्षेत्रीय गुणवत्ता सलाहकार डॉ. सुरेंद्र सिंह, अस्पताल गुणवत्ता प्रबंधक खुशबू और कैंसर एड्स सोसाइटी के डायरेक्टर राजेश यादव ने नगर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, दवा भंडार, पैथोलॉजी लैब, इमरजेंसी वार्ड, इंडोर वार्ड, ऑपरेशन थियेटर और प्रसव कक्ष और पोस्ट डिलीवरी कक्ष का निरीक्षण किया।

अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. केडी गुप्ता ने अस्पताल की सेवाओं से जुड़ी जानकारियां दीं। जिसमें उन्होंने टीम को बताया कि अस्पताल में मरीज काफी संख्या में आते हैं और सीएचसी से जुड़ा क्षेत्र भी काफी बड़ा है। ऐसे में बिल्डिंग के विस्तार की आवश्यकता है। साथ ही स्टॉफ भी पूरा नहीं है। जिस पर टीम ने उनकी मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर सीएचसी प्रभारी डॉ. कपिल देव गुप्ता, योगेश आर्या, डॉ. राजीव दुबे, फार्मासिस्ट डॉ. पीएन शर्मा, अवधेश राजपूत मोहसिन खान आदि मौजूद रहे।

सरकारी संरक्षण के अभाव में कालपी का कालीन उद्योग व्यापार पड़ा कमजोर

कालपी(जालौन)। शासकीय सुविधा न मिलने के कारण कालपी का कालीन उद्योग दिनोंदिन कम होता जा रहा है। कालीन का व्यवसाय कमजोर होने के कारण बुनकर तथा कारोबारियों सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है। मालूम हो कि 80 के दशक में ग्वालियर के रहने वाले अबरार उस्ताद तथा रहीम बेग ने कालपी आकर कालीन बुनने की विधि नगर वासियों को बताई थी। देखते ही देखते हजारों लोगों ने कालीन की बुनाई का प्रशिक्षण लेकर बुनकरी के धंधे में जुट गये। कालपी की बुनी हुई हाथ की कालीन ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, मुम्बई, जयपुर के एक्सपोर्ट मार्केट में काफी मांग होती थी। लेकिन बीते पांच सालों से कालीन का व्यवसाय में कमजोरी शुरू हो गई। विदेशों में कालीन का निर्यात कमजोर होने से मांग घट गई। इधर कच्चे माल, ऊन, सूत्र, विस्कोस आदि के दामों में बढ़ोत्तरी हुई लेकिन कालीन 300 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से ऊंचाई पर नही पहुंच सकी तथा बुनकरों, कारोबारियों को नुकसान होने लगा।

कालीन उद्योग में काम करते कारीगर

प्रोसेसिस प्लांट न होने से बनी गम्भीर समस्या

कालीन उत्पादक कल्लू खान, सुलेमान मंसूरी आदि ने बताया कि निर्मित कालीन को ग्वालियर के प्लांटों में पहले तैयार कराया जाता था फिर निर्यातक खरीद करते थे। इसीलिए ग्वालियर के बिचौलियों को कालीन कम दामों में बेचने के हम लोग मजबूर होते थे तथा बिचौलियों अधिक मुनाफाखोरी करते थे। उन्होंने बताया कि कालपी में प्रोसेसिस प्लांट की तमाम बार मांग उठाई गई। लेकिन सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

गणतंत्र दिवस: शहर के चप्पे-चप्पे पर है पुलिस की नजर

अधिकारी, नेता चिकित्सक, स्टाफ आम आदमी सभी की जांच के दिए निर्देश

वाहनों को सार्वजनिक स्थानों से दूर खड़े करने के दिए निर्देश

बीके अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों को जांच की जानकारी देते पुलिसकर्मी।

महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया की जांच करती सुरक्षाकर्मी।

कविता। फरीदाबाद

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आ रहा है। शहर में जहां एक तरफ जगह-जगह नाके लगाये गए हैं। वहीं दूसरी तरफ शहर के सार्वजनिक स्थानों से लेकर सिविल अस्पताल, डिस्पेंसरियों, नगर निगम कार्यालयों तथा अन्य सभी स्थानों पर पुलिस जांच करती हुई नजर आई। पुलिस प्रशासन ने बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड के साथ शहर के सबसे बड़े सिविल अस्पताल में विशेष नजर बनाए रखी। वहां मौजूद सभी सुरक्षा कर्मियों को पूरे दिन सख्ती से जांच करने के निर्देश दिए और उन्हें जांच करने के तरीके से भी अवगत करवाया। जिसमें उन्होंने अस्पताल परिसर में खड़े होने वाले वाहनों को पूरी तरह से बाहर का रास्ता दिखाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों, चिकित्सकों, स्टाफ से लेकर सभी आने जाने वालों की गहनता के साथ जांच करने के आदेश दिए।

पहले की जांच : गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस द्वारा शहर भर में बम निरोधक दस्ते के साथ गहनता के साथ जांच की जा रही है। इसी कड़ी में बीके अस्पताल में भी बम निरोधक दस्ते की टीम ने जांच की। वहीं डॉग स्क्वॉयड की टीम द्वारा चप्पे-चप्पे की जांच की गई। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक और डॉग स्क्वॉयड टीम के सदस्यों ने बीके अस्पताल के कर्मचारियों को एकत्रित करके वहां आने-जाने वालों की जांच करने के सख्त निर्देश देते हुए उन्हें प्रशिक्षण दिया कि वह किस तरह से सभी की जांच करें।

सभी की जांच : अस्पताल में आने-जाने वाले सभी रास्तों को बंद करवा कर, मात्र एक गेट को खुलवा दिया। जिस पर सभी की जांच के बाद लोगों को अंदर जाने दिया। वहीं अस्पताल की ओपीडी और अपातकालीन कक्ष तथा वार्डों में तैनात सुरक्षा कर्मियों को गहनता के साथ जांच करने के निर्देश दिए। जिसके तहत ओपीडी और अपातकालीन कक्ष पर दो पुरूष और एक महिला सुरक्षाकर्मी की तैनाती की गई। जिसमें उन्होंने चिकित्सकों और यहां दौरा करने वाले सभी लोगों की जांच के बाद ही अंदर जाने दिया।

कालीबाड़ी मंदिर में टीकाकरण शिविर

फरीदाबाद। 73वां भारतीय गणतंत्रता दिवस की पुण्यतिथि में एक बार पुन: फरीदाबाद कालीबाड़ी सेक्टर-16 ने इस वैश्विक महामारी के दौरान अपने चिर प्रचलित अंदाज में समाज के सभी वर्गों के लिए मंदिर परिसर में ही कोविड टीकाकरण शिविर का आयोजन किया है।

26 जनवरी के अवसर पर फरीदाबाद कालीबाड़ी ने पहली बार 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों एवं 60 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिक (जिनको कोविड के द्वितीय डोस लिए हुए नौ महीने हो चुके हैं) के लिए बूस्टर डोज की भी सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त यहां पर पहले और दूसरे डोस की टीकाकरण की भी व्यवस्था रहेगी। टीकाकरण सुबह 10 बजे से प्रारम्भ किया जाएगा। टीकाकरण हेतु आने वाले सभी लाभार्थियों से अनुरोध है की वो अपने प्रथम/द्वितीय डोस की प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी जरूर साथ लेकर आएं।

संक्षिप्त समाचार

सेंट कोलंबस में 73वां गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित

सेंट कोलबंस स्कूल में गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

फरीदाबाद। सेंट कोलबंस विद्यालय, दयाल बाग, फरीदाबाद के प्रांगण में 73वां गणतंत्र दिवस समारोह विशेष हर्षोल्लास से मनाया गया। कोरोना काल के कारण विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं में ही इस पर्व को मनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर ऑनलाइन विद्यार्थियों के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न, कॉलार्ज मेकिंग (स्वतंत्रता सेनानी), तिरंगा मोमबत्ती, तिरगां फूल, पोस्टर मेकिंग आदि बनवाए गए। कोरोना काल में इस कार्यक्रम का आयोजन दो गज की दूरी, मास्क का प्रयोग...आदि कोरोना के नियमों का पालन करते हुए अत्यधिक सावधानी पूर्वक किया गया। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य धर्म, संप्रदाय, जाति-पांति से ऊपर उठकर विद्यार्थियों को एकता के सूत्र में पिरोना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. पूनम राना (एम.बी.बी.एस, एम.एस. नेत्र विज्ञान) रहीं। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषि चौधरी एवं प्रधानाचार्या श्रीलेखा वीएम जी व मुख्य अतिथि के सानिध्य में ध्वजारोहण किया गया।

संदेश: 4451 कोरोना संक्रमित हुए ठीक

फरीदाबाद। जिले में कोरोना महामारी का आतंक पिछले कुछ समय से तेजी के साथ बढ़ रहा था। वहीं दूसरी तरफ अब केन्द्र सरकार की नई गाइडलाइन के अनुसार सात दिनों बाद लोगों को ठीक करने के निर्देश दे दिए है। इसी कड़ी में जिले में मंगलवार को एक दिन में 4451 रोगियों को स्वास्थ्य घोषित कर दिया गया। वहीं जिले में 684 नए संक्रमित मरीज आने की पुष्टि जिला स्वास्थ्य विभाग ने की है। जिसमें दो मौते और होने से कोविड-19 मृतकों की संख्या का आंकड़ा 730 पर पहुंच गया है। जिले में नए 684 मरीज सामने आने से एक्टिव केसों की संख्या का आंकड़ा 7237 पर पहुंच गया है। जिसमें होम आईसोलेशन में 7046 और अस्पताल में 191 लोगों को भर्ती बताया गया है। जिसमें 29 ऑक्सीजन पर है। कोरोना समेत गंभीर बीमारियों से ग्रस्त 40 लोगों को आईसीयू में भर्ती किया गया है। वहीं वैंटीलेटर पर 12 कोरोना पॉजिटिव मरीजों को भर्ती किया गया है। जिले में कोरोना के खत्मे के लिए वैक्सीनेशन और कोरोना जांच पर जोर दिया जा रहा है। जिसके तहत 4455 की जांच मंगलवार को गई। वहीं सरकारी अस्पतालों में 3497 और निजी की 1067 की रिपोर्ट निजी अस्पताल में आनी शेष है।

ईपीएफओ कार्यकारिणी चुनाव के बाद पहली मीटिंग हुई

यूनियन कार्यकारिणी की पहली बैठक में शामिल सभी पदाधिकारी-सदस्य।

फरीदाबाद। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) कर्मचारी यूनियन फरीदाबाद रीजन के चुनाव संपन्न होने के बाद मंगलवार को नई कार्यकारिणी की पहली बैठक हुई। यह बैठक ईपीएफओ कार्यालय में आयोजित की गई थी, जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने नई कार्यकारिणी का सम्मान किया। इस मौके पर ईपीएफओ के नवनिर्वाचित प्रधान भगत सिंह बैसला ने कहा कि ईपीएफओ यूनियन हमेशा ही संगठन के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर रही है। यह एक ऐसा मंच है, जहां बिना भेदभाव के और संपूर्ण समरसता के साथ सभी तरह के विवादों को निपटा लिया जाता है। यूनियन का लक्ष्य उन्नति की तरफ अग्रसर होने का रहता है। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद धर्मेंद्र सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर सिंह, महासचिव धीरज शर्मा, संयुक्त सचिव जितेंद्र कुमार, कैशियर वीरेंद्र कुमार को चुना गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में क्रमश : लेखा सूद, प्रीतम सिंह, राम सिंह, शिव कुमार, महेंद्र सिंह और पंकज कुमार शामिल है।

बच्चे चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, महिला आयोग ने किया अस्पताल का दौरा

बच्ची के शरीर पर 16 टांके देखकर अधिकारियों को दिए जांच के सख्त निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके में महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया, पीएमओ, सीएमओ और चिकित्सकों को निर्देश देते हुए।

गुरुग्राम में एक टैक्सी ड्राइवर की सर्तकता की वजह से बच्चों का अपहरण कर उन्हें बेचने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश पुलिस ने किया है। पुलिस ने दो महिलाओं समेत कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है।

महिलाओं के चंगुल से मुक्त करवाई गई एक माह की बच्ची को यहां सेक्टर-30 स्थित पालना घर में रखा गया है। इस बच्ची के शरीर पर 16 टांके पाए गए हैं। जिससे मानव अंग तस्करी की आशंका को देखते हुए महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने मंगलवार को बीके अस्पताल का दौरा कर सीएमओ डॉ. विनय गुप्ता और पीएम डॉ. सविता यादव को बच्चे की गहनता के साथ जांच करवाने के आदेश दिये हैं। इस दौरान उन्होंने बीके अस्पताल के वार्डो का दौरा कर मरीजों का हालचाल जाना। इस दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ. सुशील कुमार अहलावत, आरएमओ डॉ. रोहित गौड, सर्जन डॉ. संदीप अग्रवाल और अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

वैन चालक को सम्मानित करेंगे

महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने बीके अस्पताल का दौरा करते हुए दाखिल महिलाओं और बच्चों का हालचाल पूछा। उन्हें अपने बच्चों को लेकर सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम में एक वैन में सवार दो महिलाएं दो बच्चियों को लेकर जा रही थी। दोनों महिलाएं एक से डेढ़ लाख रुपये में बच्चियों को बेचने की बात आपस में कर रही थी। जिनकी बात सूनकर वैन चालक सतर्क हो गया। उसने गुरुग्राम स्थित डीएलएफ थाने में आरोपियों को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस द्वारा पूछताछ के बाद 16 आरोपियों को अब तक पकड़ा जा चुका है। पुलिस पूछताछ से पता चला कि आरोपियों द्वारा बच्चों को राजस्थान ले जाया जा रहा था। रेनू भाटिया ने बताया कि इनमें से एक बच्ची के शरीर पर पाए गए 16 टांकों के निशान मानव अंग तस्करी की आशंका की ओर इशारा कर रही है। उन्होंने कहा कि वैन चालक को उन्होंने सम्मानित करने और पुरस्कार देने का फैसला लिया है।

स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए ये आदेश

बीके अस्पताल का दौरा करने पहुंची महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने सीएमओ डॉ. विनय गुप्ता और पीएमओ सविता यादव को अपने आने का कारण बताया। उन्होंने कहा कि अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त करवाई गई बच्ची को सेक्टर 30 के पालना घर में रखा गया है। बच्ची के शरीर पर 16 टांके पाए गए हैं। ऐसे में बच्ची की गहनता के साथ मेडिकल जांच करवाना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को बच्ची की जांच करवा कर रिपोर्ट बनाकर देने के आदेश दिये हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर निगमायुक्त ने ली बैठक

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते निगमायुक्त यश पाल यादव।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

निगमायुक्त यशपाल यादव ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 को लेकर इंजीनियरिंग, सैनिटेशन तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मीटिंग की। मीटिंग में निगमायुक्त ने अधिकारियों से स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 को लेकर जिन अधिकारियों की विभिन्न प्रकार के कार्य करने की डयूटी लगाई गई थी और उन्होंने अब तक क्या कार्य किया है उनके बारे समीक्षा की गई।

निगमायुक्त ने सभी अधिकारियों से स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में वांछित रेटिंग प्राप्त करने के लिए और नगर निगम क्षेत्र में समग्र स्वच्छता में तेजी से सुधार सुनिश्चित करने तथा ये सभी कार्य फरवरी के अंत तक पूरे किए जाने के निर्देश दिए और कहा कि भारत सरकार की टीम मार्च में सर्वेक्षण करने के सम्भावना है। मीटिंग में निगमायुक्त ने निर्देश दिया कि नगर निगम के प्रत्येक शौचालय में सीवर/पानी/लाइट आदि का कनेक्शन होना चाहिए। स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के दिशानिर्देश अनुसार अच्छी तरह से बनाए रखा जाना चाहिए।

यदि आवश्यक हो, तो इन सभी शौचालयों और स्वच्छता कर्मचारियों के संचालन और रखरखाव के लिए एक एजेंसी लगाए। सभी शौचालयों की उचित सफाई आदि सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण का कार्य देखे। मीटिंग में निगमायुक्त ने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों को शहर के नाले-नालियों, ड्रेनों को पूरी तरह से सफाई करने और बाजारों से अतिक्रमण हटाने, टूटी सड़कों की मरम्मत करने तथा गड्ढे भरने के भी निर्देश दिए।

ऑनलाइन सूचना आवेदन वेबसाइट शुरू, जताया हर्ष

फरीदाबाद। राज्य सूचना आयोग हरियाणा ने 24 जनवरी 22 को हरियाणा राज्य में पहली बार ऑनलाइन सूचना का आवेदन दिए जाने के लिए वेबसाइट का शुभारंभ किया। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी ने अपने चंडीगढ के कैम्प कार्यालय से मुख्य सूचना आयुक्त यशपाल सिंघल एवं अन्य सभी सूचना आयुक्तों की उपस्थिति में किया।

आरटीआई कार्यकर्ता एसोसिएशन के प्रधान अजय बहल ने इस अवसर पर सभी आरटीआई कार्यकर्ताओं एवं सूचना पाने के इच्छुक आम नागरिकों तथा सरकार को बधाई देते हुए कहा कि अब सूचना पाने की राह काफी आसान हो जाएगी तथा सूचना का लिए आवेदन ऑनलाइन जमा करवाये जा सकेंगे। इस प्रक्रिया को सरल व ऑनलाइन बनाने के लिए पिछले अनेक वर्षों से प्रयत्नशील थी व सरकार एवं राज्य सूचना आयोग को इस बारे अनेक ज्ञापन भी दिए थे। अभी इस पायलट प्रोजेक्ट में केवल मुख्य सचिव कार्यालय एवं राज्य सूचना आयोग हरियाणा के लिए ही सूचना के आवेदन स्वीकार किये जायेंगे।

सीड्स संस्था सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार से सम्मानित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया यह सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय कार्यों को मान्यता और पहचान देते हुए भारत सरकार ने सीड्स (सस्टेनेबेल एनवॉयरमेंट एंड इकोलॉजिकल डेवेलपमेंट सोसाइटी) को संस्थागत श्रेणी में 2021 का सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार प्रदान किया है।

23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को देने की घोषणा की गई। नेता जी के सम्मान में इस पुरस्कार का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरस्कार समारोह में अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि 'कोई आपदा आती है तो लोग विक्टिम्स नहीं रहते, वो वॉलंटियर्स बनकर आपदा का मुकाबला करते हैं। यानी, आपदा प्रबंधन अब एक सरकारी काम भर नहीं है, बल्कि ये 'सबका प्रयास' का एक मॉडल बन गया है।' तीन दशक पहले शुरू हुई सीड्स की इस सामजिक बदलाव की यात्रा ने समय के अनुसार संस्था के इस विचार को एक आंदोलन के रूप में स्थापित किया है।

जल-वायु परिवर्तन से प्रभावित, समाज के सबसे निचले तबके, गरीबों और वंचित की जिंदगी पर सकारात्मक प्रभाव डालने की कोशिश में यह संस्था अग्रसर है। आपदा के बदलते स्वरूप के अनुसार, संस्थान सीड्स ने हर तरह की आपदा से निपटने में महारत हासिल की।

डीएसपी ग्लोबल इनोवेशन फंड ऑफ फंड के लिए पहला एसआईपी-फोकस्ड एनएफओ लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स ने डीएसपी ग्लोबल इनोवेशन फंड ऑफ फंड (डीएसपी जीआईएफ) के लिए भारत का पहला एसआईपी-फोकस्ड एनएफओ लॉन्च करने की घोषणा की। डीएसपी जीआईएफ एक फंड ऑफ फंड्स है (यह खुद अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय फंड्स में निवेश करेगा), जो अपने प्रमुख संचालक बल के तौर पर इनोवेशन पर फोकस करता है। यह उन कंपनियों की पहचान करता है जो नवीनतम सोच को केंद्र में रखते हैं, यह प्रासंगिक बने रहने की संभावना रखते हैं और इनमें लंबी अवधि में सफल होने की क्षमता होती है।

इनमें मेटावर्स, सेमीकंडक्टर्स, ब्लॉकचौन, 5जी, जीन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस एक्सप्लोरेशन, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और रोबोटिक्स आदि जैसे उभरते हुए इनोवेशन थीम शामिल हैं। फिलहाल इन उभरते क्षेत्रों में भाग लेने के लिए भारतीय सूचीबद्ध स्पेस में बहुत सीमित अवसर हैं। भारतीय निवेशक अब परिपक्व हो चुके हैं और उन्होंने लंबी अवधि के निवेश के सही तरीके के रूप में एसआईपी को अपनाया है। वे हर महीने एसआईपी के तौर पर करीब 12,000 करोड़ रुपये का निवेश करते हैं। एक और उभरती हुई प्रवृत्ति वैश्विक स्तर पर विविधता की है, ताकि उन इनोवेटिव कंपनियों का लाभ उठाया जा सके, जो भारत में मौजूद नहीं है। हालांकि, ग्लोबल फंड ऑफ फंड्स में हर महीने के 12,000 करोड़ रुपये के एसआईपी प्रवाह में से सिर्फ 200 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है।

डीएसपी जीआईएफ उन कंपनियों की तलाश करता है, जो तीन श्रेणियों, अग्रणी डॉमिनेटर्स, यंग डिसरप्टर्स और कनेक्टिंग एनेबलर्स में शामिल हैं। डीएसपी इनवेस्टमेंट मैनेजर्स के एमडी और सीईओ कल्पेन पारेख ने कहा, 卐डॉमिनेंट कंपनियों और एनेबलर्स ने कोविड के बाद मुनाफे में हुई वृद्धि के कारण कीमतों में शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है। दूसरी ओर, डिसरप्टिव इनोवेशन स्पेस में कीमतों में बहुत तेजी से गिरावट आई है और इसकी वजह से उनका पहले ही अधिक चल जाना रहा है।

जलभराव : आप ने किया प्रदर्शन

पानी की निकासी को लेकर प्रदर्शन करते आमआदमी पार्टी के कार्यकर्ता।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को गांव भांखरी में बने टोल रोड की दुर्दशा को लेकर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। धर्मबीर भड़ाना के नेतृत्व में आप कार्यकर्ताओं ने रिलायंस कंपनी मुर्दाबाद, बोतल में बिक जाओगो, ऐसी सडकें पाओगे, आम आदमी पार्टी जिंदाबाद, भाजपा पार्टी मुर्दाबाद के नारे लगाए। आप पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सड़कों में बने गड्ढे, पानी एवं कीचड़ में उतरकर रिलायंस कंपनी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

इस मौके पर भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद था। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष

सुविधाएं दिए बिना रिलायंस कंपनी लोगों से वसूल रही है गुंडा टैक्सः भड़ाना

धर्मबीर भड़ाना ने मीडियाकर्मियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो कंपनी रोड पर टोल वसूलती है, उस रोड को बनाए। यहां पर रोजाना सैंकड़ों लोग निकलते हैं, छोटे-छोटे बच्चे कीचड़ में गिरते हैं और बुरा हाल है। भड़ाना ने इस सडक को खूनी सडक बताया और इस सबके लिए रिलायंस कंपनी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के नेता एवं अधिकारी मिलकर पैसा वसूलते हैं, मगर जनता को सुविधाओं के नाम पर परिणाम जीरो है। भडाना ने कहा कि एनआईटी एवं बडखल विधायक मिलकर टोल कंपनी से पैसा वसूली करते हैं, इसी के चलते वो जबरन लोगों से टोल के नाम पर पैसा वसूलते हैं। सरकार एवं पीडब्लयूडी विभाग के अधिकारियों की यह जिम्मेदारी बनती है, जब टोल रोड बना हुआ है और उससे टोल वसूला जाता है तो, लोगों को सुविधाएं भी मिलनी चाहिए। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के मेयर पद के दावेदार ओ पी वर्मा, रघुबर दयाल, मंजू गुप्ता, विनोद भाटी एवं भीम यादव ने कहा कि एनआईटी विधायक क्षेत्र की जनता को सुविधाएं देने की बात करते थे, मगर आज वह पूरी तरह से नदारद हैं।

जीवा पब्लिक स्कूल में वर्चुअली गणतंत्र दिवस आयोजित

फरीदाबाद। सेक्टर 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने 25 जनवरी को प्रात:कालीन सभा के दौरान 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर वर्चुअली रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। विद्यालय में कक्षा पहली से लेकर बारहवीं तक के छात्रों ने राष्ट्रीय पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लिया व कार्यक्रम को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। छात्रों ने कार्यक्रम के दौरान भारत के संविधान के विषय में चर्चा की। कार्यक्रम में अनेकता में एकता को भी दर्शाया गया। छात्रों ने विभिन्न राज्यों की वेशभूषा, भोजन, भाषा इत्यादि का प्रदर्शन किया व प्रत्येक राज्य की विशेषता भी बताई। इसके साथ ही भारतीय संविधान से संबंधित एक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्रों से संविधान से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे गए। छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ इस प्रश्नोत्तरी में भाग लिया व प्रश्नों के उचित उत्तर दिए। कुछ छात्रों ने स्वरचित देशभक्ति की कविताएं सुनाई जो कुछ छात्रों ने गीत व नृत्य भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने सभी छात्रों एवं अभिभावकों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुभकामनाएँ दी व संबोधित करते हुए कहा कि भारत की आने वाली पीढ़ी न केवल अपने अधिकारों को जाने बल्कि अपने कर्त्तव्यों को भी समझे साथ ही उनको पूर्ण भी करें, देश को उन्नति के मार्ग पर ले जाए।

डीएसपी मनीष सहगल और एसआई उमेश को मिलेगा राष्ट्रपति पदक

क्राइम ब्रांच, थाना, चौकी एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय में तैनात 19 पुलिस कर्मियों को गणतंत्र दिवस पर मुख्यातिथि खेलमंत्री संदीप सिंह द्वारा किया जाएगा पुरुस्कृत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मनीष सहगल।

उमेश कुमार।

73वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर जिले में कार्यरत डीएसपी, सीआईडी मनीष सहगल तथा उप निरीक्षक उमेश कुमार को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही फरीदाबाद में ध्वजारोहण करने वाले मुख्य अतिथि एवं खेल राज्यमंत्री संदीप सिंह द्वारा 19 पुलिस कर्मियों को सराहनीय कार्य करने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

राष्ट्रपति पदक प्राप्त करने वाले डीएसपी मनीष सहगल का जन्म चंडीगढ़ में वर्ष 1969 में रिटायर्ड आईपीएस देशराज सहगल के घर हुआ। इन्होंने वर्ष 1994 में हरियाणा पुलिस में बतौर एएसआई जॉइन किया और वर्ष 2013 में डीएसपी के पद पर पद्दोनत हुए। मनीष सहगल यूनाइटेड नेशन के दो पीसकीपिंग मिशन का हिस्सा भी रह चुके हैं। जिसमें कोसोवो तथा लाइबेरिया का नाम शामिल है। वर्तमान में डीएसपी सीआईडी के पद पर रहकर वे शहर में कानून व्यवस्था को सदृढ़ करने में अहम् योगदान दे रहे हैं।

राष्ट्रपति पदक से सम्मानित होने वाले एसआई उमेश कुमार का जन्म महेंद्रगढ़ के पाली गांव में हुआ। वे चार दिसंबर 1988 को हरियाणा पुलिस में बतौर सिपाही भर्ती हुए। यह फरीदाबाद के विभिन्न थानों में ने अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उमेश कुमार को कोरोना काल में बेहतरीन कार्य करने पर मुख्यमंत्री द्वारा कोरोना योद्धा कर्मवीर की उपाधि से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि खेल मंत्री संदीप सिंह से सम्मान प्राप्त करने वाले 19 पुलिस कर्मियों में ईएसआई शहीद अहमद, पीएसआई ममता, सिपाही मनोज कुमार, सिपाही सुशील कुमार, एएसआई राजबीर, एएसआई अश्वनी, सिपाही रहीश, एसआई उमेश कुमार, पुलिस आयुक्त कार्यालय में तैनात आचरण पंजीकरण कलर्क के तौर पर नियुक्त एसआई ब्रह्म, एएसआई कमल चंद, महिला एएसआई अनीता, मुख्य सिपाही जसविन्द, एसआई मनोज कुमार, प्रधान सिपाही राकेश कुमार, एएसआई रमेश चन्द्र, सिपाही संदीप, सिपाही आजाद, महिला थाना बल्लबगढ़ में तैनात महिला एसआई बबीता, एसआई प्रदीप, प्रधान सिपाही मान सिंह शामिल है।

कर्नाटक में विवाद

लड़कियों को हिजाब

कर्नाटक के कुछ हिस्सों में नए वर्ष में हिजाब और भगवा स्कार्फ पर बहस तेज होगी। 1 जनवरी को उडुपी के एक पूर्व-विश्वविद्यालय कालेज ने कुछ लड़कियों को स्कार्फ पहन कर कक्षाओं में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था क्योंकि यह कालेज नियमों के खिलाफ था। प्रबंधन ने कहा था कि लड़कियां परिसर में स्कार्फ पहन सकती हैं, पर कक्षाओं में नहीं। इसके पीछे तर्क दिया गया था कि शिक्षक को पढ़ाने के दौरान छात्रों पर पूरी तरह नजर रखनी चाहिए। लेकिन इस प्रतिबंध से नाराज लड़कियों ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पुरुषों के सामने अपने बाल ढकने के लिए हिजाब पहनना जरूरी है। एक तर्क यह था कि यदि यह केवल स्कार्फ की तरह बाल ढकता है तो हिजाब पर आपत्ति क्यों की जा रही है। लेकिन दूसरा तर्क यह था कि यदि ऐसा है तो चेहरा भी ढकने के लिए एक पिन क्यों लगाई जा रही है। चीजों ने उस समय राजनीतिक रूप ले लिया जब चरमपंथी इस्लामी समूह पापुलर फ्रंट आफ इंडिया की छात्र शाखा कैंपस फ्रंट आफ इंडिया-सीएफआई ने यह मामला उठाया। उसने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि इस प्रतिबंध से धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप किया जा रहा है। अभी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। कर्नाटक के एक अन्य गांव, कोप्पा जिले के बालागाडी में कुद कालेज छात्रों ने प्रबंधन द्वारा मुस्लिम लड़कियों को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने पर विरोध में भगवा स्कार्फ पहनने शुरू कर दिए। तीसरी घटना में कोलार जिले में एक हिंदू समूह ने सरकारी स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए दावा किया कि प्रधानाचार्य ने मुस्लिम लड़कियों को शुक्रवार को कक्षा में प्रार्थना करने की

अनुमति दे दी है। जिला कलेक्टर इस मामले की जांच कर रहे हैं। धीमे-धीमे पर निश्चित रूप से ऐसी घटनायें न केवल तेजी से विवादास्पद होती जा रही हैं, बल्कि इनसे यह बहस भी शुरू हुई है कि क्या हिजाब यूनीफार्म का हिस्सा है।

भारत में जहां सार्वजनिक स्थानों पर धर्म का प्रदर्शन काफी सामान्य बात है, ऐसी घटनाओं को प्रचार नहीं मिलना चाहिए। लेकिन चिन्ताजनक बात है कि जब कर्नाटक में दो महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं तब भावनाओं को भड़काया जा रहा है। वृहत बैंगलुरू महानगर पालिके में चुनाव जिला पंचायत व तालुक पंचायत चुनावों के साथ या इनके फौरन बाद होंगे। इनमें कुल लगभग 4 करोड़ मतदाता भाग लेंगे। इसके साथ ही अगले साल की शुरुआत में राज्य विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे मुद्दे धार्मिक समूहों के लिए चारे की तरह हैं जो पहले से ही ध्रुवीकरण का बोझ ढो रहे सेक्युलर परिवेश को खराब करना चाहते हैं। उच्च न्यायपालिका को हस्तक्षेप कर ऐसे मामलों का हमेशा के लिए समाधान कर देना चाहिए। भारत फ्रांस नहीं है जहां सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक प्रतीकों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध है। भारत में सभी लोग धर्म का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हैं, फिर चाहे वह बिंदी हो या चूड़ियां या हिजाब अथवा पवित्र क्रास या सिख पटका। ऐसे में भेदभाव का सवाल नहीं पैदा होना चाहिए। संविधान हमें धर्म का व्यवहार करने की स्वतंत्रता देता है, पर कानून संरक्षण को उन व्यवहारों तक सीमित करता है जो धर्म के लिए अनिवार्य व अभिन्न हों। 2016 के एक फैसले में केरल उच्च न्यायालय ने कहा था कि हिजाब और लंबी आस्तीनों वाली ड्रेस 'इस्लाम धर्म का अनिवार्य हिस्सा' हैं। ऐसे में न्यायपालिका को केवल यह विचार करना है कि क्या हिजाब पहनने का 'अनिवार्य व्यवहार' कक्षा में सामाजिक व्यवस्था में बाधा डालता है और इससे शिक्षकों का कर्तव्य बाधित होता है।

उर्वरक डीबीटी में अनुचित गतिरोध

जब बाजार में सब्सिडाइज उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं तो इससे संदिग्ध चरित्र वाले लोगों को लाभ उठाने का मौका मिल जाता है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

बजट पेश किए जाने का समय आ गया है। दो साल तक धड़ल्ले से खर्च के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अब संभवत: राजकोषीय मजबूती की ओर लौटना चाहती हैं। ऐसे में उर्वरक सब्सिडी के क्षेत्र पर प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है जो 2019-20 में 80,000 करोड़ से बढ़ कर 2020-21 में 1,34,000 करोड़ हो गई तथा इसके 2021-22 में 1,40,000 करोड़ होने की आशा है। उर्वरक सब्सिडी इसलिए बढ़ी है क्योंकि केन्द्र सरकार चाहती है कि निर्माता-आयातक किसानों को कम अधिकतम खुदरा मूल्य पर इनको बेचें, जिसका कोई संबंध उत्पादन व आयात तथा वितरण की लागत से नहीं है। यह खर्च अक्सर बहुत ज्यादा होता है। यूरिया के मामले में एमआरपी पर अनिवार्य नियंत्रण है और सरकार निर्माताओं को अतिरिक्त लागत की भरपाई नई मूल्य योजना के अंतर्गत 'यूनिट-आधारित' सब्सिडी के रूप में करती है।

फास्फेट व पोटाश उर्वरकों-पीएंडके के मामले में उसने पोषक आधार योजना के अनुसार सभी निर्माताओं व आयातकों के लिए प्रति पोषक आधार पर समान सब्सिडी तय की है। सब्सिडी का अर्थ प्रति टन लागत और एमआरपी के बीच अंतर है। यदि लागत बढ़ती है तो एमआरपी को प्रति टन उर्वरक बिक्री में अपरिवर्तित रखने के लिए सब्सिडी बढ़ जाती है। दूसरी ओर यदि एमआरपी घटता है तथा लागत में परिवर्तन नहीं आता है तो भी सब्सिडी बढ़ती है। तीसरे, यदि प्रति टन सब्सिडी के किसी स्तर पर उर्वरक की मात्रा बढ़ती है तो भी कुल सब्सिडी भुगतान बढ़ जाता है। यूरिया का मूल्य प्रभावित करने वाले कारकों में प्राकृतिक गैस की कीमत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका यूरिया उत्पादन या आयात में प्रमुख स्थान है।

उपभोग में इसका एक तिहाई हिस्सा है। पीएंडके उर्वरकों के मामले में लागत कच्चे माल से तय होती है जिसमें फास्फोरिक एसिड, अमोनिया तथा आयातित या तैयार पदार्थ जैसे डाईअमोनियम फास्फेट शामिल हैं। यह लगभग डीएपी उत्पादन में 50 प्रतिशत के जिम्मेदार हैं। इसके साथ ही म्यूरेट आफ पोटाश की कीमतों का महत्व है जिसका पूरी तरह आयात होता है।

आयात पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यूरिया व गैर-यूरिया उर्वरकों की कीमत बढ़ रही है। देश में यूरिया उत्पादन के लिए भी आवश्यक तिहाई गैस का आयात होता है। ऐसे में सरकार इनकी कीमतों पर लगाम लगाने के लिए कुछ खास नहीं कर सकती है। लेकिन विशेष प्लांटों के अनुसार कीमत में परिवर्तन होते हैं क्योंकि गैस पर वैट में अंतर-राज्य अंतर हैं। लगभग 35 मिलियन टन यूरिया की वार्षिक सप्लाई 20,000, 25,000 व 30,000 रुपये प्रति टन पर होती है। आयात का खर्च इससे भी अधिक है। वर्तमान वर्ष में कुछ सप्लाई 900 डालर प्रति टन पर भी हुई है जो खेत तक पहुंचने पर लगभग 70,000 रुपये प्रति टन होती है। हास्यास्पद रूप से यूरिया का वर्तमान एमआरपी 5,360 रुपये प्रति टन है जो लगभग दो दशक से स्थिर है। बढ़ती लागत के कारण प्रति टन सब्सिडी बढ़ी है।

इसके साथ ही अत्यधिक प्रयोग के कारण मात्रा बढ़ी है क्योंकि सस्ती होने के कारण किसान इसका प्रयोग मिट्टी की आवश्यकता से अधिक करते हैं। बड़े तथा अमीर किसानों को भी सस्ती यूरिया मिलती है तथा बड़े पैमाने पर इसकी पड़ोसी देशों को स्मगलिंग होती है और अनुचित औद्योगिक उपयोग होता है। यह अपरिहार्य है क्योंकि बाजार में इसकी कीमत 4-5 गुना अधिक होती है। इसका नतीजा सब्सिडी खर्च में भारी वृद्धि है। यूरिया का अत्यधिक प्रयोग उर्वरक प्रयोग में असंतुलन पैदा करता है, मृदा स्वास्थ्य बिगड़ता है तथा दीर्घकालीन रूप से मझोले किसानों के लिए खेती में बने रहना कठिन हो जाता है। इसका मानव स्वास्थ्य के साथ ही पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अमीर किसानों को सस्ती यूरिया देना बिल्कुल अनुचित है जो इसका ज्यादा भुगतान कर सकते हैं। सब्सिडाइज यूरिया का भयानक दुरुपयोग किसी भी विचारशील व्यक्ति को परेशान कर सकता है। इसके बावजूद यह दशकों से जारी है तथा यह दुरुपयोग लगभग 30 प्रतिशत है।

1977 में सब्सिडी शुरू होने के बाद शुरुआत में सब्सिडी निर्माताओं को फैक्ट्री से सामान भेजने पर मिलती थी। हालांकि, उनको यह सुनिश्चित करना होता िा कि उर्वरक की बिक्री वास्तव में किसानों को हुई है, पर इसकी कोई सटीक व्यवस्था नहीं थी। सप्लाई श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर उत्पाद गायब हो जाता था तथा इसकी व्यापक रूप से चोरी होती थी। 2000 के दशकारंभ में व्यवस्था बदली गई तथा जिलों में सामग्री प्राप्त होने पर 95 प्रतिशत यूरिया सब्सिडी मिलने लगी। गैर-यूरिया उर्वरकों के लिए यह सीमा 85 प्रतिशत थी। बाकी 5 प्रतिशत तथा पीएंडके के मामले में 15 प्रतिशत का भुगतान राज्य सरकार से पुष्टि के बाद होता था। लेकिन इस व्यवस्था में भी फर्जी लोगों द्वारा सब्सिडी यूरिया की चोरी तथा जिलों में अवैध भंडारण की समस्या बनी रही। अप्रैल, 2018 से मोदी सरकार ने निर्माताओं को सब्सिडी भुगतान खुदरा व्यापारियों द्वारा किसानों को उर्वरकों की बिक्री पर करना शुरू किया है।

नई योजना के अंतर्गत निर्माता को किसान को उर्वरक मिलने पर 100 प्रतिशत सब्सिडी का भुगतान होता है और उसके आधार कार्ड को डीलर की दूकान में लगे पीओएस पर दर्ज किया जाता है। हालांकि, इससे व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है, पर खुदरा बिक्री के स्तर पर हेराफेरी संभव है। इसका कारण यह है कि आधार कार्ड रखने वाला कोई गैर-किसान भी सब्सिडाइज उत्पाद खरीद सकता है। सरकार ने कुछ अन्य उपाय करने का प्रयास किया है। इनमें सभी निर्माताओं व आयातकों द्वारा यूरिया की नीम कोटिंग शामिल है। इसके साथ ही प्रति खरीद 100 बोरे तक सीमित की गई है, जबकि पहले यह 999 बोरे थी तथा मासिक खरीद की सीमा भी तय की गई है। इसके अलावा हर जिले में सबसे ज्यादा 20 यूरिया खरीद की ट्रैकिंग कर खरीद मानकों का उल्लंघन करने वालों को दंड दिया गया है। लेकिन इन उपायों के भी समुचित नतीजे नहीं निकले हैं। अब सरकार किसी व्यक्तिगत किसान द्वारा किसी फसल सीजन में खरीदे जाने वाले सब्सिडाइज उर्वरक बोरों की संख्या सीमित करने की योजना बना रही है। लेकिन इससे भी लाभ नहीं होगा। वास्तव में जब तक योजना में 'निर्माताओं के माध्यम से सब्सिडी देने' की व्यवस्था बनी रहेगी तब तक इसके दुरुपयोग पर लगाम लगाना संभव नहीं होगा।

आगे बढ़ने का रास्ता सब्सिडी का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-डीबीटी है। सरकार को सब्सिडी सीधे किसानों को देनी चाहिए तथा निर्माताओं को इसे बाजार मूल्य पर बिक्री करने देना चाहिए। इससे दुरुपयोग पर पूरी तरह रोक लग जाएगी। जब बाजार में सब्सिडाइज उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं तो इससे संदिग्ध चरित्र वाले लोगों को लाभ उठाने का मौका मिल जाता है। इससे अत्यधिक प्रयोग पर भी रोक लगेगी। जब उत्पाद सही कीमत में मिलेगा तो किसान इसका उचित प्रयोग करेंगे। इससे गरीब किसानों को सीधे सब्सिडी देना भी संभव होगा। सभी तीन स्रोतों से मांग में कमी के कारण सब्सिडी में भारी बचत होगी। इसके परोक्ष लाभ भी होंगे। भारत उर्वरकों का प्रमुख आयातक है, अत: उसके आयात में कमी से अंतरराष्ट्रीय कीमतें गिरेंगी तथा आयात का खर्च घटेगा।

इसके परिणामस्वरूप प्रति टन सब्सिडी में भी कमी आएगी। डीबीटी से राजकोषीय दृढ़ता आएगी, व्यापार घाटा कम होगा, उर्वरक प्रयोग में असंतुलन दूर होगा, मृदा स्वास्थ्य सुधरेगा तथा टिकाऊ व पर्यावरण हितैषी कृषि को लाभ होगा। इससे अक्षम निर्माताओं को अपनी दूकानें बंद करनी पड़ेंगी, बेईमान व्यापारी तथा भ्रष्ट राजनेता व नौकरशाह प्रभावित होंगे जो उर्वरकों की चोरी से भारी कमाई करते हैं। इससे अमीर किसान भी प्रभावित होंगे जो वर्तमान योजना का सर्वाधिक लाभ उठाते हैं। उर्वरक सप्लाई पर डीबीटी 2012-13 से ही सरकार के राडार पर है। लेकिन आज तक कुछ लाबियां इसमें गतिरोध पैदा करती रही हैं। क्या प्रधानमंत्री इन लाबियों का विरोध तोड़ने में सफल होंगे?

जनजातीय समुदाय व उनके धर्म

> **"यह उग्र बहस कि आदिवासियों के पास धर्म का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं है, मूल रूप से एक राजनीतिक रूप से प्रेरित और विदेशी समर्थित प्रचार है जो भारत में विभिन्न चर्चों द्वारा शुरू किया जा रहा है।"**

वीके बहुगुणा
(लेखक संसाधन प्रबंध एवं पर्यावरण केंद्र के अध्यक्ष हैं)

आइए हम समाजशास्त्रियों और अन्य लोगों द्वारा कुछ लोगों को आदिवासी के रूप में नामित करने के सिद्धांत की जांच करें। ईसाई धर्म के प्रभाव में पश्चिमी मीडिया दशकों से आदिवासियों को स्वदेशी घोषित करने की कोशिश कर रहा है। महान भारतीय सभ्यता के संदर्भ में 'स्वदेशी' का अर्थ, जो घने जंगलों में सिलवन परिवेश में रहने वाले महान संतों के साथ विकसित हुआ, सत्य का उपहास है। आदिवासियों को स्वदेशी कहना या यूं कहें कि उन्हें आदिवासी कहना प्राचीन भारतीय संस्कृति का अपमान है। क्योंकि, आदिवासी परंपराओं का भाषा, संगीत, कला, पेंटिंग, चिकित्सा और निश्चित रूप से प्रकृति की अपने विभिन्न रूपों की पूजा का महान इतिहास है, जिसने सनातन धर्म और परंपराओं को समृद्ध किया। वास्तव में, सभी भारतीय कभी न कभी किसी न किसी जनजाति का हिस्सा रहे होंगे और यह एकतरफा आधुनिक विकास है जो अब आदिवासी और गैर-आदिवासी लोगों के बीच अंतर करता है। दुर्भाग्य से हमारा संविधान भी आदिवासी और गैर-आदिवासी शब्दाडंबर में फंसा हुआ है। यह उग्र बहस कि आदिवासियों के पास धर्म का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं है, मूल रूप से एक राजनीतिक रूप से प्रेरित और विदेशी समर्थित प्रचार है जो भारत में विभिन्न चर्चों द्वारा शुरू किया जा रहा है जो धर्मांतरण में विश्वास करते हैं।

सनातन धर्म जिसे अब हिंदू धर्म के रूप में जाना जाता है, में आदिवासी पूजा के सभी तत्व हैं। आदिवासी क्षेत्रों में अधिकांश देवत्व पर प्रकृति पूजा का प्रभुत्व है और हिंदू धर्म के कई सिद्धांत और उत्सव उनसे लिए गए हैं। कुछ राजनेताओं द्वारा यह तर्क कि आदिवासी लोगों का कभी संगठित धर्म नहीं था,

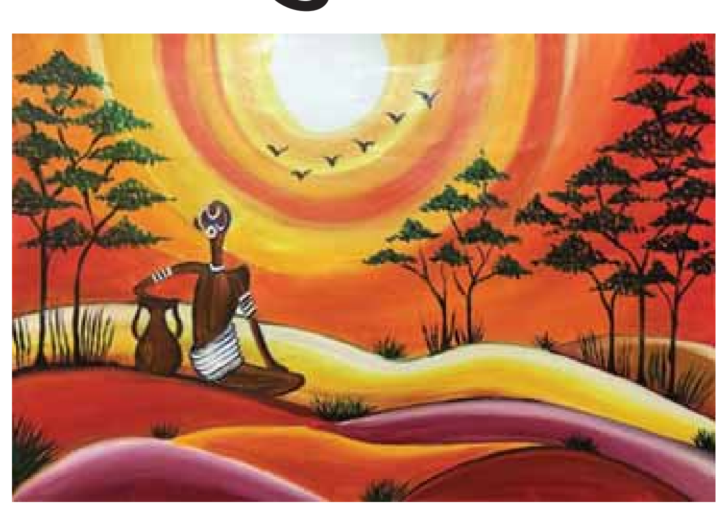

अगर हम देश के इतिहास को देखें तो इसमें कोई दम नहीं है। पहली संगठित जनगणना 1871 में हुई थी - पहली समकालिक जनगणना 1881 में हुई थी - जिसमें 95 प्रतिशत आदिवासी लोगों ने हिंदू धर्म के रूप में अपने धर्म में प्रवेश किया है। उत्तर-पूर्व के केवल दो प्रतिशत लोगों ने जनगणना के दौरान व्याख्यात्मक पूर्वाग्रह के कारण आदिवासी धर्म घोषित किया। 1891 में केवल तीन प्रतिशत को आदिवासी धर्म और बाकी को हिंदू के रूप में दिखाया गया था।

1891 की जनगणना में ईसाई धर्म के संप्रदायों की जानकारी भी एकत्र की गई थी। 1951 में आजादी के बाद पहली जनगणना में 97-98 प्रतिशत आदिवासियों ने हिंदू धर्म को अपना धर्म दिखाया था। कई दशकों बाद जब ईसाई मिशनरियों ने मध्य और पूर्वी भारत में आदिवासियों को धर्मांतरित करना शुरू किया तो प्रकृति पूजा को व्यवस्थित रूप से हिंदू धर्म से अलग करने की मांग की गई। त्रिपुरा में त्रिपुरी, जमातिया और अन्य जनजातियाँ शिव की पूजा करती रही हैं जैसा कि रॉक नक्काशियों में दर्शाया गया है। इसी तरह, देवत्व की सरना पद्धति प्रकृति और आत्माओं की पूजा पर केंद्रित है और सभी प्राकृतिक वस्तुओं को पवित्र मानती है।

इस विश्वास प्रणाली का पालन झारखंड और पड़ोसी राज्यों में कई आदिवासी समूहों द्वारा किया जाता है, और यह पूरी तरह से उनके सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में परिलक्षित होता है। स्वतंत्रता के बाद की जनगणना में धर्म के लिए 'अन्य' वर्ग ने यह भ्रम पैदा किया था क्योंकि जनगणना कर्मचारी इस तरह के आदिवासी विश्वासों को 'अन्य' के रूप में आरोपित कर रहे थे।

आदिवासी बेल्ट में वर्चस्व के लिए कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा ईसाई मिशनरियों और नक्सलियों द्वारा सनातन धर्म के बड़े हिस्से से आदिवासी आबादी को अलग करने के लिए एक सुनियोजित प्रचार शुरू किया गया है। इस लेखक ने फरवरी 2021 के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के एक आदिवासी क्षेत्र का दौरा किया है। मेले के एक कोने में, धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने वाला एक व्यक्ति हिंदू धर्म का उपहास करने वाली किताबें बेच रहा था और एक किताब की सिफारिश कर रहा था, 'आदिवासी हिंदू नहीं हैं।' आदिवासी बेल्ट में ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए मुझे आयोजक, एक विदेशी वित्त पोषित एनजीओ को चेतावनी देनी पड़ी।

आज का मुद्दा आदिवासी लोगों की धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक जीवन में दखल देने का नहीं है। उन्हें सर्वोत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका प्रदान करके उन्हें मुख्यधारा में लाने और उनकी कला, भाषा, संस्कृति और संगीत को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

आप की बात

सारे जहां से अच्छा

गणतंत्र दिवस हममें राष्ट्र के प्रति प्रेम और स्वाभिमान की भावना जगाता है। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि गणतांत्रिक व्यवस्था में बेहतर गण से ही बेहतर तंत्र का निर्माण होता है। आज यह बहुत जरूरी है कि भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र के विभिन्न घटकों के बीच परस्पर एकता, प्रेम और भाईचारे की भावना दृढ़ हो। भारत का लोकतंत्र चुस्त दुरुस्त है किंतु आज आवश्यकता है कि राष्ट्रीय एकीकरण के साथ हम आगे बढ़ें। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ आगे बढ़ी यह विकास यात्रा आज सबका प्रयास के पड़ाव तक पहुंची है, तो इसके पीछे जनता का अपने नेतृत्व पर कायम अपार भरोसा ही कारण है। जनमानस का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत है। सीमा पर देश की रक्षा के लिए गोली खाना ही देशभक्ति नहीं हैं, बल्कि अपने दिन प्रतिदिन के काम को ईमानदारी से करना और सामाजिक मर्यादाओं व वैधानिक निर्देशों का पालन करना भी समान रूप से देशभक्ति का परिचायक है। यह सत्य है कि विगत वर्षों में हमने बहुत कुछ कर दिखाया, पर हमें सोने की तरह तपकर आगे बढ़ना होगा, तभी हम कह सकेंगे, 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा।'

– **नितेश मंडवारिया**, वाराणसी

सफलता का कोई शार्टकट नहीं

कहा जाता है सफलता के लिए कभी शॉर्टकट का रास्ता नहीं चुनना चाहिए। खासकर के राजनीति में भाड़े के लोगों के सहारे आप चार मंजिला ईमारत खड़ा करोगे तो उसकी नींव हमेशा कमजोर रहेगी। जैसे इस समय बंगाल में बीजेपी का हो रहा है। जिस पार्टी को 2016 के विधान सभा में महज 10 फीसदी मत मिले थे, वो 2019 के आते आते 40 फीसद को पार कर जाती है। मगर इनका गुरु इससे इतना बढ़ गया की ये पार्टी खुदको को खुदा समाज बैठी। दावा करने लगी के 2021 का विधान सभा में 2 सौ से ऊपर सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाएगी। मगर आज का हालत है की, प्रदेश में, पार्टी अपना अस्तित्व को बचाने को जूझ रही है। इसी रविवार को जमीन से जुड़े दो नेताओं रितेश तिवारी एवं जयप्रकाश मजूमदार को कारण बताओं नोटिस दिया जाता है। बिना किसी उत्तर मिले ही चौबीस घंटों के अंदर दोनों को पार्टी से निलंबित कर दिया जाता है। कमाल तो देखिये पार्टी इसी तरह के मुखर रुख अख्तियार करने के बावजूद तथागत रॉय एवं रूपा गांगुली जैसों पर कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही तक नहीं करती। इस स्थिति के बाद दो बंगाली कलाकारों बोनी सेनगुप्ता एवं शोहेल दत्ता ने बीजेपी को अलविदा कह दिया।

– **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

सम्मान ही सच्ची श्रद्धांजलि

वाकई यह दुख का ही विषय है कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले सेनानियों पिछले सात दशकों से भुला दिया गया था। मान सम्मान और सुख सुविधाएं मिलना तो दूर की बात उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल पाइ और नतीजन वे दर दर की ठोकरें खाते रहे। इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा लगाने की घोषणा किए जाने के बाद ऐसे ही सेनानियों की खोज अवश्य ही करना चाहिए जिन्होंने गुमनामी में रहकर अंग्रेजों से लोहा लिया और स्वतंत्रता आंदोलन में जान फूंकी। आजादी हमें यूं ही नहीं मिल गई थी। कई मां के सपूत और उनके शौहर शहीद हुए हैं तब जाकर हम आज आजादी की सांस ले पा रहे हैं। जब तक राष्ट्र पर मर मिटने वाले ऐसे वीर बलिदानियों की शहादत को नई पीढ़ी के सामने नहीं लाया जाएगा तब तक स्वतंत्रता का स्वाद फीका ही रहेगा। स्वतंत्रता सेनानियों की सार्वजनिक स्थलों पर मूर्तियां लगाने से लोगों विशेषकर युवाओं में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा जगेगी और यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

संशोधन प्रस्ताव हमारी संघीय राजनीति और राज्य की स्वायत्तता की जड़ पर प्रहार करता है।

– **एम के स्टालिन**
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

कोविड से सबसे ज्यादा नुकसान दिल्ली वालों को हुआ है। हम नहीं चाहते कि आपकी रोजी-रोटी प्रभावित हो लेकिन आपका स्वास्थ्य जरूरी है।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

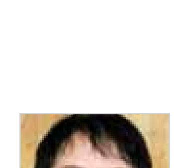

एक बात मुझे परेशान करती है धार्मिक और सांस्कृतिक विभाजन ने मजबूत स्थान बना लिया है।

– **डॉ अनिता बोस**
नेताजी बोस की पुत्री

कई दिग्गजों की कमी खलेगी चुनावी रण में

कल्याण सिंह

अजित सिंह

अमर सिंह

लालजी टंडन

बेनी प्रसाद वर्मा

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी की राजनीति में कल्याण सिंह, अजीत सिंह और अमर सिंह, बेनी प्रसाद वर्मा, लालजी टंडन ऐसे नाम हैं जो कभी भूलाए नहीं जा सकेंगे। ये नेता राजनीति में बड़ा परिवतर्न लाए और माहौल को अपने पक्ष में बदलने के लिए ये नेता हमेशा याद किए जाएंगे। मौजूदा चुनावी रण में इन नेताओं की कमी खलेगी तो जरूर लेकिन आज भी जनता ऐसे नेताओं को राजनीति में किसी नए चेहरे में तलाश करती है।

कल्याण सिंह को पिछड़ों और भगवा राजानीति के लिए तो अजीत सिंह को किसानों की राजनीति के लिए जाना जाता है जबकि अमर सिंह राजनीति में डेमेज कंट्रोल के मास्टर माने जाते थे। उनकी पकड़ हर दल में थी। इन नेताओं के सार्वजनिक बयानों का काफी गहरा असर प्रदेश की राजनीति में दिखाई पड़ता रहा है। यह सभी दिग्गज चुनावी लड़ाई में अपनी पार्टी और उम्मीदवारों के पक्ष में मतदाताओं के बीच लहर पैदा करने के लिए जाने जाते थे। इनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी इनकी हर गतिविधि पर बारीक नजर रखते थे। इस बार के चुनावों में इनके न होने की कमी यूपी के मतदाताओं को जरूर खलेगी हालांकि इन नेताओं की अगली पीढ़ी उनकी अनुपस्थिति में खुद को साबित करने के लिए सक्रिय दिख रही है।

हिन्दुत्व व पिछड़ों की राजनीति के धुरी माने जाते थे कल्याण

बात सबसे पहले यूपी के पूर्व सीएम स्वर्गीय कल्याण सिंह की करें तो इनकी गिनती कट्टर हिन्दुत्व के साथ-साथ कुशल शासक के रूप में होती है। यूपी की राजनीति में पिछड़ों को आगे लाने का काम कल्याण सिंह उर्फ बाबू जी ने किया। इनके मुख्यमंत्रित्वकाल का जिक्र राजनीति के बड़े चेहरे आज भी संसद से लेकर विधान सभा में करते हैं। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार विधान सभा में कल्याण सिंह के शासनकाल का बड़ी गर्व के साथ जिक्र किया और प्रदेश की कानून-व्यवस्था का मसला रहा हो या अपने किसी निर्णय पर टिके रहने की बात हो तो उसमें कल्याण सिंह जैसा उदाहरण बहुत कम ही मिलता है। बीजेपी के हिंदुत्व के चेहरे कल्याण सिंह ने उप्र अपनी पार्टी के लिए गैर यादव पिछड़ी जातियों को एकजुट किया। इनका निधन 21 अगस्त 2021 को हो गया था। पश्चिमी उप्र में उनकी मजबूत पकड़ और स्वीकारोक्ति रही और इसी का परिणाम रहा कि 2017 के विधान सभा चुनाव में अलीगढ़ जिले की उनकी परंपरागत अतरौली सीट से उनके पौत्र संदीप सिंह ने जीत दर्ज की और योगी कैबिनेट के सदस्य बनें। कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह एटा से भाजपा के सांसद हैं और विधान सभा चुनाव में पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप में प्रचार कर रहे हैं।

अटल बिहारी के करीबी थे लालजी टंडन

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के करीबी और लखनऊ में भाजपा का एक प्रमुख चेहरा माने जाने वाले बिहार और मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और उप्र सरकार के पूर्व मंत्री लालजी टंडन की भी कमी इस चुनाव में महसूस की जायेगी। उनका निधन 21 जुलाई 2020 को हो गया। लालजी टंडन के जीवित रहते उनके पुत्र आशुतोष टंडन राजनीति में सक्रिय हुए और 2017 में योगी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में मंत्री भी बने लेकिन इस बार पिता की अनुपस्थित में वह संगठन के लिए मजबूती से काम कर रहे हैं। लालजी टंडन लखनऊ में कई सीटों पर अपनी पकड़ के लिए जाने जाते थे और अटल के उत्तराधिकारी के रूप में वह लखनऊ लोकसभा संसदीय क्षेत्र का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। नगर विकास मंत्री रहते हुए उन्होंने लखनऊ का काफी विकास किया था जिसे आज भी याद किया जाता है।

पश्चिम यूपी में जाट व किसान राजनीति में याद किए जाते हैं छोटे चौधरी

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की राजनीति विरासत संभालने वाले चौधरी अजित सिंह का राजनीतिक समीकरण इस बार के विधान सभा में चुनाव में नही दिखाई पड़ेगा। अजित सिंह का निधन 6 मई 2021 में कोविड के कारण गुरूग्राम में हो गया था। अजित सिंह वीपी सिंह, अटल बिहारी बाजपेयी, मनमोहन सिंह की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे और बागपत से सांसद भी रहे। वह पहली बार 1986 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। 1987 में उन्हें लोकदल का अध्यक्ष बनाया गया था। 1989 के लोकसभा चुनाव में पहली बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद अजित सिंह 1991, 1996, 1999, 2004 तथा 2009 में सांसद चुने गए थे। अजित सिंह ने भाजपा, कांग्रेस, सपा और बसपा के साथ गठबंधन किया और यूपी में चुनाव लड़ा हालांकि उन्हें 2012 से लेकर 2017 के बीच लोकसभा और विधान सभा के चुनाव में कई प्रयोग किए लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। अब चरण सिंह के पौत्र और अजित सिंह के पुत्र जयंत चौधरी ने अपने बाबा और पिता की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए इस बार फिर सपा के साथ गठबंधन किया है। अजित सिंह को जाट वोट बैंक और पश्चिमी यूपी पर उनकी पकड़ को यूपी की राजनीति में याद किया जाता है।

मुलायम-बेनी बाबू का साथ याद करता है उत्तर प्रदेश

यूपी में बेनी प्रसाद वर्मा को कुर्मी बिरादरी के नेता के रूप में जाना जाता है। केंद्रीय मंत्री भी रहे। सपा से दूरियां होने पर वह कभी कांग्रेस के साथ भी रहे। बेनी प्रसाद वर्मा सबसे पहले वर्ष 1974 में दरियाबाद क्षेत्र से विधानसभा सदस्य चुने गए थे। पहली बार 1996 में उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से लोकसभा का चुनाव जीतकर बेनी प्रसाद वर्मा केंद्रीय मंत्री बने। कई साल तक यूपी की सपा सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे। देवेगौड़ा सरकार के दौरान उन्होंने वर्ष 1996 से 1998 तक केंद्र में संचार मंत्री का पद संभाला। 1998, 1999, 2004 में कैसरगंज और 2009 में गोंडा से सांसद चुने गए जबकि यूपीए सरकार के दौरान 12 जुलाई 2011 को इस्पात मंत्री भी बनाए गए। 2014 मे लोकसभा चुनाव में हारने के बाद बेनी वर्मा कांग्रेस में हाशिए पर आ गए थे। बेनी बाबू और मुलायम सिंह का साथ हमेशा याद किया जाएगा। मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाने वाले बेनी प्रसाद वर्मा उत्तर प्रदेश की राजनीति का बड़ा चेहरा थे। उनकी गिनती सपा के उन नेताओं में होती है जिन्होंने पार्टी की बुनियाद रखी थी। समाजपार्टी पार्टी में रहते हुए एक बार ऐसे हालात भी बन गए थे जब बेनी प्रसाद वर्मा को समाजपार्टी पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बेनी बाबू का 27 मार्च 2020 में उनका निधन हो गया। कुर्मी बिरादरी के सबसे मजबूत नेता माने जाने वाले बेनी वर्मा इस बार चुनावी परिदृश्य में नहीं दिखेंगे।

राजनीति से लेकर बालीवुड तक में पकड़ रखने वाले अमर सिंह याद आएंगे

एक समय पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव के दाहिने हाथ माने जाने वाले, यूपी के कद्दावर नेता अमर सिंह की कमी इस चुनाव में काफी खलेगी। सांसद अमर सिंह का एक अगस्त 2020 को सिंगापुर के एक अस्पताल में निधन हो गया था। लंबे समय से बीमार रहने के कारण अमर सिंह पिछले लोकसभा के चुनाव सक्रिय भूमिका नहीं निभा पाए थे।

अमर सिंह अगर स्वस्थ्य होकर आज राजनीति में होते तो यह चुनाव काफी रोचक होता। उप्र की राजनीति में अमर सिंह अपने अपने शायराना अंदाज से एक अलग ही पहचान रखते थे। उद्योगपति से राजनेता बने, अमर सिंह समाजवादी पार्टी के महासचिव भी रहे। नवंबर 1996 में वे सपा के समर्थन से पहली बार राज्य सभा के सदस्य चुने गए। 2002 और 2008 में भी राज्य सभा के लिए चुने गए।

छह जनवरी 2010 को उन्होंने सपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। 2016 में उनकी सपा में वापसी हुई और एक बार फिर राज्य सभा सदस्य के रूप में संसद पहुंचे। राजनीति से लेकर बॉलीवुड के गलियारों में अमर सिंह का दबदबा था। संजय दत्त और जया प्रदा को सपा में लाने का श्रेय अमर सिंह को ही जाता है।

लुभावने वादों को अपनी बैसाखी बना रही समाजवादी पार्टी

शिव विजय सिंह। लखनऊ

दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में काफी बुरी तरह शिकस्त खाने के बाद समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव 2022 में धमाकेदार तरीके से प्रवेश कर चकी है। विधानसभा चुनाव की रणभूमि में उतरते ही समाजवादी पार्टी ने सत्तारूढ़ भाजपा खेमे में सेंधमारी करते हुए उसे जबरदस्त झटका दिया तो वहीं भाजपा ने भी इससे दो हाथ आगे बढ़ कर सीधा समाजवादी कुनबे में ही हमला बोलकर उनकी बहू को ही ले उड़े। इसके बाद समाजवादी पार्टी थोड़ा बैकफुट पर जरूर आई लेकिन सपा की मुफ्त बिजली, पुरानी पेंशन लागू करने एवं आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को रोजगार देने की घोषणा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ने लगी है। सपा की इन घोषणाओं को सत्तारूढ़ भाजपा ने हवा-हवाई बता कर बचने की कोशिश जरूर की है लेकिन मुफ्त बिजली व पुरानी पेंशन को लागू करने कि सपा की घोषणा भाजपा के लिए परेशानी खड़ा कर सकती है। प्रदेश में लगातार तीन चुनाव 2014 का लोकसभा,2017 का विधानसभा व 2019 का लोकसभा हार चुकी समाजवादी पार्टी के अस्तित्व के लिए यह विधानसभा चुनाव काफी मायने रखता है। ऐसे में समाजवादी पार्टी इस बार नई रणनीति और जबरदस्त तैयारी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। नई हवा है,नई सपा है के नारे के साथ समाजवादी पार्टी ने अपना मूल चरित्र बदलने की कोशिश भी की है लेकिन सही मायने में अभी भी समाजवादी पार्टी को अपनी शक्ति पर पूर्ण विश्वास नहीं है। इसी के चलते समाजवादी पार्टी ने पूर्व चुनावों की भांति इस बार भी बड़े दलों को न सही छोटे दलों को ही साथ में रखा है। इस विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपने मूल मतदाताओं मुस्लिम व यादवों के साथ ही अन्य मतदाताओं को भी जोड़ने का प्रयास किया है । चुनाव में ब्राह्मणों को साधने की कोशिश में प्रमुख ब्राह्मण नेताओं की एक टीम बनाकर उतारा है। वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने छोटे-छोटे दलों के साथ गठबंधन कर महत्वपूर्ण जातीय समीकरणों को साधा था। उसी तर्ज पर समाजवादी पार्टी ने 2022 के लिए छोटे दलों को साथ लिया है। सपा ने जहां पूर्वी प्रदेश को साधने के लिए सुहेलदेव समाज पार्टी से गठबंधन किया है वहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश में अपनी स्थिति बेहतर करने के लिए राष्ट्रीय लोकदल का सहारा लिया है। वोटों का बिखराव न हो इसलिए अखिलेश ने अपने चाचा शिवपाल यादव की पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी से भी गठबंधन कर लिया है। महान दल,जनवादी पार्टी और अपना दल कमेरावादी जैसी छोटी पार्टियों को भी इस चुनाव में सपा ने साथ लिया है। कुल मिलाकर विधानसभा 2022 का चुनाव समाजवादी पार्टी के लिए अपने अस्तित्व को सुरक्षित करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। समाजवादी पार्टी को पता है कि यदि 2022 का चुनाव उसके हाथ से गया तो उसे काफी बड़ा नुकसान हो सकता है जिसकी भरपाई वह शायद न कर पाए। शायद इसी बात को गंभीरता से लेते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस चुनाव में जनता के सामने लुभावने वादों की झड़ी लगाई जा रहे हैं जो किसी भी सरकार के लिए लोहे के चने चबाने के समान है।

सपा के गढ़ में क्या कमल खिला पाएंगे असीम?

● पूर्व आईपीएस अधिकारी ने अभी हाल ही में उठाया है भगवा झंडा

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी की राजनीति में कन्नौज सुरक्षित विधान सभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। इस सीट पर एक बार कांग्रेस और तीन चुनाव में भाजपा विजयी रही है लेकिन लंबे समय तक सपा का ही कब्जा रहा है। 2002 से पहले के तीन चुनाव में यहां की सीट पर लगातार कमल खिला जबकि 2002 से 2017 तक यह सीट सपा के कब्जे में है। इस बार भी सपा के मौजूदा विधायक अनिल कुमार दोहरे फिर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अब इस विधान सभा चुनाव में बीजेपी ने आईपीएस सेवा वीआरएस लेकर आए असीम अरुण को अपना उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने आठ जनवरी को ही यूपी पुलिस में कानपुर के पुलिस कमिश्नर रहते हुए वीआरएस लेने की सोशल मीडिया पर घोषणा की थी। इससे पहले उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। साथ ही उन्होंने डीजीपी मुकुल गोयल को वीआरएस के लिए अर्जी दे दी थी। असीम अरुणा का शुरू से ही कन्नौज सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना तय माना जा रहा था। असीम के पिता श्रीराम अरूण भी आईपीएस अधिकारी थे। कन्नौज सुरक्षित विधानसभा सीट यूपी के कन्नौज जिले में आती है। 2017 में कन्नौज सुरक्षित में कुल 40.17 प्रतिशत वोट पड़े। 2017 में सपा से अनिल कुमार दोहरे ने बीजेपी के बनवारी लाल दोहरे को 2454 वोटों के अंतर से हराया था। बसपा के अनुराग सिंह तीसरे स्थान पर थे। अब अगर कन्नौज विधान सीट के इतिहास पर गौर करें तो 1985 में इस सीट पर पहली बार कांग्रेस से बिहारी लाल दोहरे चुनाव जीते थे जबकि भाजपा के झाम लाल अहिरवार दूसरे स्थान पर थे। बिहारी ने झाम लाल को 8998 मतों के अंतर से हराया था। 1989 में इस सीट पर जनता दल से कल्याण सिंह दोहरे चुनाव जीते जबकि कांग्रेस के बनवारी लाल दोहरे दूसरे स्थान पर रहे। 1991 में पहली बार इस सीट पर कमल खिला और बीजेपी के उम्मीदवार बनवारी लाल दोहरे ने जेडी से कल्याण सिंह को मात्र 47 वोटों से हराया था। 1993 के चुनाव में बीजेपी ने फिर जीत हासिल की और बीजेपी के बनवारी लाल दोहरे ने सपा के अनिल कुमार दोहरे को हराया। बनवारी लाल को मिले 50130 वोट मिले जबकि अनिल दोहरे को 38769 मत मिले थे। अनिल दोहरे का यह पहला चुनाव था। 1996 के चुनाव में बीजेपी ने फिर इस सीट से चुनाव जीता और बीजेपी के बनवारी लाल ने सपा के कल्याण सिंह दोहरे को हरा दिया। 2002 के विधान सभा चुनाव में सपा को पहली बार इस सीट पर विजय हासिल हुई।

धुकधुकी तेज करेंगी 47 सीटें

कमल दुबे। लखनऊ

● राज्य की ऐसी 47 सीटें हैं जिन पर पिछले चुनाव में उम्मीदवारों को पांच हजार से भी कम वोटों से जीत हासिल हुई थी

विधानसभा चुनाव में इस बार राजनीतिक दलों की धुकधुकी को तेज करेंगीं राज्य की ऐसी 47 सीटें, जिन पर उम्मीदवारों को पांच हजार से भी कम वोटों से जीत हासिल हुई थी। इनमें से भी 8 सीटें तक ऐसी थी जिस पर 1000 से भी कम वोटों के अंतर से फैसला हुआ था। करीब 10 फीसदी सीटें ऐसी हैं जहां हार जीत का अंतर 5000 से भी कम वोटों से रहा था। इस बार के चुनाव में माना जा रहा है कि इन सीटों पर हार-जीत की चाबी इस बार फ्लोटिंग वोटर के हाथों में होगी।

चुनाव में कई सीटें तो ऐसी होती है जिन पर विभिन्न राजरनीतिक दलों का अपना वचर्श्व रहा है और पार्टियों के नेता लम्बे अन्तर से जीतते रहे है लेकिन कम अन्तर से हारजीत वाली सीटों पर चुनाव का कोई फैसला काफी कठिन होता है। ऐसी सीटों के बारे में कभी भी कुछ दावे के साथ अनुमान नहीं लगाया जा सकता। वोटरों के थोड़ा इधर-उधर होने पर भी इन सीटों के परिणाम बदल सकते हैं। यूपी में 2017 के विधानसभा चुनाव में 47 सीटें ऐसी थीं जिसमें उम्मीदवारों को 5000 से भी कम वोटों से जीत मिली थी। इनमें से भी 8 सीटें तक ऐसी थीं जिस पर 1000 से भी कम वोटों के अंतर से फैसला हुआ था। ये सारी सीटें ऐसी हैं जिसकी चाबी इस बार फ्लोटिंग वोटर के हाथों में होगी। मतलब थोड़ा सा भी स्विंग किसी पार्टी का खेल बना और बिगाड़ सकता है। भाजपा ने पिछली बार 403 सीटों में से 312 पर फतह हासिल की थी तो कम अन्तर से जीत वाली सीटों में भी उसका हिस्सा बड़ा रहा है। लेकिन सिर्फ 47 सीटें जीतने वाली समाजवादी पार्टी भी अपनी सीटों के मुकाबले कम अंतर से जीतने वाली सीटों में ज्यादा पीछे नहीं है।

अगर आंकड़ों की बात करे तो पिछले चुनाव में यूपी में लगभग हर 10 वीं विधानसभा सीट पर हार और जीत का अंतर बहुत ही कम वोटों से हुआ था। राज्य में इन 47 सीटों में से भाजपा को 23 सीटें मिली थीं लेकिन वह इनमें से 15 सीटों पर दूसरे नंबर पर भी रही थी। समाजवादी पार्टी के खाते में इनमें से 13 सीटें गई थीं जबकि महज 19 सीटें जीतने वाली बहुजन समाज पार्टी के खाते में 8 सीट इन्हीं कम मार्जिन वाले क्षेत्रों में थी। बाकी कांग्रेस, आरएलडी और अपना दल सोनेलाल भी एक-एक सीट 5000 से भी कम अंतर से जीत पाई थी। डुमरियागंज सीट सिर्फ171 वोटों से जीती थी भाजपा। वर्ष 2017 में मतदाताओं ने जिन 8 सीटों पर 1000 से भी कम वोटों से हार-जीत का फैसला किया था, उनमें से 5 पर भाजपा विजयी रही थी। ये सीटें हैं- डुमरियागंज, मीरापुर, श्रावस्ती, मोहम्मदाबाद गोहना सुरक्षित और रामपुर मनिहारान। बसपा मांट और मुबारकपुर में एक हजार से भी कम वोटों से जीती थी जबकि समाजवादी पार्टी को मोहनलालगंज में एक हजार से भी कम वोटों से जीत मिली थी।

डुमरियागंज के वोटरों ने प्रदेश में सबसे कम मतों के अंतर से फैसला किया था और भाजपा के राघवेंद्र प्रताप सिंह ने यहां बसपा की सईदा खातून को महज 171 वोटों से हराया था। मीरापुर सीट पर भाजपा के उम्मीदवार अवतार सिंह भड़ाना ने सपा के लियाकत अली को सिर्फ 193 वोटों के अंतर से हराया था। भड़ाना भाजपा छोड़कर जयंत चौधरी के आरएलडी में जा चुके हैं। जिन 9 सीटों पर 1000 से 2000 वोटों के अंतर से फैसला हुआ था, वे हैं दुद्धी, भदोही, पट्टी, मटेरा, बांसडीह, टांडा, मोहम्मदाबाद, ऊंचाहार और भरथना जबकि 10 सीटों पर हार और जीत का फैसला 2000 से 3000 वोटों का रहा था। ये सीटें हैं. नजीबाबाद, लालगंज, गैंसड़ी, कांठ, फरेंदा, बादलपुर, कन्नौज, अतरौलिया, सिधौली और प्रतापपुर। वहीं मुरादाबाद नगर, जंगीपुर, धौरहरा, चिल्लूपार, आंवला, धौलाना, दीदारगंज, हरचंदपुर, माहोली, पटियाली, छपरौली और बिधूना में 3000 से 4000 वोटों के अंतर से परिणाम आया था। इसके अलावा 8 सीटों पर वोटरों ने 4000 से 5000 मतों के अंतर से अपना फैसला सुनाया था। ये विधानसभा क्षेत्र हैं नकुड़, मंझनपुर, मछलीशहर, इसौली, सहसवान, गोरखपुर ग्रामीण और सहारनपुर नगर।

बैलगाड़ी से शुरू हुआ सफर डिजिटल दौर में कोरोना के चलते वर्चुअल प्लेटफार्म तक पहुंचा

सतीश सिंह। लखनऊ

देश में कोरे कागज से शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया डिजिटल दौर में कोरोना के चलते वर्चुअल प्लेटफार्म पर आ गई है। समय के हिसाब से प्रचार के तौर तरीके तकनीक के हिसाब से काफी बदल गए हैं। आज के दौर में सबसे अधिक प्रभावी माने जाने वाली सोशल मीडिया ने देश में चुनाव प्रचार को एक नया रंग दे दिया है। चाहे बात चुनाव प्रचार की हो या विरोधियों पर निशाना साधना हो, इस माध्यम के जरिए चुनावी माहौल में नेता हर तरह का हथियार मजबूती से चला रहे हैं। एक दौर था जब देश मे प्रचार के अलग मायने हुआ करते थे। नई पीढ़ी भले ही इससे महरूम हो पर पुरानी पीढ़ी आज भी उसे याद करती है। जीवन के सात दशक पर कर चुके रामहरि सिंह बताते हैं कि पहले प्रत्याशी बैलगाड़ी से चुनाव प्रचार को निकलते थे। चुनाव प्रचार के दौरान जहां रात हो जाती थी। उसी गांव में रुक जाते थे। झंडे.बैनर देख अंदाजा लगा लेते थे कौन जितेगा। चुनावों में पार्टी और प्रत्याशी के हैंडबिल जनसंपर्क से पहले घर-घर पहुंचाए जाते थे। इसके बाद जीप के जरिये लाउडस्पीकर लगाकर प्रचार होने लगा। गांव में गाड़ियों के घुसते ही बच्चे बिल्ला, स्टीकर, झंडे के लिए पीछे-पीछे दौड़ते थे। किसी बड़े नेता की जब रैली होती थी तो 15 दिन पहले से गांव-गांव प्रचार होने लगता था ताकि लोग सुनने आ सकें। अब तो पता ही नहीं चलता कि एक दिन में कितनी रैली हो गई। पहले स्टेंसिल व वाल पेंटिंग हुआ करती थी। जिससे लोगों को पता चलता था कि कौन लड़ रहा है। इसके बाद स्क्रीन प्रिंटिंग से तैयार होने वाले बैनरों की जगह फ्लैक्स ने ले ली। ये फ्लैक्स ज्यादा मजबूत चमकीले और आकर्षित करते थे। कई दिन मतगणना होती थी। अब तो दोघण्टे के अंदर ही रिजल्ट आ रहा है।

सोशल साइट्स से लेकर वॉयस मैसेज पर जोरः-

कोरोना के चलते इस बार चुनाव प्रचार के तरीके काफी बदल गए हैं। वैसे सोशल साइट्स का इस्तेमाल भाजपा ने वर्ष 2014 के चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा किया था। चुनाव प्रचार के लिए थ्रीडी तकनीक का प्रयोग भी पहली बार पीएम नरेंद्र मोदी के लिए किया गया था। पर इस बार कोरोना के कारण निर्वाचन आयोग की ताकीद के चलते हर

पार्टियों ने अपने अपने हाईटेक वार रूम बना लिए हैं। फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम, कू जैसी सोशल साइट्स पर अपने इरादे जाहिर किए जा रहे हैं व विपक्षी दलों के सवालों की काट की जा रही है। इनमें भी ग्राफिक्स वार तेजी से चल रही है। हर एक पोस्ट पर नजर रखी जा रही है। कितने लाइक्स आये, कितने व्यूज आये, कितने शेयर हुए। पार्टियों की तरफ से नेताओं और पार्टी समर्थक कार्यकर्ताओं को लगातार पोस्ट शेयर करने के निर्देश दिए गए हैं। किसने क्या बोला। उसकी काट क्या है। कैसे मोर्चेबन्दी हो। इसके लिए वार रूम में क्रिएटिव कंटेंट टीम, रिसर्च टीम, कैम्पेन टीम, सर्वे, डाटा एनालिसिस टीम, मीडिया व सोशल मीडिया वॉच जैसी टीमें लगाई गई हैं। यह टीमें ऑनलाइन रैलियां कराने, शॉर्ट डाक्यूमेंट्री बनाने, गाने आदि भेजने का काम कर रही हैं। एसएमएस या रिकार्ड वायस मैसेज ज्यादा से ज्यादा लोगों तक भेज कर अपनी बात पहुंचाने के तरीके प्रयोग किये जा रहे हैं।

वार रूम से बसपा दे रही चुनाव को धारः-

एक समय में सोशल मीडिया से दूर रही बसपा अब इसके रंग में पूरी तरह डूब गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती से लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा व अन्य नेताओं के एकाउंट अलग अलग सोशल प्लेटफार्म पर मौजूद हैं। पार्टी के पास 24 घण्टे लगातार काम करने वाली टीम है। टीम के प्रयासों का ही नतीजा है कि पिछले दिनों सोशल साइट्स पर बसपा ट्रेंड नजर आई। इसके अलावा प्रत्येक जिले में प्रत्येक प्रत्याशी ने अपने डिजिटल वार रूम बनवाए हैं। इनमें चार से पांच लोगों की टीम कार्य कर रही है। यह टीम व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर लगातार लोगों को जोड़ रही हैं। इसके अलावा कौन कोआर्डिनेटर कहां पर है इस पर भी डिजिटल वार रूम से नजर रखी जा रही है। टीमों को ग्राउंड रिपोर्ट इसी के जरिए भेजी जाती है। बसपा के डिजिटल वार रूम में सबसे ज्यादा प्रयोग ग्राफिक्स का किया जा रहा है। सबसे अहम बात यह है कि बसपा सुप्रीमो खुद इस पर नजर बनाए हुए हैं।

रालोद भी डिजिटल टीम के साथ मैदान में:-

गठबंधन में लड़ रही राष्ट्रीय लोकदल का आईटी सेल प्रदेश कार्यालय में बना हुआ है। यहां से लगातार प्रत्याशियों पर नजर रखने के साथ ही पार्टी के संकल्प पत्र के छोटे छोटे कंटेंट शेयर किए जा रहे हैं। वही प्रत्याशियों ने भी अपने अपने हिसाब से सोशल एक्सपर्ट की टीम को रखा हुआ है। जो स्थानीय मुद्दों के साथ ही अपने इरादे जनता के बीच सोशल साइट्स और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से साझा कर रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हर आदमी हफ्ते में 17 घंटे सोशल मीडिया पर: आंकड़ों के मुताबिक भारत में औसतन हर नागरिक हफ्ते में 17 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। भारत में कुल 56 करोड़ इंटरनेट सब्सक्राइबर हैं। इनमें युवाओं की तादाद सबसे ज्यादा है। सोशल मीडिया से इंटरनेट सब्सक्राइबर की संख्या रोज बढ़ती ही जा रही है।

यह भी जानिए- देश में पहला चुनाव कोरे कागज से

आजादी के बाद 1952 में पहला चुनाव कोरे कागज से हुआ था। 1952 में हुए चुनाव के दौरान एक-एक या दो प्रत्याशी होते थे। प्रत्याशियों के समर्थकों को प्रत्याशियों के रंग का डिब्बा बता दिया जाता था। इन डिब्बों में प्रत्याशी के समर्थक कोरे कागज डालते थे। दूसरा विधानसभा चुनाव 1957 में हुआ था।

इस चुनाव में लकड़ी के डिब्बों पर प्रत्याशियों का नाम और चुनाव चिन्ह लिखा जाने लगा। मतदाता प्रत्याशियों के नाम और चिन्ह अंकित वाले डिब्बों में कोरे कागज डालकर ही प्रत्याशियों की तकदीर का फैसला करते थे। 1962 में निर्वाचन आयोग पूरी तरह से अस्तित्व में आ चुका था। इस चुनाव में प्रत्याशियों के नाम और चुनाव चिन्ह वाले बैलेट पेपर दिए जाने लगे। इन पर मोहर लगाने की शुरुआत हुई। इसके बाद तकनीक में सुधार के साथ छोटे-छोटे प्रदेशों में 2002 के चुनाव में ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया शुरू कराई गई थी।

2004 के लोकसभा चुनाव में पूरे देश में हाईटेक वोटिंग प्रक्रिया को अपनाते हुए इलेक्ट्रिक वोटिंग मशीन ईवीएम का सहारा लिया गया। ईवीएम से वर्ष 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव कराया गया था। इससे अभी भी चुनाव हो रहा है। अब ऑनलाइन वोटिंग की तैयारी है। फिलहाल चुनाव में इस बार बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठकर बैलेट पेपर से मतदान करने के लिए छूट दी गई है।

प. बंगाल में राजनीतिक हालात भयावह : राज्यपाल धनखड़

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य में मौजूदा राजनीतिक हालात को डरावना बताते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य की जनता को स्वतंत्रता और निडरता से अपना वोट डालने की भी आजादी नहीं है। उन्होंने राज्य विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी पर भी आरोप लगाया कि वह संवैधानिक नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। धनखड़ ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विधानसभा परिसर में डॉ बी आर आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा, हमने चुनाव के बाद अभूतपूर्व स्तर की हिंसा देखी है। अपनी इच्छा से वोट डालने का साहस करने वालों को अपनी जान देकर कीमत चुकानी पड़ी। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष द्वारा नियुक्त एक तथ्यान्वेषी समिति ने कहा था कि राज्य में शासक का शासन चलता है, न कि कानून का।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के हालात इतने भयावह और डरावने हैं कि यहां शासक को लेकर डर है।

धनखड़ ने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी पर मांगी गई जानकारी मुहैया नहीं कराने का भी आरोप लगाया। विधानसभा अध्यक्ष ने धनखड़ के बयान को अनुचित बताया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी अनेक मौकों पर उनके सवालों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष वह सोचते हैं कि उनके पास राज्यपाल के बारे में कुछ भी बोलने का अधिकार है। उन्होंने दावा किया कि पहले भी कई मौकों पर विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के परिचालन क्षेत्र के विस्तार पर विधानसभा में पारित प्रस्ताव के ब्योरे समेत मांगी गई अन्य जानकारी नहीं दी। धनखड़ ने कहा कि विधानसभा में उनके अभिभाषण का प्रसारण दो बार रोका गया।

उन्होंने कहा कि क्या वह अनुच्छेद 168 के बारे में जानते हैं। राज्यपाल विधायिका में सबसे ऊपर है, विधानसभा में दूसरे स्थान पर। मैं इस तरह के अविवेकपूर्ण, असंवैधानिक कार्यों को सहन नहीं करुंगा। विधानसभा अध्यक्ष अब से राज्यपाल के अभिभाषण के प्रसारण को नहीं रोकेंगे। अगर वह ऐसा करते हैं तो उन्हें कानून का सामना करना पड़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि उनके पास किसी विधेयक या सरकार की किसी सिफारिश के संबंध में कोई फाइल लंबित नहीं है।

गणेश राय ने एसडीएफ से इस्तीफा दिया

गंगटोक। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के असंतुष्ट नेता गणेश राय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने जल्द ही एक नया राजनीतिक दल गठित करने की घोषणा की है। एसडीएफ दक्षिण जिला समिति के उपाध्यक्ष राय के साथ ही एसडीएफ के वरिष्ठ नेताओं और पूर्व मंत्रियों, दावचो लेपचा और सोनम ग्यात्सो लेपचा ने तथा 42 अन्य लोगों ने सोमवार को यहां एसडीएफ मुख्यालय में अपने-अपने इस्तीफे सौंपें। राय ने पत्रकारों से कहा कि एसडीएफ छोड़ने का कारण राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लाना है।

उन्होंने दावा किया कि एसडीएफ नेतृत्व ने बदलते समय के साथ पार्टी में सकारात्मक बदलाव और सुधार लाने के उनके आह्वान पर प्रतिक्रिया नहीं दी और इसलिए एसडीएफ को छोड़कर नई पार्टी बनाना बेहतर है। उन्होंने कहा कि नई पार्टी के आगाज़ की तारीख जल्द बताई जाएगी।

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के मुख्यालय के सूत्रों ने पुष्टि की कि गणेश राय, दावचो लेपचा और सोनम ग्यात्सो लेपचा ने पार्टी आलाकमान को अपने इस्तीफे सौंप दिए हैं।

भुवनेश्वर में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर एक नुक्कड़ नाटक करते समय तिरंगे में रंगे हुए अपने शरीर के साथ ध्वज धारण किए हुए स्वयंसेवक राष्ट्रीय

शिल्पा शेट्टी 15 साल पुराने अश्लीलता मामले में आरोप मुक्त

भाषा। मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को लगभग 15 साल पुराने अश्लीलता मामले में आरोप मुक्त कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि शिल्पा हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे के कृत्य की पीड़ित प्रतीत होती हैं। गेरे ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शिल्पा के गालों पर चुंबन लिया था, जिसके बाद दोनों के खिलाफ अश्लीलता का मामला दर्ज हुआ था। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट केतकी चव्हाण की अदालत ने शिल्पा को 18 जनवरी को इस मामले में आरोप मुक्त कर दिया। इस संबंध में विस्तृत आदेश सोमवार को उपलब्ध हुआ।

शिल्पा और रिचर्ड ने 2007 में राजस्थान में एड्स के खिलाफ चलाए जा रहे एक जागरूकता कार्यक्रम में शिरकत की थी। इस दौरान रिचर्ड ने मंच पर शिल्पा के गालों पर चुंबन ले लिया था, जिसे लेकर देशभर में काफी विरोध-प्रदर्शन हुए थे। शिल्पा और रिचर्ड के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सूचना प्रौद्योगिकी कानून की विभिन्न धाराओं के तहत अश्लीलता का मामला दर्ज किया गया था। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2017 में यह मामला राजस्थान की अदालत से मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया था।

शिअद और बसपा गठबंधन को पंजाब चुनावों में मिलेगा बहुमत

● सुखबीर बादल का दावा

भाषा। चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मंगलवार को दावा किया कि अगले महीने होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ेगा, जबकि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन 80 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करेगा।

उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी को 10 से कम सीटें जीतेगी। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहा है। दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे के समझौते के मुताबिक, बसपा पंजाब की 117 विधानसभा सीटों में से 20 पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी पर शिअद लड़ेगी। बादल ने शिअद-बसपा गठबंधन के 80 से अधिक सीटें जीतने का दावा करते हुए कहा, कांग्रेस पूर्ण हार की ओर बढ़ रही है। आप दोहरे अंक को नहीं छू पाएगी। लुधियाना में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में कई चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए बादल ने कहा कि शिअद-बसपा सत्ता में लौटने के लिए तैयार हैं और गुंडागर्दी का शासन, अब सिर्फ कुछ और दिनों के लिए है। उन्होंने कहा, हमारे गठबंधन की प्रचंड जीत के साथ 10 मार्च (जब चुनाव परिणाम घोषित होंगे) शांति और सर्वांगीण विकास का युग फिर से शुरू होगा। बादल ने दावा किया कि शिअद एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसे पंजाब के लोगों के लिए वास्तविक चिंता है जबकि आप और कांग्रेस जैसी पार्टियों के फैसले दिल्ली में बैठे उनके पार्टी आलाकमान द्वारा लिए जाते हैं।

बादल ने कहा कि इन पार्टियों को राज्य के लिए कोई वास्तविक दर्द, वास्तविक चिंता नहीं है। उनका एकमात्र उद्देश्य सत्ता हथियाना है, लेकिन पंजाब को आगे ले जाना नहीं है। यहां तक कि लुधियाना के लोग शिअद के सत्ता में रहने के दौरान हुए विकास को जानते हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले तीन महीने से पंजाब का दौरा कर रहे हैं और लोगों की नब्ज पहचानते हैं।

पंजाब में घुसपैठ कर रही है नफरत की राजनीतिः सिद्धू

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने पटियाला जिले के ऐतिहासिक काली देवी मंदिर में बेअदबी की कथित कोशिश की मंगलवार को निंदा की और कहा कि पंजाब में नफरत की राजनीति घुसपैठ कर रही है। सिद्धू ने जोर दिया कि विभाजनकारी तत्व पंजाबियत के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगे।

कांग्रेस नेता ने ट्विटर पर लिखा कि पंजाब में डर, ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति घुसपैठ कर रही है। माता काली देवी मंदिर में बेअदबी की कोशिश निंदनीय है। विभाजनकारी तत्व पंजाबियत के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को कभी नष्ट नहीं कर सकेंगे। सार्वभौमिक भाईचारा और सभी धर्मों के लिए सम्मान हमारा कवच है।

सिद्धू अपनी पार्टी का सर्वे करा लें: मान

भाषा। चंडीगढ़

आप नेता भगवंत मान ने पंजाब में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुनने के लिए पार्टी की ओर से किए गए सर्वे पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू पर मंगलवार को तंज कसा और कहा कि वह अपनी पार्टी में ऐसा सर्वेक्षण करा लें।

मान ने कहा कि सिद्धू आम आदमी पार्टी के आंतरिक मामलों में दखल न दें। उन्होंने कांग्रेस नेता को पंजाब में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुने जाने के लिए पार्टी की ओर से खुद का सर्वे कराने का सुझाव दिया। आप ने सर्वे में जनता से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर संगरूर से लोकसभा सांसद मान को पंजाब में अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। मान ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर उनके उस बयान को लेकर निशाना साधा,

जिसमें सिंह ने दावा किया था कि उन्हें पाकिस्तान से एक संदेश मिला था, जिसके तहत उनसे सिद्धू को सरकार में पुन: इस आधार पर शामिल करने को कहा गया था, क्योंकि वह पाक प्रधानमंत्री के पुराने मित्र हैं।

चंडीगढ़ में संवाददाताओं से बातचीत में मान ने कहा कि सिद्धू आप की जनता चुनेगी अपना सीएम सर्वे पर सवाल उठा रहे हैं जबकि, कांग्रेस पार्टी का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुने जाने के लिए उन्हें खुद का सर्वे करवाना चाहिए। सिद्धू ने सोमवार को आप के सर्वे को एक घोटाला करार देते हुए कहा था कि उनकी पार्टी ने चुनाव आयोग से इसके खिलाफ शिकायत की है।

मान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सहयोगी निखिल अल्वा की ओर से पंजाब में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर किए गए एक सर्वे पर भी तंज कसा। उन्होंने दावा किया कि ट्विटर पर हुए सर्वे में महज 1200 लोगों ने अपनी राय जाहिर की। इस सर्वे में 68.7 फीसदी प्रतिभागियों ने चन्नी को मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी के लिए अपनी पहली पसंद बताया था। कुल 1283 प्रतिभागियों ने उनके पक्ष में वोट किया था। मान ने कहा कि पंजाब में आप ने पहली बार जनता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा चुनने के अभियान में शामिल किया। उन्होंने दावा किया कि इस सर्वे के तहत लाखों लोगों ने अपनी राय जाहिर की।

भाजपा ने स्कूली छात्रा की मौत मामले में न्याय के लिए सीबीआई जांच की मांग की

भाषा। चेन्नई

भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने मंगलवार को तंजावुर में हाल में 12वीं कक्षा की छात्रा द्वारा आत्महत्या के मामले की सीबीआई जांच कराने और राज्य में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए धर्मांतरण रोधी कानून की बनाने की मांग की। पार्टी नेता और तमिलनाडु के सह प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी ने जोर दिया कि जबरन धर्मांतरण के प्रयास के इस मामले में सीबीआई जांच से ही पीड़ित लड़की के परिजनों को न्याय मिल सकता है। उनका दावा है कि जबरन धर्मांतरण की कोशिश के चलते ही छात्रा ने खुदकुशी की। तमिलनाडु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांग को लेकर वल्लुवर कोट्टम में एक दिन का उपवास रखा और लड़की के परिवार के लिए मुआवजे की भी मांग की। अन्नामलाई ने कहा कि हम मुददे का राजनीतिकरण नहीं कर रहे हैं। हम लड़की के लिए न्याय चाहते हैं जिसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया गया। एक दिन पहले स्कूली शिक्षा मंत्री ने लोगों से छात्रा के आत्महत्या को राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की थी।

PUBLIC NOTICE

It is hereby stated that the originals of all the title documents in respect of the following property owned by M/s. Texmaco Infrastructure and Holdings Limited (earlier known as Birla Cotton Spinning and Weaving Mills) have been lost / misplaced somewhere and are not traceable:

Khasra numbers: 197 (0-12),198 (0-17),199 (0-3),200 (1-00),213 (33-03),214 (0-15), 218(2-11) at Village Delhi Gaon, Tehsil and District Delhi and bearing Plot Nos. 6938 to 7157, 7167,7184,7158 to 7166,7168 to 7177 and 7183 P.O. Birla Lines, Delhi-07, known as 'Birla Lines or officer flats earlier known as Acharwala Bagh.

Notice is hereby given to the public at large that no person / entity should deal with, use or transact in any manner, on the basis of the title documents, with respect to the above mentioned property, and any person / entity in custody of the title documents of the above mentioned property or having any knowledge thereof is hereby called upon to contact the undersigned.

Sanjay Pahwa
Mobile-9873747274

PUBLIC NOTICE

It is hereby stated that the originals of all the title documents in respect of the following property owned by M/s. Texmaco Infrastructure and Holdings Limited (earlier known as Birla Cotton Spinning and Weaving Mills) have been lost / misplaced somewhere and are not traceable:

Khasra numbers: 3 at Village Delhi Gaon, Tehsil and District Delhi and bearing Plot Nos. 12119-12207 P.O. Roshnara Road, Roshnara Extension, Shakti Nagar, Delhi-07, known as 'Roshnara Building, Shakti Nagar or Shivaji Line earlier known as Peeli Building.

Notice is hereby given to the public at large that no person / entity should deal with, use or transact in any manner, on the basis of the title documents, with respect to the above mentioned property, and any person / entity in custody of the title documents of the above mentioned property or having any knowledge thereof is hereby called upon to contact the undersigned.

Sanjay Pahwa
Mobile- 9873747274

केरल सरकार लोकायुक्त अधिनियम में संशोधन करेगी, कांग्रेस, भाजपा ने विरोध जताया

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल में विपक्षी दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकायुक्त अधिनियम में संशोधन संबंधी वाम सरकार के कथित फैसले का मंगलवार को विरोध किया और कहा कि यह लोकायुक्त की शक्तियों को कमजोर करने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए है। कांग्रेस ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से इस संबंध में अध्यादेश पर हस्ताक्षर नहीं करने का आग्रह किया।

दोनों विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत सरकार ऐसे समय में एक अध्यादेश ला कर लोकायुक्त की शक्तियों पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रही है जब सरकार की कई अनियमितताओं की शिकायतें उनके समक्ष लंबित हैं। मंत्रिमंडल की पिछली बैठक के दौरान अध्यादेश को कथित तौर पर मंजूरी दी गई थी, लेकिन बाद में सरकार द्वारा बैठक के संबंध में दी गई जानकारी में इसका कोई जिक्र नहीं था।

राज्यपाल से अध्यादेश को मंजूरी नहीं देने की अपील करते हुए विपक्ष के नेता वी. डी. सतीसन ने उन्हें एक पत्र भेजकर कहा कि यह कदम लोकायुक्त की शक्तियों को कम करने के लिए उठाया गया है। केरल लोकायुक्त अधिनियम, 199 की धारा 3 का उल्लेख करते हुए, सतीसन ने बताया कि एक व्यक्ति को केवल तभी लोकायुक्त के रूप में नियुक्त किया जा सकता है जब उन्होंने पहले उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया हो।

कांग्रेस नेता ने पत्र में कहा कि उच्च न्यायालय के किसी भी पूर्व न्यायाधीश को पद ग्रहण करने की अनुमति देने के लिए इस प्रावधान को कमजोर करने से राज्य के सबसे महत्वपूर्ण संस्थान का दर्जा कम हो जाएगा। उन्होंने राज्यपाल से जनहित को ध्यान में रखते हुए अध्यादेश को मंजूरी नहीं देने का अनुरोध किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नीथला ने भी इस कथित कदम पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसे समय में जब राज्य विधानसभा का सत्र अगले महीने आयोजित किया जाना है तो किस आपात स्थिति में उन्हें अध्यादेश लाना पड़ा।

इस बीच भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख के. सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि सरकार ने जल्दबाजी में फैसला लिया क्योंकि लोकायुक्त सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के कुछ बड़े घोटालों पर विचार कर रहा था। उन्होंने कहा कि यह कदम सभी संवैधानिक संस्थानों पर नियंत्रण करने के लिए वाम सरकार का नया उदाहरण है।

श्रीनगर में सुरक्षाकर्मियों पर ग्रेनेड हमला, चार घायल

भाषा। श्रीनगर

गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले, मंगलवार को यहां हरि सिंह हाई स्ट्रीट क्षेत्र में आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर एक ग्रेनेड फेंका जिससे चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में घायल होने वालों में एक पुलिसकर्मी और दो महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपराह्न साढ़े तीन बजे आतंकियों ने सुरक्षाकर्मियों के एक दल पर ग्रेनेड फेंका, जो सड़क किनारे फटा। घायलों की पहचान मोहम्मद शफी, उसकी पत्नी तनवीरा, एक अन्य महिला अस्मत और पुलिस निरीक्षक तनवीर हुसैन के रूप में की गई है।

पुलिस निरीक्षक हुसैन भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में तैनात हैं। अधिकारियों ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और तलाशी शुरू कर दी गई है।

बाल विवाह के आरोप में किशोरी के माता पिता और पति पर मामला दर्ज

मलप्पुरम **(केरल)**। केरल पुलिस ने वर्ष भर पहले यहां 16 वर्षीय एक किशोरी की शादी कराने के आरोप में मंगलवार को कुछ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों में किशोरी के माता पिता और पति शामिल हैं। लड़की का वयस्क पति वंडूर का निवासी है और लड़की इस समय छह महीने की गर्भवती है। पुलिस ने कहा कि लड़की को जिला बाल कल्याण समिति के संरक्षण में भेज दिया गया है और घटना की जांच जारी है।

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कुसुम लता पत्नी श्री वेद प्रकाश एक संपति प्लॉट नंबर 38 और 39, जिसे अब आरजेड-38-39 के नाम से जाना जाता है, क्षेत्रफल 96 वर्ग, खसरा नंबर 184, ग्राम नसीरपुर कॉलोनी दुर्गा पार्क नई दिल्ली में स्थित है, पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 13.09.2021 के क्रमांक 8786 के द्वारा मालिक हैं। उपरोक्त संपति फ्लिक्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा बंधक प्रस्तावित है। उपरोक्त संपति के स्वामित्व सम्बंधित 1. मूल दस्तावेज मुख्तारनामा आम, इकरारनामा व वसीयतनामा दिनांक 28.02.1986, 2. मुख्तारनामा आम, इकरारनामा व वसीयतनामा दिनांक 15.05.1986 & 3. मुख्तारनामा आम व खास, इकरारनामा व वसीयतनामा दिनांक 19.05.1994 कहीं खो गए हैं जिसकी एफआईआर (NCR) नंबर 1761/2014 दिनांक 08.11.2014 थाना जनकपुरी दिल्ली में दर्ज की गई है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस संपति में कोई आपत्ति या दावा है, तो नीचे दिए गए पते पर इस नोटिस की तारीख से 15 दिनों में अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें, ऐसा न होने पर, यह माना जाएगा कि उपरोक्त संपति के संबंध में कोई दावा या मुद्दे नहीं हैं।

राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.: +91-8076188328

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, **Abhishek Bussi S/o Sh. Amar NathBussi R/o DDA JANTA Flat No.286, First Floor, Pul Pehladpur, New Delhi,** am the Allottee/owner of **DDA JANTA Flat No. 286,First Floor,PulPehladpur,New Delhi** vide File No.J/209(276)92/PD/NP. I lost /misplaced my **Original Allotment-cum-demand Letter, Possession Letter, Possession Slip and NOC for water and electricity** of the above said property. An FIR to this effect has been lodged in Police Station,vide LR No.69925/2022 dt. 25/01/2022 Any person claiming any right, interest having any objection may write/ contact with above named person at above address/phone No.9718382451 within 15 days from the date of publication of this notice and can personally inform or write to Dy. Director (Janta) H or Asstt, Director (Janta) H, D-Block, Second Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

मेरे मुवक्किल राजीव अग्रवात्र पुत्र स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद और उनकी पत्नी श्रीमती सुधा अग्रवाल निवासी पुराना पता ए 810, ऑक्सी होमज़, कोयला एन्क्लेव के पास, भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201005 वर्तमान पता सी 506, ऑक्सी होमज़, कोयला एन्क्लेव के पास, भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201005 है, अपने बेटे नीतीश अग्रवाल एवं उनकी पत्नी रेखा अग्रवाल को उनके बुरे आचरण और दुर्व्यवहार के कारण उनसे सभी संबंधों को तोड़ दिया है। तथा अपनी सभी चल अचल संपत्तियों एवम सामाजिक संबंधों से वंचित कर दिया है। मेरे मुवक्किल भविष्य में उनके किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। चूंकि वे मेरे मुवक्किल के प्रति वफादार नहीं हैं और कोई भी निकाय उनके साथ जो काम करता है वह उनके जोखिम और लागत पर होगा।

महेंद्र कुमार भारद्वाज (अधिवक्ता)
चैम्बर नं0 जी -308, कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली

PUBLIC NOTICE

मेरी मुवक्किल श्वेता टिबरेवाल पत्नी उत्तम टिबरेवाल निवासी पुराना पता ए-810, ऑक्सी होमज़, कोयला एन्क्लेव के पास, भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201005 वर्तमान पता डी-1008, ऑक्सी होमज़, कोयला एन्क्लेव के पास, भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201005 है , अपने भाई नीतीश अग्रवाल और उसकी पत्नी रेखा अग्रवाल को उनके बुरे आचरण और दुर्व्यवहार के कारण उनसे सभी संबंधों को तोड़ दिया है तथा अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों एवम सामाजिक संबंधों से वंचित कर दिया है। मेरे मुवक्किल भविष्य में उनके किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। चूंकि ये मेरे मुवक्किल के प्रति वफादार नहीं हैं और कोई भी निकाय जो काम करता है वह उनके जोखिम और लागत पर होगा।

महेंद्र कुमार भारद्वाज (अधिवक्ता)
चैम्बर नं0 जी -308, कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली

MAX Healthcare

सार्वजनिक सूचना

रोगियों का मेडिकल रिकॉर्ड नष्ट किया जाना

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज
(मैक्स बालाजी मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च सेंटर की एक इकाई)

सूचित किया जाता है कि मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज (मैक्स बालाजी मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च सेंटर की एक इकाई) जनवरी 2013 से दिसंबर 2016 की अवधि से संबंधित हॉस्पिटल में अपने रोगियों के किए गए उपचार और/या जांच से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड नष्ट करेगा।

कोई भी रोगी जो उपरोक्त अवधि से संबंधित अपने मेडिकल रिकॉर्ड की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि प्राप्त करना चाहता हो वह नीचे उल्लिखित संपर्क व्यक्ति को लिखित में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे (सोमवार से शनिवार) के बीच अनुरोध कर सकता है। इस प्रकार के अनुरोध से जुड़े सभी आवेदन नीचे उल्लिखित संबंधित व्यक्ति के पास इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 3 (तीन) माह के भीतर पहुंच जाने चाहिए। मेडिकल रिकॉर्ड का अनुरोध निर्धारित फ़ॉर्मेट में रोगी के फ़ोटो पहचान प्रमाण की स्वयं सत्यापित प्रति के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। रोगी अन्य किसी व्यक्ति को आवेदन करने और/या उसके लिए मान्य मंजूरी पत्र/पॉवर ऑफ अटॉर्नी साथ में फ़ोटो पहचान की स्वयं सत्यापित प्रति और रोगी व अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर के सबूत के साथ उसकी ओर से मेडिकल रिकॉर्ड एकत्र करने का अधिकार दे सकता है। मृतक रोगी के मामले में मेडिकल रिकॉर्ड में दर्ज परिचारक उसके लिए आवेदन/अन्य किसी व्यक्ति को अधिकार दे सकता है। कृपया ध्यान दें कि इस प्रकार के रिकॉर्ड की आपूर्ति करने के लिए मानक शुल्क लागू होंगे।

हॉस्पिटल का नाम व पता
मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज
(मैक्स बालाजी मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च सेंटर की एक इकाई)

संपर्क व्यक्ति का विवरण
सुश्री रसलम्मा जेकब
ईमेल: Rasalamma.jacob@maxhealthcare.com
मोबाइल: 9971685759
ऑफिस: 011-43032437

अधोहस्ताक्षरी
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

दिनांक: 26/1/2022

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) EICHER1059 DL1LAC9430- YOM 2019 MINIMUM RESERVE PRICE 710000
2) MAHINDRA DI 3200 DL1LAC5034- YOM 2019 MINIMUM RESERVE PRICE 400000
3) CB_ASHOK LEYLAND DOST GOODS UP12BT4927- YOM-2020 MINIMUM RESERVE PRICE 250000
4) TATA_1412 DL1GC7975- YOM MINIMUM RESERVE PRICE 850000
5) T_INTRAV20 UP16HT1380- YOM 2021 MINIMUM RESERVE PRICE 415000
6) SM_SAMRAT UP14JT0863- YOM 2019 MINIMUM RESERVE PRICE 550000
7) EICHER 11.14 UP14GT2837- YOM 2017 MINIMUM RESERVE PRICE 510000
8) EICHR_VECVEVPRO2049 DL1LA4221- YOM 2020 MINIMUM RESERVE PRICE 585000
9) BOLERO_MAX DL1LAE4019- YOM 2020 MINIMUM RESERVE PRICE 535000
10) PRO_2110 EICHR_VECV HR38AB3917- YOM 2021 MINIMUM RESERVE PRICE 1250000
11) TATAMOTORSLPT709CHP DL1LAC5022- YOM 2019 MINIMUM RESERVE PRICE 575000

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/ OFFLINE) WITHIN 15 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 10.02.2022 (PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOULD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).

BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK LTD., PLOT NO.7 INSTITUTIONAL AREA, SECTOR-125 NOIDA NEAR DELL CAMPUS NOIDA (U.P) UP-201313
OR CONTACT : RAJESH ANTIL
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT / 09711173320
EMAIL rajesh.antil@kotak.com

पाटिल कर्नाटक इकाई की चुनाव अभियान समिति के प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपनी कर्नाटक इकाई के वरिष्ठ नेता एमबी पाटिल को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की चुनाव अभियान समिति का प्रमुख नियुक्त किया है।

हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली देश की पहली पार्टी है शिवसेना: संजय राउत

भाषा। मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि शिवसेना हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली देश की पहली पार्टी है। इससे पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि शिवसेना का हिंदुत्व केवल कागजों पर है।

राउत ने मुंबई की विले पार्ले विधानसभा सीट के लिए 1980 के दशक में हुए उपचुनाव का जिक्र करते हुए संवाददाताओं से कहा कि शिवसेना उम्मीदवार रमेश प्रभु हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़े थे।

उन्होंने कहा कि पहली बार देश में चुनावी राजनीति में हिंदुत्व शब्द का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव में कांग्रेस और

भाजपा भी मैदान में थे। प्रभु ने 1987-88 में हुए उपचुनाव में विले पार्ले विधानसभा सीट पर जीत हासिल की थी और 1990 में हुए विधानसभा चुनाव में इस सीट पर कब्जा बरकरार रखा। राउत ने विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि इस जीत के बाद भाजपा शिवसेना के पास हिंदुत्व के मुद्दे पर गठबंधन करने के लिए आई और बाला साहेब इस पर सहमत हो गए क्योंकि वह हिंदुओं के मतों का विभाजन नहीं चाहते थे।

समकालीन भाजपा नेता इस इतिहास से अनभिज्ञ हैं। दरअसल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया था कि भाजपा सत्ता के लिए हिंदुत्व का सहारा ले रही है जिसके बाद दोनों दलों के बीच जुबानी लड़ाई छिड़ गई थी। हिंदुत्व पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की टिप्पणी के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि शिवसेना का हिंदुत्व केवल कागजों पर है और भाषणों के बाहर नजर नहीं आता।

फडणवीस ने सोमवार को कहा था, राम जन्मभूमि आंदोलन में शिवसेना की ओर से किसने भाग लिया? हमने आंदोलन में गोलियां और लाठियां खाईं। आपका (शिवसेना का) हिंदुत्व केवल कागज पर है। राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने प्रमोद महाजन, गोपीनाथ मुंडे और मनोहर पर्रिकर जैसे अपने दिवंगत नेताओं के परिवार के सदस्यों की उपेक्षा की जिन्होंने महाराष्ट्र और गोवा में पार्टी को खड़ा करने में मदद की थी। राउत ने कहा कि शिवसेना के पार्षद और विधायक मुंबई से तब चुने गए थे जब भाजपा और देवेंद्र फडणवीस का जन्म भी नहीं हुआ था।

फडणवीस ने एक दिन पहले दावा किया था कि शिवसेना के गठन (1966) से भी पहले भाजपा का पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जनसंघ था जिसके पार्षद बृहन्मुंबई महानगर पालिका में थे और राज्य में उसके विधायक भी थे।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Rashida Begum W/o. Mohd Aslam, Resident of 63/1, 4th floor, Gali No. 20, Zakir Nagar, Okhla, New Delhi-110025 have declared that my name is wrongly mentioned in my husband's passport No K7015443 as Jamsheeda Begum, and my correct & actual name is Rashida Begum for all future purposes.

PD(9139)A

बाजार में पांच दिन से जारी गिरावट पर विराम, सेंसेक्स 367 अंक चढ़ा, मारुति में सात प्रतिशत का लाभ

मुंबई। शेयर बाजारों में पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 367 अंक उछलकर बंद हुआ। यूरोपीय शेयर बाजारों में मजबूत रुख के बीच निवेशकों ने हाल की गिरावट के बाद बैंक, वाहन और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली की। हालांकि, कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दो दिन की महत्वपूर्ण बैठक से पहले कुल मिलाकर धारणा सतर्कता वाली रही। बैठक में फेडरल रिजर्व नीतिगत दर में वृद्धि के बारे में निर्णय करने वाला है।

रूस-यूक्रेन तनाव, मुद्रास्फीति के ऊंचा बने रहने तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली अन्य जोखिम वाले कारक हैं, जिससे बाजार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ 57,000 अंक से नीचे चला गया था। लेकिन बाद में इसमें तेजी आई और अंत में यह 366.64 अंक यानी 0.64 प्रतिशत मजबूत होकर 57,858.15 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 128.85 अंक यानी 0.75 प्रतिशत लाभ के साथ 17,277.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में 6.88 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में मारुति रही। कंपनी के तिमाही परिणाम की घोषणा के बाद उसका शेयर चढ़ा। दिसंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में मारुति का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 48 प्रतिशत घटकर 1,041.8 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, यह विश्लेषकों के अनुमान से अधिक है। इसके अलावा एक्सिस बैंक, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, पावरग्रिड और एनटीपीसी में भी 6.76 प्रतिशत तक की तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में विप्रो, बजाज फिनसर्व, टाइटन, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.75 प्रतिशत तक नीचे आए।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, एक सप्ताह तक गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में निचले स्तर पर लिवाली से तेजी आई। पश्चिमी बाजारों से भी समर्थन मिला....। उन्होंने कहा, हालांकि, उतार-चढ़ाव की अभी आशंका बनी हुई है क्योंकि निवेशकों को फेडरल रिजर्व के नीतिगत बयान की प्रतीक्षा है। इससे नीतिगत दर में वृद्धि की समयसीमा स्पष्ट होगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजे पर बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में बाजार प्रतिक्रिया देगा। वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के निपटान का आखिरी दिन होने से उतार-चढ़ाव ऊंचा बना रह सकता है। इसको देखते हुए हम निवेशकों को सतर्क रुख रखने और जोखिम से बचाव के उपाय की सलाह दोहराते हैं। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। हालांकि, यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.89 प्रतिशत मजबूत होकर 87.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 18 पैसे टूटकर 74.78 पर आ गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 3,751.58 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

बीपीसीएल छह नए शहर गैस लाइसेंस के तहत 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने कहा कि वह हाल में प्राप्त लाइसेंस के तहत आने वाले शहरों में गैस वितरण नेटवर्क स्थापित करने को पांच साल में 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। बीपीसीएल ने पीएनजीआरबी की 11वें दौर की बोली में छह भौगोलिक क्षेत्रों में वाहनों को सीएनजी और पाइप के जरिए खाना पकाने की रसोई गैस की आपूर्ति के लिए लाइसेंस हासिल किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, बोली के परिणाम की घोषणा के बाद बीपीसीएल सिटी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क में निवेश को प्रतिबद्ध है। कंपनी एकल आधार पर 23 भौगोलिक क्षेत्रों के विकास के लिए 22,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। छह नए भौगोलिक क्षेत्रों के लिए 10,000 करोड़ रुपए का निवेश शामिल हैं।

बीएसई सेंसेक्स जनवरी 2022 25

57,858.15

टॉप गेनर	%	टॉप लूजर	%
मारुति सुजुकी	6.88	विप्रो	-1.75
ऐक्सिस बैंक	6.76	बजाज फिनसर्व	-1.16
स्टेट बैंक	4.20	टाइटन	-0.98
इंडसइंड	3.87	इन्फोसिस	-0.85
भारती एयरटेल	3.23	टेक महिन्द्रा	-0.80

एनएसई निफ्टी जनवरी 2022 25

17,277.95

टॉप गेनर	%	टॉप लूजर	%
मारुति सुजुकी	7.42	विप्रो	-1.62
ऐक्सिस बैंक	6.52	बजाज फिनसर्व	-1.42
स्टेट बैंक	3.89	टाइटन	-1.18
इंडसइंड	3.57	अल्ट्रा टेक सीमेंट	1.05
यूपीएल	3.51	टेक महिन्द्रा	-0.87

पीटीआई ग्राफिक

ईएसआईसी योजना में नवंबर में 10.28 लाख नए सदस्य जुड़े

भाषा। नई दिल्ली

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक ईएसआईसी द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजना में नवंबर 2021 में लगभग 10.28 लाख नए सदस्य शामिल हुए, जबकि इससे पिछले महीने में यह आंकड़ा 12.39 लाख था। ईएसआईसी के इन आंकड़ों से देश में औपचारिक क्षेत्र के रोजगार के बारे में अंदाज मिलता है। ताजा आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी एक रिपोर्ट का हिस्सा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की योजनाओं से जुड़ने वाले कुल नए कर्मचारियों की संख्या अप्रैल में 10.78 लाख, मई में 8.91 लाख, जून में 10.68 लाख, जुलाई में 13.42 लाख, अगस्त में 13.47 लाख और सितंबर 2021 में 13.57 लाख थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक महामारी की दूसरी लहर के बाद राज्यों द्वारा कोविड संबंधी प्रतिबंधों में ढील के चलते नामांकन में तेजी आई। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार ईएसआईसी के नए खाताधारकों की कुल संख्या 2020-21 में 1.15 करोड़ थी, जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 1.51 करोड़ और 2018-19 में 1.49 करोड़ था। सितंबर 2017 से मार्च 2018 तक लगभग 83.35 लाख नए खाताधारक ईएसआईसी योजना में शामिल हुए।

भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के व्यवधानों से काफी हद तक उबर गई है: पनगढ़िया

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने मंगलवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के चलते पैदा हुए व्यवधानों से काफी हद तक उबर गई है और उम्मीद जताई कि यह सुधार जारी रहेगा तथा 7-8 प्रतिशत की वृद्धि दर फिर बहाल हो जाएगी। पनगढ़िया ने सुझाव दिया कि सरकार को अब वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटे को आधा से एक प्रतिशत तक कम करने का संकेत देना चाहिए। जानेमाने अर्थशास्त्री ने पीटीआई-भाषा को एक साक्षात्कार में बताया, भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड से पहले के जीडीपी के स्तर पर लौटने के लिए काफी हद तक सुधार किया है... सिर्फ निजी खपत अभी भी अपने कोविड-19 से पहले के स्तर से नीचे है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक भारती की जीडीपी वृद्धि दर 2021-22 में 9.2 प्रतिशत रहेगी। पनगढ़िया ने कहा कि यह आंकड़ा किस भी अन्य देश की तुलना में अधिक है और पुनरुद्धार पूरे देश में हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले वित्त वर्ष के दौरान 7.3 प्रतिशत की गिरावट हुई थी।

पनगढ़िया ने कहा कि टीकाकरण के चलते महामारी काबू में आने से पुनरुद्धार जारी रहेगा और 7-8 प्रतिशत वृद्धि का दौर वापस आ जाएगा। पनगढ़िया, जो इस समय कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं, ने कहा कि सरकार को अब राजकोषीय घाटे को कम करने पर जोर देना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं करने पर अगली पीढ़ी के लिए एक बड़ा कर्ज का बोझ तैयार हो जाएगा।

यात्रा, पर्यटन क्षेत्र में नौकरियां दिसंबर में चार प्रतिशत बढ़ीं

मुंबई। देश में महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित यात्रा और पर्यटन उद्योग अब सुधार की राह पर है और इस क्षेत्र में नौकरियां दिसंबर में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़ीं। मॉन्स्टर रोजगार सूचकांक की एक रिपोर्ट के अनुसार यात्रा और पर्यटन उद्योग ने कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के बाद लगातार नई नौकरियों में बढ़ोतरी देखी है। रिपोर्ट के मुताबिक ए रुझान लॉकडाउन के बाद घूमने की इच्छा और स्थानीय पर्यटन में बढ़ोतरी के चलते हैं। हालांकि, तीसरी लहर के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में नई नौकरी में क्रमिक आधार पर एक प्रतिशत कमी हुई। यह रिपोर्ट मॉन्स्टर रोजगार सूचकांक के आंकड़ों पर आधारित है। मॉन्स्टर डॉट कॉम के सीईओ शेखर गरिसा ने कहा कि भारतीय यात्रा और पर्यटन उद्योग ने पिछले वर्ष की तुलना में 2021 में तेजी से सुधार दर्शाया है।

सरकार ने मानव बालों के निर्यात पर अंकुश लगाया

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को मानव बाल के निर्यात पर अंकुश लगा दिए हैं। बाल उद्योग के अनुसार, यह एक ऐसा कदम है जिससे इस उत्पाद की भारत से कथित तस्करी को रोकने में मदद मिलेगी। बालों के निर्यात की पहले बिना किसी अंकुश के अनुमति दी गई थी। लेकिन अब एक निर्यातक को वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से अनुमति या लाइसेंस लेना होगा। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने एक अधिसूचना में कहा, मानव बाल की निर्यात नीति, चाहे उसको लेकर कोई काम न भी किया गया, चाहे उसे धोया गया हो या नहीं धोया गया हो, मानव बाल या किसी अन्य प्रकार के कच्चे मानव बाल ... को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है। इस पहल का स्वागत करते हुए भारतीय बाल एवं बाल उत्पाद विनिर्माण एवं निर्यातक संघ के सदस्य सुनील ईमानी ने कहा कि यह उनकी लंबे समय से लंबित मांग थी। उन्होंने बार-बार आरोप लगाया है कि यह श्रम प्रधान उद्योग म्यामां और चीन जैसे देशों में कच्चे मानव बाल की तस्करी की एक अजीबोगरीब चुनौती का सामना कर रहा है, जिससे स्थानीय उद्योगों और निर्यात को नुकसान हो रहा है।

क्विक न्यूज

एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के सर्वर में सेंध, 12 करोड़ रुपए की हेराफेरी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के सर्वर कुछ लोगों ने हैक कर लिया। इसके बाद लगभग 12 करोड़ रुपए की राशि देशभर के कई बैंक खातों में कथित तौर पर स्थानांतरित कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हैकर्स ने बैंक की राशि को स्थानांतरित किया, लेकिन ग्राहकों के खातों से कोई राशि नहीं निकली है। अधिकारियों ने कहा कि कई बैंकों के कई व्यक्तिगत खातों में लगभग 12 करोड़ रुपए स्थानांतरित किए गए। इनमे से ज्यादातर बैंक खाते अन्य राज्यों और तेलंगाना में स्थित हैं। उन्होंने बताया कि बैंक के अधिकारियों ने रविवार रात को संदिग्ध लेनदेन का पता लगाने के बाद धनालेनदेन के आगे हस्तांतरण को रोक दिया। साथ ही ऐसे खातों को ब्लॉक करने के लिए अन्य बैंकों के प्रबंधन से भी संपर्क किया, जिससे कुछ राशि को जब्त कर लिया गया। बैंक अधिकारी ने कहा, पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई है। अन्य बैंकों को सूचित कर दिया गया है और धन को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम तुरंत उठाए गए है। साइबर हमले के खिलाफ बैंक के कोष का बीमा किया जाता है।

टाटा टी ने गणतंत्र दिवस पर विभिन्न रंगों का उत्सव मनाया

मुंबई। भारत के 73 वें गणतंत्र दिवस की खुशी में देश की चायख टाटा टी प्रीमियम प्रस्तुत कर रही है। देश की झांकी, हमारे देश की अनोखी विविधता का सम्मान करने वाली यह अपनी तरह की एक अनोखी पहल है। टाटा टी प्रीमियम के हर राज्य के लिए डिज़ाइन किए गए विशेष पैक्स काफी लोकप्रिय हैं, उन्हीं से प्रेरित होकर हर झांकी को हर क्षेत्र का गौरव दर्शाने वाले तत्वों के साथ सजाया गया है, हर राज्य की परंपराओं और संस्कृति को इन झांकियों में चित्रित किया गया है। गणतंत्र दिवस को मनाते हुए यह पहल उन सभी विविध तत्वों का सम्मान करती है जो भारत को सही मायने में अनोखा बनाते हैं। दिल वालों की शानदार दिल्ली से लेकर,दमदार उत्तर प्रदेश तक, मानवता की सेवा के लिए पहचाने जाने वाले, बड़े दिल वाले पंजाब से लेकर जीतने के कभी न खत्म होने वाले जूनून के साथ कड़क सपनों वाले हरयाणा तक अपने समृद्ध इतिहास के लिए जाने जाने वाले स्वाद से भरपूर बिहार से लेकर रस भरे पश्चिम बंगाल तक दृढ़ निश्चयी उड़िया और महाराष्ट्र में सर्वगुणी लोगों के लिए हर क्षेत्र के गुणों और भावनाओं को दर्शाने की कोशिश टाटा टी प्रीमियम इस पहल के ज़रिए कर रहा है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के पैकेज्ड बेवरेजेस भारत और दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट पुनीत दास ने कहा कि स्वाद से जुड़ी स्थानीय वरीयताओं को पूरा करना हमेशा से ही टाटा टी प्रीमियम की विशेषज्ञता रही है।

फैबइंडिया ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइल की

मुंबई। फैबइंडिया लिमिटेड (फैबइंडिया) या कंपनी का भारत के पहले ईएसजी आईपीओ ने बाजार नियामक के पास डीआरएचपी फाइल की ऑफ र में कुल 500 करोड़ रु के फ्रेश इश्यू और मौजूदा निवेशकों, शेयरधार कों द्वारा 25,050,543 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। फैबइंडिया ने 50,000 से अधिक कारीगरों को सशक्त बनाया है, जिनमें से लगभग 64 प्रतिशत कारीगर महिलाएं हैं। कंपनी स्थायी कृषि पद्धतियों को बनाने के लिए 2,200 से अधिक किसानों के साथ सीधे और 10,300 से अधिक किसानों के साथ सहयोगियों के माध्यम से भी काम करती है। फैबइंडिया ने ग्लोबल ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन प्राप्त करने में किसानों का समर्थन करके एक गैर-विषैले कृषि संस्कृति बनाने के लिए कदम उठाए हैं। फैबइंडिया के प्रमोटर बिमला नंदा बिसेल और मधुकर खेड़ा 14 जनवरी 2022 के अपने पत्रों के अनुसार क्रमश: 400,000 इक्विटी शेयर्स और 375,080 इक्विटी शेयस, इस ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के फाइल करने के बाद और या तो,रू रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को दाखिल करने से पहले या ऑफ़र की समाप्ति और लागू नियामक लॉक-इन अवधि के बाद सेबी आईसीडीआर विनियमों के तहतए लागू कानून के अनुपालन में स्थानांतरित करने का इरादा रखते हैं।

निर्यात संवर्धन परिषद ने खाद्य, पेय उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बजट में उपाय करने के दिए सुझाव

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) ने खाद्य तथा पेय उद्योग को बढ़ावा देने के मकसद से मंगलवार को सरकार को आगामी बजट में देश में बने उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन जैसी गतिविधियों के साथ आधुनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन की घोषणा करने का सुझाव दिया। परिषद ने साथ ही एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) इकाइयों को कच्चे माल के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देने का भी सुझाव दिया है। टीपीसीआई ने उद्योग के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट की भी मांग की। इसके अलावा खाद्य क्षेत्र में परीक्षण के लिए सब्सिडी, खाद्य और पेय पदार्थ तकनीकी मशीनरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए कोष और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) के लिए ब्याज सहायता योजना की मांग की है। भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक वी के गौबा ने एक बयान में कहा, अर्थव्यवस्था के लिहाज से कृषि और खाद्य क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र पर और ध्यान देने की जरूरत है। कठिन समय के बावजूद कृषि एवं खाद्य क्षेत्र ने लगातार 20 प्रतिशत से अधिक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड

3री तिमाही 2021-22 (करोड़ ₹ में)

	31 दिसंबर 2020	31 दिसंबर 2021	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि %
संचालन राजस्व	23471.3	23253.3	-0.93
आय	24465.1	23581.2	-3.61
व्यय	22014.5	22357.0	1.56
कर-पूर्व लाभ	2510.3	1251.7	-50.14
शुद्ध लाभ	1996.7	1041.8	-47.82
प्रति शेयर आय (₹)	66.10	34.49	

अनंकेक्षित, समेकित

पीटीआई ग्राफिक

एलआईसी का पहली छमाही का शुद्ध लाभ 1,437 करोड़ रुपए हुआ

भाषा। मुंबई

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 1,437 करोड़ रुपए रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 6.14 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। उल्लेखनीय है कि एलआईसी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जल्द आने की उम्मीद है। एलआईसी ने मंगलवार को बयान में कहा कि पहली छमाही में उसके नए कारोबार के प्रीमियम की वृद्धि 554.1 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 394.76 प्रतिशत रही थी। छमाही के दौरान कंपनी का कुल शुद्ध प्रीमियम 1,679 करोड़ रुपए बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो अप्रैल-सितंबर, 2021 में 1.84 लाख करोड़ रुपए पर था। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी के कुल प्रीमियम में 17,404 करोड़ रुपए का उछाल आया। वहीं इस दौरान कंपनी की निवेश से आय 3.35 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। पहली छमाही में कंपनी की निवेश से कुल आय 15,726 करोड़ रुपए बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

पेज एक का शेष

सीडीएस रावत...

सच्चिदानंद को भी पद्म भूषण मिला है। पद्म श्री पुरस्कार पाने वाले 107 विजेताओं में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, दिवंगत आईएएस अधिकारी और हवाईअड्डा प्राधिकरण के अध्यक्ष गुरुप्रसाद महापात्र, प्रसिद्ध गायक सोनू निगम का नाम भी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, जिनका पिछले साल निधन हो गया, को सार्वजनिक मामलों के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है, जबकि दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत को सिविल सेवा के लिए यह सम्मान मिलेगा। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद को सार्वजनिक सेवा के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। रावत उत्तराखंड के रहने वाले हैं और कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश से हैं, दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। आजाद को पद्म पुरस्कार देने के लिए केंद्र के फैसले का अलग ही राजनीतिक महत्व है। आजाद जम्मू और कश्मीर से आते हैं, जहां केंद्र राजनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से जनता का दिल जीतने की पूरी कोशिश कर रहा है। आजाद कांग्रेस में काफी समय से दरकिनार किए गए हैं और वह बार-बार प्रधानमंत्री नागेंद्र मोदी की तारीफ करने के लिए भी चर्चा में रहे हैं।

प. बंगाल के...

भट्टाचार्य को पद्म भूषण सम्मान प्रदान करने की जानकारी दी गई थी। सूत्रों के अनुसार, बुद्धदेव भट्टाचार्य के परिवार से किसी ने गृह मंत्रालय को यह नहीं बताया कि वह पद्म भूषण सम्मान स्वीकार नहीं करेंगे।

सरकारी दफ्तरों...

कर सके। आज गणतंत्र दिवस पर वह इस सपने को पूरा करने का संकल्प लेते हैं। पंजाब और अन्य राज्यों में चुनावों के संदर्भ में आप संयोजक ने कहा कि देश को तभी आगे ले जाया जा सकता है जब सभी को अच्छी शिक्षा मिले। उन्हें खुशी है कि बाबा साहब का सपना पूरा करने का काम दिल्ली में शुरू हो गया है। दिल्ली सरकार ने पिछले सात साल में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी काम किए। सरकार बनते ही हमने शिक्षा का बजट बढ़ाकर 25 फीसद कर दिया और सारे स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक करने का काम शुरू किया। अब वह स्कूलों में बच्चों को अच्छा इंसान व कट्टर देशभक्त बना रहे हैं और बिजनेस करना सीखा रहे हैं। केजरीवाल ने अपने 26 मिनट के भाषण में ज्यादातर समय अपनी सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था में किये गये बदलावों से जुड़े विषयों पर बात की।

बंगाल में...

मजूमदार ने कहा कि भाजपा को 4 फीसदी (वोट शेयर) से 40 फीसदी तक ले जाने वाले लगभग 80 फीसदी पदाधिकारियों को उनके पद से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि 2019 के बाद पार्टी में शामिल हुए स्वयंभू नए लोगों को शीर्ष पदों पर रखा गया है, जिसके परिणामस्वरूप पार्टी बंगाल में धीरे-धीरे डूबती जा रही है। यह आरोप लगाते हुए कहा कि निलंबित नेता ने कहा कि 42 जिलाध्यक्षों में से 32 अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अज्ञात थे उनको राज्य के नेताओं के तौर पर स्थापित किया जिसको पार्टी ने दबा दिया।

पंजाब में...

चन्नी के साथ लड़ने वाले योद्धा के रूप में कुछ हद तक दरकिनार कर दिया गया है। सीएम पद के एक अन्य दावेदार, राज्य के पूर्व पार्टी प्रमुख सुनील जाखड़ को भी एक अन्य योद्धा के रूप में चित्रित किया गया है, जो चन्नी के साथ निडर होकर सीधे दुश्मन के इलाके में उन्हें मारने के लिए दौड़ता है। यहां तक कि जब कांग्रेस नेतृत्व चन्नी-सिद्धू-जाखड़ गठबंधन के सामूहिक नेतृत्व के तहत चुनाव लड़न की घोषणा की गई है। वीडियो पर लगभग 5,000 लाइक्स मिल चुके हैं। ऐसा लगता है कि इस वीडियो से कुछ संकेत दिए गए हैं। इससे पहले भी, कांग्रेस ने एक वीडियो क्लिप साझा की थी जिसमें चन्नी को चुनाव के लिए पार्टी का चेहरा होने का संकेत दिया गया था। यह वीडियो आम आदमी पार्टी द्वारा बॉलीवुड फिल्म से प्रेरणा लेकर अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवंत मान का प्रचार करते हुए एक वीडियो जारी करने के लगभग एक हफ्ते बाद आया है।

एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग

भाषा। नई दिल्ली

एल्युमीनियम उद्योग ने सरकार से एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग की है। भारतीय एल्युमीनियम संघ (एएआई) ने मंगलवार को कहा कि पर्याप्त घरेलू एल्युमीनियम कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद भारत में कबाड़ की खपत लगभग पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। प्राथमिक एल्युमीनियम पर वर्तमान में 7.5 फीसदी, डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पर 7.5 से 10 प्रतिशत और एल्युमीनियम स्क्रैप या कबाड़ पर सिर्फ 2.5 प्रतिशत सीमा शुल्क है। संगठन ने एक बयान में कहा, यही कारण है कि प्राथमिक एल्युमीनियम क्षमता की महत्वपूर्ण उपस्थिति और पर्याप्त घरेलू कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद देश में एल्युमीनियम कबाड़ की खपत 100 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। इसलिए एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क को 2.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर देना चाहिए। एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ पर मूल सीमा शुल्क अन्य अलौह धातुओं जैसे जस्ता, सीसा, निकेल और टिन के अनुरूप नहीं है। यह घरेलू एल्युमीनियम उत्पादकों के लिए एक बड़ा नुकसान है। उद्योग को इसके अलावा मूल सीमा शुल्क की दर या अधिकतम सीमा शुल्क दर मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की उम्मीद है।

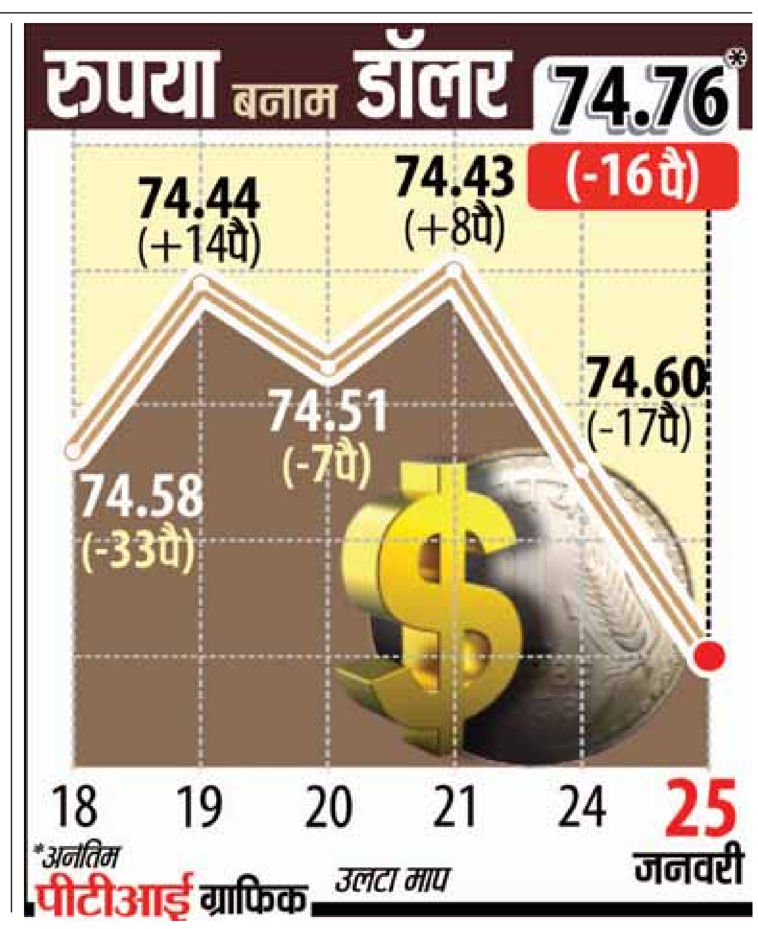

यूएई व अमेरिका ने किया विद्रोहियों का हमला नाकाम

● हूती के लोगों ने अबू धाबी पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

भाषा। दुबई

यमन के हूती बागियों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी पर मिसाइलें दागने की जिम्मेदारी लेते हुए विदेशी कंपनियों और निवेशकों से यूएई छोड़ने को कहा है। हूती विद्रोही समूह द्वारा दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलों को यूएई और अमेरिकी सेना ने सोमवार सुबह बीच में ही रोक कर नष्ट कर दिया। यह अबू धाबी को निशाना बनाकर किया गया इस तरह का एक हफ्ते में दूसरा हमला था। सोमवार के हमले के बाद यूएई के लड़ाकू विमानों ने उस लॉन्चर को भी नष्ट कर दिया जहां से ए मिसाइलें दागी गई थीं।

इस हमले ने फारस की खाड़ी में तनाव बढ़ा दिया है। इस तरह के हमले यूएई के आसपास तो होते थे लेकिन मुल्क में कभी नहीं हुए। यमन में सालों से चल रही जंग और वैश्विक शक्तियों के साथ ईरान का परमाणु समझौता नाकाम होने के बाद यह हमला हुआ है। राजधानी अबू धाबी के अल-ज़फरा वायु सेना केंद्र पर मौजूद दो हजार अमेरिकी सैनिकों को हमले के दौरान बंकरों में पनाह लेनी पड़ी और पैट्रियट मिसाइलें दागनी पड़ीं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में दिख रहा है कि सोमवार तड़के अबू धाबी के आसमान में बिजली चमकती है और धमाके की आवाज़ आती है। दरअसल, यह इंटरसेप्टर मिसाइलों द्वारा बीच में ही बैलिस्टिक मिसाइलों को रोककर नष्ट करने की आवाज़ थी। यमन में हूती सेना के प्रवक्ता याहिया सरई ने टीवी पर प्रसारित एक बयान में हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि बागियों ने ज़ुल्फिकार बैलिस्टिक मिसाइल तथा ड्रोन से हमला किया है जिसमें एयर बेस भी शामिल है। उन्होंने चेताया कि जब तक यमनी लोगों पर हमले जारी रहते हैं तब तक यूएई को निशाना बनाया जाता रहेगा। सरई ने कहा, हम विदेशी कंपनियों और निवेशकों को आगाह कर रहे हैं कि वे यूएई छोड़ दें। यह एक असुरक्षित देश बन गया है। सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की एक खबर के अनुसार, यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूएई किसी भी तरह के खतरे से निपटने के लिए तैयार है और देश को सभी तरह के हमलों से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रवक्ता और नौसेना के कैप्टन बिल अर्बन ने एक बयान में माना कि अमेरिकी पैट्रियट मिसाइलों ने हूती की मिसाइलों को अबू धाबी पर हमला करने से रोका। सोशल मीडिया पर दिख रहे वीडियो से पता चलता है कि मिसाइल वायु सेना केंद्र से दागी गईं थीं। उन्होंने कहा, संयुक्त प्रयासों से दोनों मिसाइलों को केंद्र को प्रभावित करने से रोक दिया गया। मिसाइल हमले की वजह से अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई यातायात करीब घंटे भर तक प्रभावित रहा है। हमले के बाद दुबई आर्थिक बाजार करीब दो फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। अबू धाबी प्रतिभूति विनिमय में भी मामूली गिरावट आई। अबू धाबी में अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एक परामर्श जारी कर कहा कि उन्हें सुरक्षा को लेकर काफी सतर्क रहने की जरूरत है। व्हाइट हाउस के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने यूएई और सऊदी अरब के राजदूतों से सोमवार को मुलाकात की और हूतियों की ओर से हाल में किए गए हमलों की चर्चा की। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने ट्विटर पर एक वीडियो भी साझा की जिसमें एक एफ-16 लड़ाकू विमान यमन स्थित बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर को नष्ट करता दिखाई देता है। बता दें कि यमन में सऊदी अरब नीत गठबंधन हूतियों से लड़ रहा है। हालांकि यूएई ने यमन से अपनी ज्यादातर सेना वापस बुला ली है लेकिन वह सऊदी मिलिशिया को समर्थन कर रहा है। अबू धाबी में 17 जनवरी की सुबह मुसाफ्फा आईसीएडी-3 क्षेत्र और अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नवनिर्मित एक क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया था। उस हमले की चपेट में तीन पेट्रोलियम टैंकर आए थे और इसमें दो भारतीयों तथा एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई थी और छह अन्य लोग घायल हो गए थे।

रूस की गतिविधियों को लेकर चिंता के बीच अमेरिका ने 8,500 सैनिकों को तैयार रहने का आदेश दिया

वाशिंगटन। रूस के यूक्रेन पर सैन्य कार्वाई करने की आशंकाओं को लेकर बढ़ती चिंता के बीच पेंटागन ने 8,500 सैनिकों को नाटो बल के हिस्से के रूप में यूरोप में तैनात होने के लिए तैयार रहने को कहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूरोप के प्रमुख नेताओं से विचार-विमर्श किया और अपने सहयोगी देशों के साथ एकजुटता प्रदर्शित की। सोमवार को अमेरिकी सैनिकों को यूरोप में तैनात करने के लिए तैयार होने का आदेश जारी किए जाने के बीच यह उम्मीद कम होती दिख रही है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने उस रुख से पीछे हटेंगे जिसे बाइडन ने पड़ोसी यूक्रेन पर हमले के खतरे के रूप में आंका है। इस दौरान यूक्रेन के भविष्य के साथ नाटो गठबंधन बल की विश्वसनीयता भी दांव पर है जो अमेरिकी रक्षा रणनीति के केंद्र में है। वहीं पुतिन इसे शीत युद्ध की याद के तौर पर और रूसी सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में देखते हैं। बाइडन का मानना है कि यह संकट पुतिन के खिलाफ एकजुट होकर प्रयास करने की उनकी क्षमता का बड़ा परीक्षण है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा कि संभावित तैनाती के लिए 8,500 अमेरिकी सैनिकों को तैयार किया जा रहा है। इन्हें यूक्रेन में नहीं बल्कि रूस की किसी भी आक्रामक गतिविधि की रोकथाम के लिए एकजुटता जताने वाले नाटो बल के भाग के रूप में पूर्वी यूरोप में भेजा जा सकता है। रूस ने आक्रमण करने की संभावना से इनकार किया है। उसका कहना है कि पश्चिमी देशों के आरोप नाटो की खुद की सुनियोजित उकसावे वाली कार्वाइयों को ढकने का प्रयास मात्र हैं।

यूक्रेन को हथियार नहीं उपलब्ध कराएगा जर्मनी

बर्लिन। जर्मनी द्वारा यूक्रेन को हथियार नहीं देने के निर्णय ने नाटो के कुछ सदस्य देशों को नाराज कर दिया है और रूस के विरुद्ध खड़े होने के जर्मनी के संकल्प पर सवालिया निशान लग गया है। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि बर्लिन ने एस्टोनिया द्वारा कीव को पुरानी जर्मन होविट्जर तोपें देने पर रोक लगा दी थी। यूक्रेन की सीमा पर रूसी सैन्य जमावड़े के खिलाफ इन तोपों का इस्तेमाल किया जा सकता था। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने ट्विटर पर कहा कि हथियारों की आपूर्ति पर जर्मनी का यह रुख हमारे संबंधों और वर्तमान सुरक्षा स्थिति के अनुकूल नहीं है। सोमवार को बर्लिन में जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि होवित्जर पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है और उनका देश, यूक्रेन पर रूस के संभावित हमले के विरोध में नाटो तथा यूरोपीय संघ के देशों के साथ खड़ा है। शोल्ज ने संवाददाताओं से कहा, अगर ऐसी स्थिति आती है तो हम मिलकर कार्वाई करेंगे। इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि जर्मनी यूक्रेन को सहायता उपलब्ध कराता रहेगा लेकिन हम कोई घातक हथियार नहीं देंगे। जर्मनी के इस रुख की कीव, वाशिंगटन और लंदन में आलोचना की गई।

रूसी सैनिक मॉस्को क्षेत्र, रूस, एपी,पीटीआई में गोलोवेंकी प्रशिक्षण मैदान में सैन्य अभ्यास में भाग लेते हैं।

इस्तांबुल में भारी हिमपात की वजह से हजारों पर्यटक फंसे

भाषा। इस्तांबुल

इस्तांबुल में हिमपात के कारण बंद हो गए रास्तों को खोलने के लिए बचाव दलों को मंगलवार को काफी मशक्कत करनी पड़ी जहां हजारों लोग और वाहन रात भर हाड़ कंपा देने वाली सर्दी में फंसे रहे। इस्तांबुल में बर्फ गिरने से राजमार्ग और अन्य रास्ते सोमवार को अवरुद्ध हो गए और कुछ इलाकों में तो 80 सेंटीमीटर या 31 इंच से मोटी बर्फ की परत जम गई। रास्ते में फंस गए लोगों ने या तो रात अपनी गाड़ियों में गुजारी या वाहन रास्ते में छोड़कर पैदल अपने घर गए। कुछ लोगों ने मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन के साधनों का भी इस्तेमाल किया। कुछ लोगों को होटलों में ठहराया गया। शहर के आपदा समन्वय केंद्र या एकेओएम ने कहा कि आइसलैंड में कम दबाव का क्षेत्र बनने से हिमपात और सर्दी का प्रकोप बढ़ा है। बर्फ का तूफान आया और पड़ोसी यूनान में भी हालात खराब हो गए जहां एथेंस में यातायात अवरुद्ध हुआ है। बुधवार तक ऐसे हालात बने रहने का पूर्वानुमान है। इस्तांबुल के मेयर एकरेम इमामोगलू ने कहा कि मंगलवार शाम तक और अधिक भारी बर्फबारी हो सकती है। इस्तांबुल की सड़क पर बर्फ के बीच फंसे 40 साल के अहमत उदाबासी ने फोन पर एपी से बातचीत में कहा, कुछ भी आगे नहीं बढ़ रहा। बर्फ को हटाने वाले उपकरण हम तक पहुंच नहीं पा रहे। एकेओएम के प्रबंधक सेलकुक तुतुंकू ने कहा कि बर्फ का तूफान आने के बाद से इसे पिघलाने के लिए 40,000 टन नमक का इस्तेमाल किया गया है।

क्विक न्यूज

भ्रष्टाचार को कम करने में खास सफलता नहीं मिली, कोविड-19 का बुरा असरः रिपोर्ट

बर्लिन। दुनिया के अधिकतर देशों ने पिछले एक दशक में भ्रष्टाचार के स्तर को कम करने में बहुत कम या कोई प्रगति नहीं की है और कोविड-19 वैश्विक महामारी ने स्थिति को खराब कर दिया है। भ्रष्टाचार विरोधी एक संगठन के अध्ययन में यह दावा किया गया है। विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की धारणा को मापने वाले ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2021 के उनसार, न केवल प्रणालीगत भ्रष्टाचार और कमजोर संस्थानों वाले देशों में, बल्कि स्थापित लोकतांत्रिक देशों में अधिकारों और नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था को तेजी से कमजोर किया जा रहा है। रिपोर्ट में पिछले एक साल के जिन मुद्दों का जिक्र किया गया है, उनमें दुनियाभर के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और नेताओं की जासूसी से जुड़ा पेगासस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल भी शामिल है।

जन्मदिन पार्टीगेट विवाद से जूझ रहे ब्रिटिश प्रधानमंत्री पर एक और आरोप

लंदन। पार्टीगेट घोटाले को लेकर विवादों से जूझ रहे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन पर मंगलवार को एक और नया आरोप लगाया गया। बताया जा रहा है कि कोविड प्रसार पर रोकथाम के लिए लागू पहले लॉकडाउन के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री के लिए उनकी मंगेतर ने एक सरप्राइज बर्थडे केक पार्टी का आयोजन किया था। आईटीवी न्यूज ने सोमवार रात को बताया कि उस कार्यक्रम में करीब 30 लोग शामिल हुए और हैप्पी बर्थडे गीत गाया गया, इसके अलावा लोगों को केक भी परोसा गया। डाउनिंग स्ट्रीट की ओर से बताया गया कि गत 19 जून, 2020 को 56 साल की उम्र पूरी करने वाले जॉनसन उस दिन एक कार्यक्रम में लगभग 10 मिनट के लिए शामिल हुए थे, क्योंकि उनके स्टाफ के लोग उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के लिए थोड़े समय के लिए एकत्र हुए थे।

कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान व किर्गिस्तान में बिजली गुल

मास्को। मध्य एशियाई देश कजाकिस्तान,उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान में मंगलवार को बड़े पैमाने पर बिजली गुल रहने की खबर है। द इंटरफैक्स न्यूज एजेंसी ने कहा कि कजाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और राजधानी अलमाटी के 20 लाख लोग मंगलवार को बिजली से वंचित रहे। कजाकिस्तान की न्यूज साइट ओआरडीए डॉट केजेड ने बताया कि तुर्किस्तान के दक्षिणी इलाके खासकर शिमकेंट और तराज में भी बिजली गुल रही। इंटरफैक्स के मुताबिक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक और इसके उत्तरी क्षेत्र चुय में भी बिजली गुल रही।

इजराइली विशेषज्ञ समिति ने वयस्कों को कोविड टीके की चौथी खुराक देने की सलाह दी

यरूशलम। एक विशेषज्ञ समिति ने मंगलवार को इजराइली सरकार को सलाह दी कि वह 18 साल से अधिक आयु के सभी लोगों को कोविड रोधी टीके की चौथी खुराक देना शुरू करे। समिति ने शोध का हवाला देते हुए कहा कि इससे कोविड-19 संक्रमण और गंभीर बीमारी को रोकने में मदद मिलती है। सलाहकार समिति ने कहा कि शोध से पता चलता है कि चौथी खुराक गंभीर बीमारी से तीन से पांच गुना सुरक्षा प्रदान करती है और यह तीन खुराक की तुलना में संक्रमण से दोगुनी सुरक्षा प्रदान करती है।

दक्षिण कोरिया में पहली बार एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 8,000 से अधिक मामले आए

सियोल। दक्षिण कोरिया में मंगलवार को पहली बार कोरोना वायरस संक्रमण के 8,000 से अधिक नए मामले सामने आए। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी ने संक्रमण के नए मामलों की संख्या 8,571 बताई है। इससे पहले लगातार तीन दिन तक संक्रमण के मामले 7,000 से अधिक थे। यहां कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप डेल्टा से दोगुने से अधिक तेजी से संक्रमण फैला रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस सप्ताह देश में संक्रमण के मामले 10,000 से अधिक हो सकते हैं और इस सप्ताहांत से शुरू होकर अगले बुधवार तक चलने वाली चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के बाद संक्रमितों की दैनिक संख्या 20,000 तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है। अस्पतालों और आवश्यक सेवाओं पर बढ़ते बोझ को रोकने के लिए दक्षिण कोरिया पृथकवास अवधि कम करेगा, जांच बढ़ाएगा और घरों पर ही अधिक से अधिक लोगों का इलाज कराया जाएगा।

विस्फोटक भरी जैकेट में धमाके से ऑस्ट्रेलिया में एक व्यक्ति की मौत

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में विस्फोटक भरी जैकेट में विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मारा गया व्यक्ति विस्फोटक भरी जैकेट पहनकर कार चला रहा था। सेवन न्यूज ने कहा कि ऐसा बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह उपनगर हाल्लम में एक स्पीड ब्रेकर से कार के टकराने के कारण विस्फोटक जैकेट का बटन दब गया। इससे संबंधित एक वीडियो फुटेज में कार में विस्फोट होता दिखाई देता है, जिसके बाद कार कुछ मीटर आगे तक गई और फिर सड़क पर खड़े एक वाहन से टकरा गई।

दक्षिण चीन सागर में अभ्यास कर रहा अमेरिका का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

बैंकॉक। दक्षिण चीन सागर में अभ्यास कर रहा अमेरिकी नौसेना का एफ35सी लाइटनिंग द्वितीय लड़ाकू विमान एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के डेक पर उतरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे सात नाविक घायल हो गए। सेना ने यह जानकारी दी। यूएसएस कार्ल विंसन के डेक पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले पायलट विमान से बाहर कूद गया था। सेना के एक हेलीकॉप्टर के जरिए पायलट का पता लगाया गया, उसकी हालत स्थिर है। हादसे में कुल सात नाविक घायल हुए है, जिनमे से तीन को इलाज के लिए फिलीपीन की राजधानी मनीला में भर्ती कराया गया है।

उत्तर कोरिया ने दो क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया: दक्षिण कोरियाई अधिकारी

सियोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता लंबे समय से ठप होने और कोरोना वायरस वैश्विक महामारी संबंधी मुश्किलों के बीच अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने के लिए दो संदिग्ध क्रूज मिसाइल का मंगलवार को परीक्षण किया, जो इस महीने में उत्तर कोरिया का पांचवां हथियार परीक्षण है। दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने पर कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका के खुफिया अधिकारी इन प्रक्षेपणों का विश्लेषण कर रहे है, लेकिन उन्होने विस्तार से जानकारी उपलब्ध नही कराई।

लंदन पुलिस लॉकडाउन के दौरान डॉउनिंग स्ट्रीट पर हुई पार्टियों की कर रही जांच

लंदन। लंदन पुलिस ने मंगलवार को कहा कि वह लॉकडाउन के दौरान डॉउनिंग स्ट्रीट पर आयोजित पार्टियो की जांच कर रही है। महानगर पुलिस की आयुक्त क्रेसिडा डिक ने लंदन विधायिका के सामने दिए बयान में खुलासा किया कि मामले की जांच चल रही है।

भीषण ठंड में भारतीयों की मौत का मामलाः बिना बांड जेल से रिहा हुआ मानव तस्करी का आरोपी

भाषा। न्यूयॉर्क

मानव तस्करी के आरोप का सामना कर रहे फ्लोरिडा के एक व्यक्ति को अमेरिका की एक अदालत ने बिना बांड के जेल से रिहा कर दिया। यह व्यक्ति दो भारतीयों को अमेरिका में अवैध रूप से लाने और चार भारतीयों की कनाडा सीमा के पास भीषण ठंड से मौत होने के मामले का आरोपी है। आरोपी स्टीव शैंड (47) को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। उस पर अमेरिकी कानून का उल्लंघन कर दूसरे देश के लोगों को अमेरिका में अवैध रूप से लाने का आरोप है। वह 20 जनवरी को अमेरिका की मिनीसोटा की जिला अदालत मजिस्ट्रेट हिल्डी बॉबीर के समक्ष पहली बार पेश हुआ था। उसे 24 जनवरी तक हिरासत में रखने का आदेश दिया गया था। ग्रैंड फोर्क्स हेराल्ड अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार, शैंड 24 जनवरी को वर्चुअल रूप से पेश हुआ था और उसे मामला लंबित रहने तक सशर्त रिहा करने का आदेश दे दिया गया। हालांकि, उसे फ्लोरिडा वापस भेजे जाने तक हिरासत में रहना होगा। 30 मिनट की सुनवाई के दौरान शैंड ने कोई टिप्पणी नहीं की, सिवाय इसके कि यस मैम, यह योर ऑनर। इस दौरान न्यायाधीश बॉबीर ने उसकी जमानत से संबंधित शर्तें निर्धारित कीं। अखबार ने कहा कि आरोपी को तथाकथित इस पेशी बांड के आधार पर रिहा कर दिया गया कि जब भी सुनवाई होगी, वह अदालत के समक्ष पेश होगा।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रूसी छात्र दिवस के अवसर पर मास्को के बाहर नोवो-ओगारियोवो निवास पर टेलीकॉन्फ्रेंस के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ एक बैठक में भाग लेते हुए

बुर्किना फासो पर अब जुंटा का नियंत्रणः सैनिकों ने की घोषणा

भाषा। औगाडोउगोउ

बुर्किना फोन के सरकारी टेलीविजन पर सोमवार को 10 से अधिक विद्रोही सैनिकों ने घोषणा की कि देश पर अब जुंटा (सेना) का नियंत्रण है। इससे पहले बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे को बागी सैनिकों ने बंधक बना लिया था। यह पिछले 18 महीने में तीसरा पश्चिमी अफ्रीकी देश है, जहां इस्लामी चरमपंथी हमलों से निपटने के सरकार के तौर-तरीकों को लेकर सेना ने तख्तापलट किया है। कैप्टन सिदसोरे कबेर औएद्राओगो ने कहा कि सुरक्षा एवं बहाली के इस देशभक्ति आंदोलन (पैट्रियटिक मूवमेंट) ने अपनी जिम्मेदारी निभाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि गहराते इस्लामी विद्रोह और संकट से निपटने में राष्ट्रपति की अक्षमता की वजह से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के कारण सैनिक काबोरे के राष्ट्रपति कार्यकाल को समाप्त कर रहे हैं। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे कहां हैं। जुंटा के प्रवक्ता ने कहा कि केवल तख्तापलट किया गया है, गिरफ्तार किए गए लोगों को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं पहुंचाई गई, उन सभी को सम्मान के साथ सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। नाम उजागर ना करने की शर्त पर विद्रोह में शामिल एक सैनिक ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि काबोरे ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है।नए सैन्य शासन ने कहा कि उसने बुर्किना फासो के संविधान और नेशनल असेंबली को भंग कर दिया है।

ईरान को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान का अधिकार मिला वापस

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने कहा कि ईरान, गिनी और वानुआतु ने 193 सदस्ईय विश्व निकाय में अपने मतदान के अधिकार को फिर से हासिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित संचालन बजट में पर्याप्त बकाया राशि का भुगतान कर दिया है। अब केवल वेनेजुएला और पापुआ न्यू गिनी के पास ही महासभा में मतदान का अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में कहा गया है कि जिन सदस्यों का बकाया पिछले दो पूर्ण वर्षों के उनके योगदान की राशि के बराबर या उससे अधिक हो वे मतदान का अधिकार खो देते हैं। तय करने का अधिकार भी है कि क्या भुगतान ना करने की वजह सदस्य देश के नियंत्रण से बाहर तो नहीं थी। ऐसी स्थिति में देश मताधिकार का इस्तेमाल करना जारी रख सकता है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के महासभा को 12 जनवरी को जारी किए गए एक पत्र के अनुसार, आठ देशों ने अपना मताधिकार खो दिया था। इनमें से तीन देशों सूडान, एंटीगुआ एवं बारबुडा और कांगो गणराज्य ने पिछले सप्ताह अपनी बकाया राशि का भुगतान कर मताधिकार हासिल कर लिया था।

आतंकवाद की साझा परिभाषा पर अभी सहमत नहीं है संयुक्त राष्ट्र : भारत

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

● संधि करने की प्रक्रिया को टालते जा रहे है

भारत ने इस बात पर चिंता जताई है कि संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद की एक साझा परिभाषा पर अभी तक सहमत नहीं हुआ है और ना ही इस वैश्विक संकट से निपटने एवं आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए कोई समन्वित नीति तैयार की गई है। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक संधि करने की प्रक्रिया को टालते जा रहे हैं और असफल साबित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन में द्वितीय सचिव

दिनेश सेतिया ने सोमवार को संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से देश और समाज जिस सबसे खतरनाक संकट से जूझ रहे हैं, उस आतंकवाद से गंभीरता से निपटने की हमारी अक्षमता उन लोगों के लिए संगठन की प्रासंगिकता पर सवाल उठाती है, जिनकी रक्षा करना संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के तहत उसकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र अभी किसी साझा परिभाषा पर सहमत नहीं हो पाया है। वह आतंकवाद से निपटने और इसके नेटवर्क को समाप्त करने की समन्वित नीति बनाने में नाकाम रहा है। हम अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक संधि करने की प्रक्रिया को टालना जारी रखकर असफल ही साबित हुए हैं। भारत ने 1986 में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि (सीसीआईटी) पर संयुक्त राष्ट्र में एक मसौदा दस्तावेज का प्रस्ताव रखा था, लेकिन इसे अभी तक लागू नहीं किया जा सका है, क्योंकि सदस्य देशों के बीच आतंकवाद की परिभाषा को लेकर सर्वसम्मति नहीं बनी है। भारतीय राजनयिक ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रभावशीलता, प्रासंगिकता और दीर्घकालिकता बदलते समय के अनुसार स्वयं को ढालने की उसकी क्षमता पर निर्भर करती है।

ग्रीस की राजधानी एथेंस और पड़ोसी तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में सोमवार को एक भीषण बर्फीले तूफान ने सड़क और हवाई यातायात को बाधित कर दिया, जबकि अधिकांश बर्फ से ढकी हुई थी।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित हुए जनजागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता। अमेठी

मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाते हुए जिलाधिकारी

भारत में हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए अहम है। इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है। इसलिए हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनता है। भारत में जितने भी चुनाव होते हैं, उनको निष्पक्षता से संपन्न कराने की जिम्मेदारी %भारत निर्वाचन आयोग% की होती है। %भारत निर्वाचन आयोग% का गठन भारतीय संविधान के लागू होने से 1 दिन पहले 25 जनवरी 1950 को हुआ था, क्योंकि 26 जनवरी 1950 को भारत एक गणतांत्रिक देश बनने वाला था और भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग का गठन जरूरी था इसलिए 25 जनवरी 1950 को %भारत निर्वाचन आयोग% गठन हुआ। भारत सरकार ने वर्ष 2011 से हर चुनाव में लोगों की भागीदारी ब?ाने के लिए निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस %25 जनवरी% को ही %राष्ट्रीय मतदाता दिवस% के रूप में मनाने की शुरुआत की थी और 2011 से ही हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश में सरकारों और अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिससे कि देश की राजनीतिक प्रक्रियाओं में लोगों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उक्त बातें आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि किसी विकसित और मजबूत राष्ट्र एवं स्वस्थ समाज की आधार शिला मतदाता होते हैं। गौरवशाली राष्ट्र वही होता है जहां मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नैतिक कर्तव्य समझते हैं। मतदान सबसे ब?ा दान होता है। यही लोकतंत्र की स्वस्थ परम्परा का द्योतक है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों व जन सामान्य को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए शपथ दिलाई इसके साथ ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यालयो, में मताधिकार के लिए शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी डा. अंकुर लाठर ने अपने संबोधन में कहा कि मजबूत राष्ट्र एवं सुन्दर समाज के निर्माण के लिए यह अद्भुत स्थित है कि आज गणतंत्र दिवस के पूर्व मतदाता दिवस का आयोजन हो रहा है। लोकतांन्त्रिक मजबूत राष्ट्र एवं स्वस्थ समाज की पहली क?ी मतदाता है। उन्होंने जनपद के समस्त बालिग युवक एवं युवतियों से मतदाता बनने एवं अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आवाहन किया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने पहली बार मतदाता बने युवाओं को मतदाता पहचान पत्र वितरित किया, इसके साथ ही 14 से 19 जनवरी के मध्य आयोजित हुई ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले नागरिकों को रु. 2500, 1500 व 500 की धनराशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा स्वीप कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर डीएम, एसपी व सीडीओ ने कलेक्ट्रेट परिसर में मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया साथ ही स्वीप लोगो अमेठी की तुम बनो शान-27 फरवरी को करो मतदान का अनावरण किया। कार्यक्रम का संचालन डा. रमेश सिंह ने किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक आरके द्विवेदी, उप जिलाधिकारी गौरीगंज सविता यादव, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट फाल्गुनी सिंह, रितु चौधरी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ अरविंद पाठक, जिला विद्यालय निरीक्षक उदय प्रताप सिंह, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी आशुतोष मिश्रा, तहसीलदार गौरीगंज, वरिष्ठ नागरिक, पत्रकारगण, लेखपाल, कानूनगो, बीएलओ, सुपरवाइजर, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

बैंक प्रबंधक समेत 10 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव

ऊंचाहार,रायबरेली। नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 110 लोगों की एंटीजन किट के माध्यम से कोरोना की जांच की गई, जिसमें एसबीआई के शाखा प्रबंधक समेत दस लोगों की जांच रिपोर्ट कोरोना संक्रमित पाई गई है।मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 110 लोगों की एंटीजन किट के जरिए कोरोना की जांच की गई। जिसमें नगर स्थित भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम व उनकी बेटी समेत दस लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट संक्रमित पाई गई है। सभी संक्रमितों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में होम आइसोलेशन में रखा गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि 110 लोगों की कोरोना की जांच की गई जिसमें दस लोगों की जांच रिपोर्ट संक्रमित पाई गई है। संक्रमित पाए गए सभी रोगियों के संपर्क में आने वाले लोगों की भी जांच कराई जाएगी।

ट्रक व डीसीएम की आमने-सामने भिड़ंत में तीन गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल किए रेफर

बछरावां । रायबरेली थाना क्षेत्र के पहुरावा गांव के पास लखनऊ प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात लगभग 2. 30 बजे ट्रक और डीसीएम की आमने-सामने भिड़ंत में डीसीएम चालक सहित तीन लोग गंभीर घायल हो गए घटनाक्रम के अनुसार देर रात लगभग 2रू30 बजे लखनऊ प्रयागराज पर वनवे होने की वजह से लखनऊ की तरफसे जा रहा इलाहाबाद ट्रक एवं रायबरेली की तरफसे आ रही डीसीएम आमने सामने भीषण टक्कर हो गई डीसीएम में बैठे एंजेला व शादाब एवं चालक शैलेश यादव पुत्र संतोष यादव निवासी जौनपुर गंभीर घायल हो गए। वहीं चालक डीसीएम में बुरी तरह फ्स जाने के कारण घंटों डीसीएम में फंसा रहा कड़ी मशक्कत के बाद सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा की मदद से ड्राइवर को बाहर निकाला घंटों यातायात बाधित रहा घायलों को बछरावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर जाया गया। वही तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफ्र किया गया। जिसमें ड्राइवर शैलेश यादव की हालत अति गंभीर बताई जा रही है। थाना अध्यक्ष जगदीश यादव ने बताया है ट्रक और डीसीएम को हाइड्रा की मदद से हाईवे से हटाकर यातायात सुचारू रूप से चालू किया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की विधित कार्यवाही की जाएगी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

अमेठी । जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि कोविड-19 के दृष्टिगत जारी दिशा निर्देशों एवं प्रोटोकाल का अनुपालन के साथ जनपद में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पूर्ण गरिमा एवं हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 08ः30 बजे कलेक्ट्रेट प्रांगण में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, संविधान की प्रस्तावना एवं उससे सम्बन्धित इतिहास पर प्रकाश डाला जायेगा। जिसके उपरान्त प्रातः 08ः30 बजे सभी सरकारी व अर्द्धसरकारी कार्यालयों में झण्डारोहण के साथ ही राष्ट्रगान आयोजित होगा। प्रातः 10ः00 बजे से समस्त शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, संविधान की प्रस्तावना एवं मौलिक कतव्यों का पाठन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकता धर्म निरपेक्षता, साम्प्रदायिक सौहार्द, साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा साथ ही डा0 भीमराव अम्बेडकर स्पोर्टस स्टेडियम अमेठी में 5 किलोमीटर साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा व समस्त नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत व मलिन बस्तियों में सामूहिक सफाई का अभियान आयोजित होगा।

उम्मीदवार अधिकतम चार सेटों में नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं, जमानत धनराशि एक बार ही करनी होगी जमाः वैभव

रायबरेली । जिला मजिस्ट्रेटजिला निर्वाचन अधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जनपद में अवस्थित समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियो निर्वाचन लड़ने वाले सम्भावित उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग ने जनपद में अवस्थित समस्त 6 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 05 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में चतुर्थ चरण में मतदान तथा 01 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का पंचम चरण में मतदान सम्पन्न कराये जाने हेतु कार्यक्रम घोषित किया गया है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन कक्षों का चयन कर लिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चतुर्थ चरण में विधान सभा 177 बछरावां (अ0जा0) का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, नगर मजिस्ट्रेट, 179 हरचन्दपुर का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, 180 रायबरेली का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), 182 सरेनी का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, एवं 183 ऊँचाहार विधानसभा का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) का निर्वाचन की अधिसूचना तिथि 27 जनवरी 2022 (बृहस्पतिवार) नामांकन निर्देश दाखिल करने हेतु अंतिम तिथि 3 फरवरी 2022 (बृहस्पतिवार), नाम निर्देशन की जांच तिथि 4 फरवरी 2022 (शुक्रवार), नाम वापसी हेतु अन्तिम तिथि 07 फरवरी 2022 (सोमवार), मतदान 23 फरवरी (बुधवार) को किया जायेगा।

मतदाता दिवस पर डीएम ने जागरूकता का दिया संदेश

● लोक गीत व कठपुतली नृत्य से फैलाई जागरूकता

संवाददाता। सीतापुर

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में मंगलवार को हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों की धूम रही। लोकगीत और कठपुतली नृत्य के जरिए मतदाताओं में जागरूकता फैलाई गई, साथ ही जागरूकता के लिए आकर्षक रंगोली सजाई गई तो हस्ताक्षर अभियान भी चला। सेल्फी प्वाइंट भी आकर्षक केंद्र रहा। समूचे जिले की सभी तहसीलों में करीब 31 लाख वोटरों को शपथ दिलाई गई, साथ ही पहली दफा वोटर बने युवाओं को फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को भी सम्मानित भी किया गया। सदर तहसील में शहर के राजकीय इंटर कॉलेज सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज शरीक हुए, सबसे पहले एनसीसी कैडेटों ने मुख्य अतिथि को सलामी दी, बाद में उन्हें मंच तक पहुंचाया, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में जागरूकता फैलाने के लिए महिलाओं ने लोकगीत की शानदार प्रस्तुति दी, साथ ही कठपुतली कलाकारों ने भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कठपुतली नृत्य पेश कर लोगों का मन मोह लिया। साथ ही अपने अधिकारों को पहचान कर मतदान करने के लिए प्रेरित भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने जनता को उनके अधिकार बताए। साथ ही अपने अधिकारों का सही तरीके से प्रयोग करने की नसीहत भी दी। जिलाधिकारी का संबोधन। कार्यक्रम को अपर जिलाधिकारी और उप जिलाधिकारी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाभिहीत अधिकारियों एवं बूथ लेवल अफसरों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के समापन पर जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने पायनियर से कहा कि हर मतदाता अपने मत का करें प्रयोग।

असमंजस में बछरावां विधानसभा का वोटर

● चुनावी सरगर्मियों के बीच राजनैतिक पार्टियों की ओर से प्रत्याशी घोषित न होने के चलते कार्यकर्ता परेशान

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के नामांकन की तारीख नजदीक आती चली जा रही है और समाजवादी पार्टी भारतीय जनता पार्टी व अन्य दलों के प्रत्याशी न घोषित होने के चलते मतदाता अभी अपना मूड बना पाने में असमंजस की स्थिति में है और तो और पार्टी कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो रही है प्रत्याशी के नाम घोषित होने में देरी की वजह शायद पार्टियां हर प्रत्याशी की छानबीन में जुटी हुई है लेकिन प्रत्याशी का नाम देर होने से क्षेत्र में तरह-तरह की बातें उत्पन्न हो रही हैं व कई अफ्वाहों का फैलना स्वभाविक है बछरावां विधानसभा में कांग्रेस पार्टी ने काफी दिनों पहले ही अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया लेकिन अन्य पार्टियों के प्रत्याशी का इंतजार बछरावां विधानसभा के मतदाता व कार्यकर्ता कर रहे हैं अगर जल्द प्रत्याशियों के नाम घोषित हो जाए तो शायद जो क्षेत्र में तरह-तरह की अफ्वाहें फैल रही हैं उन पर एक विराम लग जाए और पार्टी कार्यकर्ता अपने उम्मीदवार के लिए मतदाताओं से पार्टी व उम्मीदवार को जिताने की अपील कर सकें स्थिति साफ ना होने के कारण अफ्वाहों का भी क्षेत्र में बोलबाला है जैसे-जैसे प्रत्याशियों के नाम घोषित होने में देरी हो रही है वैसे क्षेत्र में तरह-तरह की बातें अफ्वाह फैल रही है और वही राजनीति के गुणा गणित लगाने वाले लोगों की भी इस बार गुणा गणित बछरावां में समीकरण देखते हुए फेल नजर आ रहे हैं क्योंकि हर राजनीतिक दल में एक से अधिक प्रत्याशी होने का दावा करते हैं लेकिन यह तो आने वाला वक्त ही बता पाएगा कि किस पार्टी का कौन होगा प्रत्याशी क्षेत्र का प्रबुद्ध वर्ग की यह मांग है कि सभी राजनीतिक दल जल्द अपने-अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दें जिससे क्षेत्र का माहौल सुधर सके और अफ्वाहों पर विराम लग पाए और क्षेत्र की जनता को भी अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव करने में सोचने समझने का वक्त मिले क्योंकि यह चुनाव क्षेत्र के विकास और भविष्य पर निर्भर करता है ।

कोविड प्रोटोकाल के साथ वाईडीसी में मनाया गया उत्तर प्रदेश दिवस

लखीमपुर-खीरी। उप्र शासन एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार प्राचार्य डा. हेमन्त पाल के दिशा निर्देशन में आज महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन कोविड प्रोटोकाल एवं आदर्श चुनाव संहिता का पालन करते हुए किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश अतीत एवं वर्तमान विषय पर ऑनलाइन क्विज एवं इसी क्रम में आजादी का अमृत महोत्सव, उत्तर प्रदेश के उत्सव/मेलों का चित्रण एवं उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत का चित्रण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का संयोजन डा. नूतन सिंह ने किया तथा डा. ज्योति पंत, डा. सुभाष चन्द्रा व मोहम्मद आमिर ने सदस्य के रूप में सक्रिय योगदान दिया। इसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया तथा विजेता छात्र-छात्राओं को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डा. डीएन मालपानी, विजय प्रताप सिंह, सतेन्द्र पाल सिंह रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूफियान सिद्दीकी, द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से समरा मंसूर एवं साजिद अली एवं तृतीय स्थान पर खुशी गुप्ता रहीं तथा सांत्वना पुरूस्कार प्रिया शुक्ला को प्राप्त हुआ।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में हुआ आयोजन

दौड़ प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

संवाददाता। सीतापुर

गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में आज जिला खेल कायार्लय द्वारा प्रात: 8:00 बजे से मतदाता जागरूकता दौड़ का आयोजन किया गया। शुभारंभ प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संजीव कुमार सिंह एवं वसीम अहमद ने हरी झंडी दिखाकर किया। मतदाता जागरूकता दौड़ में विजयी रहे प्रतिभागियों को समाजसेवी दिनेश जयसवाल द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। फ्रि 10 किलोमीटर साइकिल रेस का आयोजन पुरूष एवं महिला ओपेन वर्ग में किया गया। साइकिल रेस में लगभग 73 खिलाड़िय ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सीओ सिटी पीयूष कुमार सिंह का क्रीड़ा अधिकारी द्वारा बैच लगाकर स्वागत किया गया। फ्रि मुख्य अतिथि ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए।

प्रियदर्शिनी महिला क्लब ने इंडियन कॉफी हाउस के कर्मचारियों को किया सम्मानित

संवाददाता। ऊंचाहार

एनटीपीसी की महिला संस्था प्रियदर्शिनी महिला क्लब ने इंडियन कॉफी हाउस के उन सभी कर्मचारियों को सम्मानित किया जो कोरोना काल में जान की परवाह किए बिना संयंत्र व आवासीय परिसर में अपनी ओर से सेवाएं प्रदान कर रहे थे। सम्मान समारोह में आईसीएच कर्मियों को जैकेट देकर उनका अभिनंदन किया गया। कोरोना महामारी की पहली व दूसरी लहर के दौरान आईसीएच की कभी न रुकने, कभी न थकने की दृढ़-इच्छा ने परियोजना के महामारी से परेशान कई लोगों की सेवा की है। जहां एक ओर समाज के कई लोग कोरोना संक्रमित से दूरी बना लेते हैं और उनकी सेवा करने से भी बचने की कोशिश करते हैं वहीं दूसरी ओर सेवा भाव से ओतप्रोत आईसीएच के कर्मचारियों ने संक्रमितों की सेवा में भी कोई कमी नहीं रहने दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) अरिंदम बनर्जी, महाप्रबंधक (अनुरक्षण) एस के झा, मानव संसाधन विभागाध्यक्ष वंदना चतुर्वेदी, अपर महाप्रबंधक (पी एंड एस) चन्द्रशेखर बुरलावर, क्लब की उपाध्यक्ष विद्या झा सहित क्लब की अन्य वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पालन किया।

आयोग की ओर से अधिकृत वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों से भी डाल सकेंगे वोटः डीएम

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

● हर प्रकार का फोटोयुक्त आईडी होगा मतदान के लिए मान्य

जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिए निर्णय पर विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में मतदाता फोटो पहचान पत्र के विकल्प के संबंध में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगाए परंतु ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा।डीएम ने बताया कि एपिक के संबंध में लेखन अशुद्धि, वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजरअंदाज कर देना चाहिए, बशर्ते निर्वाचक की पहचान एपिक से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है जो कि किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे ही एपिक भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किए जाएंगे। बशर्ते उस निर्वाचक का नाम जहां वह मतदान करने आया हैए उस मतदान केंद्र से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना संभव ना हो। तब निर्वाचक को उपरोक्त वैकल्पिक दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा। उपरोक्त किसी भी बात के होते हुए भी प्रवासी निर्वाचको कोए जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 20 क के अधीन निर्वाचक नामावलियो में पंजीकृत हैं, उन्हें मतदान केंद्र में उनके केवल मूल पासपोर्ट तथा कोई अन्य पहचान दस्तावेज नहीं के आधार पर ही पहचाना जाएगा। इसमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों एवं डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट फोटो युक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र एवं राज्य सरकार लोक उपक्रम पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटो युक्त सेवा पहचान पत्रए सांसदोंध् विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र, यूनिक डिसेबिलिटी आईडी यूडीआईडी कार्ड सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार शामिल रहे।

बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

श्रावस्ती। सोनवा . थाना सोनवा अंतर्गत ग्राम महतो पुरवा चौराहा के निकट सोमवार की रात आठ बजे तेज बारिश के दौरान बहराइच से जमुनहा मार्ग पर बहराइच की तरफसे आ रही एक पिकअप में लदा खाद्य पदार्थ भीगने से बचाने के लिए पिकप में बंधे तिरपाल की रस्सी ढिली होने के कारण पिकप को रोक कर उसमे बैठा पल्लेदार राजित राम उतरकर रस्सी सही करने लगा इसी दौरान बहराइच की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पल्सर बाइक सवार अखिलेश बर्मा अनियंत्रित होकर राजित राम की तेज टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में राजित राम यादव की मौके पर ही मौत हो गई जबकी बाइक सवार अखिलेश बर्मा गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे एम्बुलेंस की सहायता से जिला चिकित्सालय बहराइच भर्ती कराया गया है। थाना मल्हीपुर के जमुनहा पुलिसचौकी अंतर्गत फ्तेहपुर बनगई के मजरा बासग?ी निवासी राजितराम यादव जो पेशे से पल्लेदार है वह सोमवार की रात एक पिकप से माल लादकर तेज बारिश में बहराइच से जमुनहा की तरफआ रहे थे इस बीच थाना सोनवा क्षेत्र के ग्राम महतो पुरवा चौराहा के निकट वह पिकप रुकवाकर गाड़ी पर बंधे तिरपाल की ढीली रस्सी को सही करने लगे तभी बहराइच की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार अखिलेश बर्मा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी पल्लेदार राजितराम का एक पैर कटकर अलग हो गया ।

समाजवादी पार्टी ने दी हरी झंडी, अटकलें खत्म

मिश्रिख से मनोज राजवंशी व लहरपुर से अनिल वर्मा लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता। सीतापुर

समाजवादी पार्टी ने आज सीतापुर की मिश्रिख और लहरपुर विधानसभा सीट पर प्रत्याशी फइनल कर दिए हैं। मिश्रिख से पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी के बेटे मनोज राजवंशी को सपा ने उम्मीदवार बनाया है। जबकि लहरपुर में पूर्व विधायक अनिल वर्मा पर भरोसा जताया है। सपा के इस फैसले के बाद मिश्रिख और लहरपुर में प्रत्याशी चयन को लेकर लगाए जा रहे कयासों और चल रही अटकलों का दौर भी खत्म हो गया है। इसी के साथ सीतापुर की आठ सीटों पर सपा ने प्रत्याशी उतार दिए हैं। अब केवल सिधौली पर उम्मीदवार का चयन करना बाकी है। मिश्रिख विधानसभा सीट पर सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर द्वारा दावा ठोंके जाने के बाद यहां बड़ी तेजी से समीकरण बिगड़ने और बनने लगे थे। कयास लगाए जाने लगे कि मिश्रिख सीट सुभासपा के खाते में चली गई। ऐसे में पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी की दावेदारी पर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई थी। आज रामपाल राजवंशी ने लखनऊ पहुंचकर सप मुखिया अखिलेश यादव से मुलाकात की। रामपाल राजवंशी ने पायनियर को बताया इस मैराथन मुलाकात में सपा अध्यक्ष ने मिश्रिख सीट पर उनके बेटे मनोज राजवंशी को चुनाव लड़ाने की हरी झंडी दे दी है। लहरपुर विधानसभा सीट पर सपा से दो सशक्त दावेदार थे। एक पूर्व विधायक अनिल भार्गव और दूसरे पूर्व विधायक जासमीर अंसारी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने आज दोनों पूर्व विधायकों को लखनऊ बुलाया। बैठक के दौरान अनिल वर्मा को लहरपुर से प्रत्याशी बनाए जाने पर सहमति बनी। पूर्व विधायक जासमीर अंसारी ने भी बड़ा दिल दिखाते हुए अनिल वर्मा को ही लड़ाए जाने की बात कही।

सपा में शमिल हुए कई पदाधिकारी

महमूदाबाद सीतापुर। विभिन्न दलों का समर्थन कर रहे लगभग तीन दर्जन लोग मंगलवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हो गये। विधायक नरेन्द्र सिंह वर्मा ने अपने आवास पर सभी को सपा की सदस्यता दिलाई और सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने की बात कही। मंगलवार को विधायक नरेन्द्र सिंह वर्मा के आवास पर जिला सहकारी फेडरेशन सीतापुर के उपाध्यक्ष अजय वर्मा, अमर सिंह, धर्मेन्द्र वर्मा, रामसिंह पाल, मीरानगर प्रधान श्रीप्रकाश वर्मा, रोहित सिंह, दिनेश वर्मा प्रधान सहित लगभग तीन दर्जन लोग सपा में शामिल हो गये। विधायक ने कहा कि सपा की नीतियों से लोग प्रभावित हो रहे है और सपा का कारवां बढ़ता जा रहा है। उन्होने सभी से सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने की बात कही।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 26 जनवरी, 2022

नडाल सातवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे

आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

●महिला वर्ग में बार्टी ने जीत के साथ आगे कदम बढ़ाए

एपी। मेलबर्न

रिकॉर्ड 21वां ग्रैंडस्लैम पुरुष एकल खिताब जीतने की दहलीज पर खड़े रफेल नडाल ने डेनिस शापोवालोव को पांच सेट और चार घंटे के मैराथन मुकाबले में हराकर सातवीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी ने आसानी से कदम आगे बढ़ाए। नडाल, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम 20 एकल खिताब हैं। फेडरर और जोकोविच आस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल रहे हैं।

नडाल ने क्वार्टर फाइनल में 14वीं वरीयता प्राप्त शापोवालोव पर 6-3, 6-4, 4-6, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज की। पहले दो सेट में हावी रहने के बाद तीसरे और चौथे सेट में पेट की गड़बड़ी के कारण उनकी लय टूटी लेकिन निर्णायक सेट जीतकर उन्होंने अंतिम चार में जगह बनाई।

नडाल यहां सिर्फ एक बार 2009 में खिताब जीत सके हैं और पिछले 13 में से सात बार क्वार्टर फाइनल हारे हैं। अब सेमीफाइनल शुक्रवार को होगा यानी उन्हें दो दिन का विश्राम मिलेगा। सेमीफाइनल में उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त माटियो बेरेटिनी से होगा। विंबलडन के उपविजेता बेरेटिनी ने एक अन्य मैराथन मुकाबले में 17वीं वरीयता प्राप्त गेल मोनफिल्स को 6-4, 6-4, 3-6, 3-6, 6-2 से हराया। वह इटली के पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

महिला वर्ग में मंगलवार को खेले गए दोनों क्वार्टर फाइनल मैच का फैसला सीधे सेटों में हुआ। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बार्टी ने 21वीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-2, 6-0 से जबकि मेडिसन कीज ने फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबोरा क्रेसीकोवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया। बार्टी पिछले तीन वर्षों में दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची है। कीज सात साल बाद मेलबर्न पार्क में अंतिम चार में पहुंची है। विम्बलडन 2021 की चैम्पियन बार्टी 1978 के बाद आस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाली पहली आस्ट्रेलियाई महिला बनने की कोशिश में है। अब उनका सामना मेडिसन कीज से होगा। बार्टी 2020 में सेमीफाइनल में सोफिया केनिन से हार गई थी।

डेनिस शापोवालोव के खिलाफ खेलते रफेल नडाल

ऐश बार्टी

बारबोरा क्रेसीकोवा को हराने के बाद खुशी जाहिर करतीं मेडिसन कीज

नए टीकाकरण नियमों से फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं जोकोविच

पेरिस। फ्रांस सरकार के कोरोना टीकाकरण के नए नियमों के चलते दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच टीका नहीं लगवाने के बावजूद मई में फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं।

जोकोविच को आस्ट्रेलिया के कड़े कोरोना टीकाकरण नियमों का पालन नहीं करने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन खेलने की अनुमति नहीं मिली और उन्हें देश से निर्वासित भी कर दिया गया था।

सानिया मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में हारीं

मेलबर्न। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही आस्ट्रेलियाई ओपन को अलविदा कह दिया। सानिया और अमेरिका के राजीव राम की जोड़ी को वाइल्ड कार्डधारी स्थानीय जोड़ी जैमी फोरलिस और जैसन कुबलेर ने 6-4, 7-6 से हराया। भारत की सबसे कामयाब महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया ने छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं जिनमें तीन मिश्रित युगल खिताब शामिल हैं। पिछले सप्ताह महिला युगल वर्ग में वह पहले ही दौर में बाहर हो गई थी। सानिया ने हाल ही में घोषणा की है कि इस सत्र के बाद वह टेनिस को अलविदा कह देंगी। आस्ट्रेलिया ओपन में उन्होंने दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने 2009 में हमवतन महेश भूपति के साथ मिश्रित युगल और 2016 में स्विटजरलैंड की मार्तिना हिंगिस के साथ महिला युगल खिताब जीता जो उनका आखिरी ग्रैंडस्लैम खिताब भी था। सानिया की हार के साथ ही वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई।

सानिया को जल्द संन्यास की घोषणा करने का पछतावा

मेलबर्न। सानिया मिर्जा ने हाल में घोषणा की थी कि 2022 उनका आखिरी सत्र होगा, लेकिन अब इस भारतीय टेनिस स्टार ने कहा है कि उन्होंने बहुत जल्द घोषणा कर दी और उन्हें इस पर पछतावा है क्योंकि उनसे हर समय इसी के बारे में पूछा जा रहा था। सानिया का मिश्रित युगल में हार के साथ ही आस्ट्रेलियाई ओपन में भी सफर समाप्त हो गया। सानिया से पूछा गया कि यह उनका आखिरी सत्र होगा तो क्या इससे टेनिस और टूर के प्रति उनका नजरिया बदल गया है, उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं प्रत्एक मैच में इस बारे में नहीं सोच रही थी। सच में मुझे लगता है कि मैंने बहुत जल्दी घोषणा कर दी और मुझे इस पर पछतावा हो रहा है।

रोहित शर्मा फिट, वेस्टइंडीज के खिलाफ कप्तानी के लिए तैयार

●भुवनेश्वर व अश्विन को टीम में जगह मिलना मुश्किल

भाषा। नई दिल्ली

भारत के सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा फिट हैं और अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ छह फरवरी से तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के साथ शुरू हो रही सीमित ओवरों के छह मुकाबलों की श्रृंखला में भारत की अगुआई करने के लिए तैयार हैं।

हालांकि इस हफ्ते होने वाली चयन समिति की बैठक रोचक होगी क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में 0-3 से एकदिवसीय श्रृंखला में क्लीनस्वीप के बाद भुवनेश्वर कुमार और रविचंद्रन अश्विन जैसे कुछ सीनियर खिलाड़ियों की जगह खतरे में हो सकती है। बाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर हुए रोहित टीम की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टी-20 मुकाबले कोलकाता में 16 से 20 फरवरी के बीच खेले जाएंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि रोहित वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के लिए फिट और उपलब्ध हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला शुरू होने तक रोहित के रिहैबिलिटेशन को साढ़े सात हफ्ते से अधिक का समय हो जाएगा। सूत्र ने बताया कि वह मुंबई में पहले ही ट्रेनिंग शुरू कर चुका है और फिटनेस परीक्षण के लिए उसके बेंगलुरू जाने और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से औपचारिक स्वीकृति लेने की उम्मीद है। यह लगभग तय है कि फिलहाल रोहित को ही टेस्ट कप्तान बनाया जाएगा। बीसीसीआई हालांकि 2022 और 2023 में लगातार दो विश्व कप में टीम की अगुआई करने की जिम्मेदारी और काम के बोझ को लेकर अन्य विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि लोकेश राहुल की कप्तान के रूप में पहली श्रृंखला उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और फिलहाल उन्हें रोहित के मार्गदर्शन में ही रहना होगा जब तक कि उन्हें भविष्य में टीम की अगुआई करने के लिए तैयार नहीं माना जाए।

राहुल की अगुआई में भारत ने दक्षिण अफ्रीका में चारों अंतरराष्ट्रीय मुकाबले गंवाए और भारतीय क्रिकेट में फैसले करने वाले लोगों का मानना है कि वह कप्तान के रूप में आगे बढ़कर अगुआई नहीं कर पाए।

हार्दिक पंड्या ने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है। वह पूरी क्षमता के साथ गेंदबाजी कर पाएंगे या नहीं यह अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन छठे नंबर पर वेंकटेश अय्यर की अनुभवहीनता और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के यह स्वीकार करने से कि हार्दिक की कमी खली, बड़ौदा के इस खिलाड़ी की वेस्टइंडीज के खिलाफ वापसी का रास्ता साफ हो सकता है। सूत्र ने कहा कि आपको याद रखना होगा कि टी-20 विश्व कप के बाद हार्दिक को टी-20 टीम से बाहर किया गया था और उसे फिटनेस के कारण आराम नहीं दिया गया था। चयनकर्ता टी-20 विश्व कप में उनके लचर प्रदर्शन के बाद उन्हें संदेश देना चाहते थे लेकिन वह अच्छा खिलाड़ी है और उसे लंबे समय तक बाहर नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर वेस्टइंडीज के खिलाफ नहीं तो वह श्रीलंका के खिलाफ निश्चित तौर पर वापसी करेगा। रविंद्र जडेजा भी पूर्ण फिटनेस हासिल करने के करीब दिख रहे हैं और उनके वेस्टइंडीज या फिर श्रीलंका के खिलाफ वापसी करने की उम्मीद है। भारतीय टीम के लिए जसप्रीत बुमराह के काम के बोझ का प्रबंधन महत्वपूर्ण है और संभावना है कि उन्हें सभी छह मैचों से आराम दिया जा सकता है। बुमराह दक्षिण अफ्रीका में सभी छह मुकाबले खेले थे जिनमें तीन टेस्ट और 50 ओवर के तीन मैच शामिल थे। उन्होंने इस दौरान सर्वाधिक ओवर (टेस्ट में 104.5 और वनडे में 30) भी किए। खराब फॉर्म से जूझ रहे भुवनेश्वर कुमार को बाहर किया जा सकता है जबकि अश्विन को एक और श्रृंखला में मौका दिया जा सकता है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी श्रृंखला थी। आवेश खान और हर्षल पटेल जैसे तेज गेंदबाजों को एक बार फिर टी-20 टीम में जगह मिल सकती है।

शेफाली वर्मा टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई। भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से दोबारा शीर्ष पर पहुंच गई जबकि उनकी साथी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना एक स्थान के नुकसान से चौथे स्थान पर खिसक गई। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बेथ मूनी और मेग लेनिंग की रैंकिंग में क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। आस्ट्रेलिया की ही एलिसा हीली छठे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की दो खिलाड़ी शीर्ष 10 में शामिल हैं। सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स क्रमश: पांचवें और सातवें पायदान पर हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 55.25 की औसत और 185.71 के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाने के बाद श्रीलंका की चामरी अटापट्टू छह स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की डेनी वाट तीन पायदान आगे बढ़कर 13वें स्थान पर हैं। खेली थी। आस्ट्रेलिया की ताहिला मैकग्रा 29 स्थान की लंबी छलांग के साथ 28वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

कैमरून में स्टेडियम के बाहर भगदड़ में आठ मरे

●अफ्रीकी कप आफ नेशंस के एक मैच के दौरान हुआ हादसा

एपी। याओंडे (**कैमरून**)

अफ्रीका के शीर्ष फुटबॉल टूर्नामेंट अफ्रीकी कप आफ नेशंस के एक मैच के दौरान स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढकर आठ हो गई है जबकि सात अन्य अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हैं। पुलिस ने बताया कि मेस्सास्सी अस्पताल में दो और प्रशंसकों की मौत हो गई है। घायलों को इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जबकि अस्पताल के स्टाफ ने कहा कि वह सभी का इलाज कर पाने में असमर्थ है। यह भगदड़ उस समय मची जब अफ्रीकी कप आफ नेशंस में अंतिम 16 के मैच में मेजबान कैमरून और कोमोरोस के बीच मैच देखने के लिए दर्शकों ने ओलम्बे स्टेडियम में घुसने की कोशिश की। इसमें कुल 38 लोग घायल हुए हैं और 31 को गंभीर चोट नहीं लगी है। संचार मंत्री रेने सादी ने बताया कि घायलों का चार अलग अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि स्टेडियम के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा अधिकारियों ने दर्शकों को उस प्रवेश द्वार की ओर ले जाने की कोशिश की जो बंद था।

बाद में दरवाजा खुलने पर भीड़ बढ गई और भगदड़ मच गई जिसमें बच्चे भी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शी मैरी असोंगाफेक ने कहा कि चिकित्सा सहायता भी तुरंत उपलब्ध नहीं हो सकी। लोग बेसिक प्राथमिक चिकित्सा से ही काम चला रहे थे।

झाझरिया को पदमभूषण और चोपड़ा सहित आठ खिलाड़ियों को पदमश्री

भाषा। नई दिल्ली

पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक सहित तीन पदक जीतने वाले देवेंद्र झाझरिया को पदम भूषण जबकि तोक्यो ओलंपिक खेलों के चैंपियन नीरज चोपड़ा सहित आठ खिलाड़ियों को मंगलवार को पदमश्री सम्मान के लिए चुना गया।

40 वर्षीय झाझरिया ने एथेंस पैरालंपिक 2004 और रियो पैरालंपिक 2016 में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीते थे जबकि पिछले साल तोक्यो पैरालंपिक में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले बीजिंग ओलंपिक 2008 में निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने सोने का तमगा हासिल किया था। पदमश्री पाने वाले अन्य खिलाड़ियों में 20 साल की पैरा निशानेबाज अवनी लेखारा, पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत और पैरा भाला फेंक एथलीट सुमित अंतिल भी शामिल हैं। मार्शल आर्ट के एक स्वरूप कलारीपयट्टू की कला में माहिर 93 वर्षीय शंकरनारायण मेनन चुंडाइल, पूर्व अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स चैंपियन फैजल अली दार, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान 67 वर्षीय ब्रहमानंद संकवालकर और महिला हॉकी खिलाड़ी 29 वर्षीय वंदना कटारिया को भी पदमश्री सम्मान के लिए चुना गया है। भारत के राष्ट्रपति हर साल मार्च-अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में औपचारिक पुरस्कार समारोह में पदम पुरस्कार प्रदान करते हैं।

फिलीपींस के खिलाफ धैर्य दिखाने से मिली जीत: टोनी

मुंबई। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच टोनी गुस्तावसन ने एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिषद) महिला एशियाई कप में यहां फिलीपींस के खिलाफ 4-0 गोलों से जीत के दौरान मैच पर ध्यान केंद्रित करने की अपनी टीम की क्षमता की प्रशंसा की। इंडोनेशिया के खिलाफ 18-0 गोलों की शानदार जीत दर्ज करने वाली आस्ट्रेलिया की टीम सोमवार को फिलीपींस के खिलाफ मैच के शुरुआती 50 मिनट में एक भी गोल नहीं कर सकी थी।

टीम ने हालांकि मैच के दूसरे हाफ में अपना दबदबा बनाया और 51वें मिनट में पहला गोल करने के बाद 4-0 की शानदार जीत दर्ज की। दोनों देशों के बीच 14 साल में हुए पहले मुकाबले के बाद कोच गुस्तावसन ने कहा कि हमें पता था कि यह मैच काफी अलग (इंडोनेशिया के मुकाबले) होने वाला है। आस्ट्रेलिया के लिए समांथा केर (51वां मिनट), एमिली वैन एगामोंड (67वां मिनट) और मैरी फॉलर (87वां मिनट) ने गोल किए।

पुरुष एफआईएच हॉकी प्रो लीग के तीसरे सत्र से जुड़ा फ्रांस

भाषा। लुसाने, (स्विट्जरलैंड)

कनाडा के हटने के बाद फ्रांस को एफआईएच हॉकी प्रो लीग के तीसरे सत्र में शामिल किया गया है जहां उसे अपने पहले मैच में भारत का सामना करना होगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने सोमवार को यह घोषणा की।

यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक कोविड-19 से जुड़े मुद्दों के कारण कनाडा के हटने के बाद एफआईएच ने विश्व रैंकिंग के अनुसार अगली सर्वश्रेष्ठ टीमों से संपर्क किया और फ्रांस ने इस निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। कनाडा के बाद सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीमों में से एक के रूप में फ्रांस मौजूदा सत्र में इस वैश्विक लीग में घरेलू और दूसरे देशों में आपने मैच खेलेगा।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में फ्रांस की भागीदारी फिलहाल इसी सत्र (तीसरे) के लिए ही है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड कोविड-19 से संबंधित अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों के कारण मौजूदा सत्र नहीं खेल रहे हैं, उनके चौथे सत्र (2022-2023) के लिए वापस आने की उम्मीद है। फ्रांस की टीम अपना पहला मैच आठ फरवरी को भारत के खिलाफ पोटचेफ्स्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में खेलेगी। एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल ने कहा कि यह अच्छी खबर है कि फ्रांस मौजूदा सत्र के लिए एफआईएच हॉकी प्रो लीग से जुड़ रहा है। अगले ओलंपिक खेलों के मेजबान के रूप में वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों की इस शीर्ष प्रतियोगिता का हिस्सा बनेगा। यह फ्रांस की टीम के साथ-साथ देश में हॉकी के विकास के लिए एक सकारात्मक कदम हो सकता है।

फ्रांस की टीम ने 2023 में जनवरी में ओडिशा में खेले जाने वाले पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

कोरिया के खिलाफ भारतीय टीम के लिए गलती की कोई गुंजाइश नहीं

●महिला एशिया कप हॉकी का सेमीफाइनल मुकाबला आज

भाषा। मस्कट

पूल चरण में जापान के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद अभियान को ढें पर लाने वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम कोरिया के खिलाफ महिला एशिया कप हॉकी के सेमीफाइनल में उतरेगी तो गलती की कोई गुंजाइश नहीं होगी।

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत ने पहले मैच में मलेशिया को 9-0 गोलों से हराया लेकिन फिर एशियाई खेल चैम्पियन जापान से 0-2 से हार गई।

इसके बाद अपने खेल में सुधार करके सिंगापुर को 9-1 गोलों से हराकर पूल ए से अंतिम चार में जगह बनाई। अब विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम का सामना 11वीं रैंकिंग वाली कोरियाई टीम से है जो अपनी चपलता के लिए जानी जाती है।

भारत ने मैदानी खेल में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन पेनल्टी कॉर्नर उसकी कमजोर कड़ी रहा है। स्टार ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर ने सिंगापुर के खिलाफ हैट्रिक लगाई लेकिन भारतीय टीम 15 में से तीन पेनल्टी कॉर्नर ही भुना सकी। अभी तक फॉरवर्ड पंक्ति ने प्रभावी प्रदर्शन किया है। मोनिका और ज्योति ने सिंगापुर के खिलाफ दो दो गोल किए। अनुभवी वंदना कटारिया भी फॉर्म में हैं और मलेशिया के खिलाफ दो गोल करने के बाद सिंगापुर के खिलाफ भी गोल किया।

डिफेंस को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। अभी तक उनका कड़ा इम्तिहान नहीं हुआ है। सिर्फ जापान के खिलाफ भारतीय डिफेंडर दबाव में आए थे। भारत ने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोरिया का सामना मई 2019 में किया था जब तीन मैचों के दौरे पर भारत को 1-2 गोल से पराजय मिली थी। दूसरे सेमीफाइनल में जापान का सामना चीन से होगा।

भारतीय महिला टीम की फाइल फोटो

मोदी बैडमिंटन के पुरुष एकल के फाइनलिस्ट में बांटी जाएगी पुरस्कार राशि

नई दिल्ली। सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन के पुरुष एकल के फाइनल को एक खिलाड़ी के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद कोई मुकाबला नहीं घोषित कर दिया गया है और अब पुरस्कार राशि दोनों खिलाड़ियों के बीच बांटी जाएगी।

विश्व बैडमिंटन महासंघ ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय 2022 के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचे दोनों खिलाड़ियों को विश्व रैंकिंग के अंक और पुरस्कार राशि का समान हिस्सा मिलेगा। इसमें कहा गया है, एक फाइनलिस्ट को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था, जबकि अन्य फाइनलिस्ट को उसका करीबी संपर्क माना गया है, इसलिए पुरुष एकल फाइनल को कोई मुकाबला नहीं घोषित किया गया है। फाइनल मुकाबला रविवार को फ्रांस के दो खिलाड़ियों अर्नाड मर्कल और लुकास क्लियरबोट के बीच खेला जाना था।

हर मैच नहीं जीत सकते: रवि शास्त्री

●टीम इंडिया के लिए यह अस्थाई का दौर है

भाषा। मस्कट

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की कमजोर टीम से टेस्ट और वनडे श्रृंखला हारने के बावजूद घबराने की जरूरत नहीं है और इस अस्थाई दौर से टीम जल्दी ही उबर जाएगी।

तीनों प्रारूपों से विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल के साथ भारतीय टीम को वनडे श्रृंखला में 0-3 से पराजय झेलनी पड़ी। इसके पहले टेस्ट श्रृंखला में उसे 1-2 से पराजय मिली। शास्त्री ने यहां लीजैंड्स लीग क्रिकेट से इतर बातचीत में कहा कि एक श्रृंखला हारने के बाद लोग आलोचना करने लगते हैं। आप हर मैच नहीं जीत सकते। जीत -हार चलती रहती है। पिछले साल टी-20 विश्व कप के बाद शास्त्री का कार्यकाल समाप्त हो गया था। शास्त्री ने कहा कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला की एक गेंद भी नहीं देखी लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार किया कि टीम के प्रदर्शन के स्तर में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि अचानक प्रदर्शन कैसे गिर सकता है। पांच साल तक आप दुनिया की नंबर एक टीम रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि चिंता की कोई जरूरत नहीं है और यह नाकामी एक अस्थाई दौर है।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल से जीत का अनुपात 65 प्रतिशत रहा है तो चिंता की क्या बात है। विरोधी टीमों को चिंता करनी चाहिए। कोहली ने टेस्ट श्रृंखला में हार के एक दिन बाद टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। शास्त्री ने कहा कि यह व्यक्तिगत निर्णय है और ऐसे फैसलों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह उसका फैसला है। उसके फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। हर चीज का एक समय होता है। अतीत में भी कई बड़े खिलाड़ियों ने अपनी बल्लेबाजी पर फोकस करने के लिए कप्तानी छोड़ी है। चाहे सचिन तेंदुलकर हों, सुनील गावस्कर या एमएस धोनी और अब विराट कोहली।

यह पूछने पर कि कप्तानी प्रकरण के बाद क्या उनके शारीरिक हाव भाव बदल गए हैं, शास्त्री ने कहा कि मैने इस श्रृंखला की एक गेंद भी नहीं देखी लेकिन मुझे नहीं लगता कि विराट कोहली में बहुत बदलाव आएगा।

उन्होंने कहा कि मैने सात साल बाद क्रिकेट से ब्रेक लिया है। एक बात तो तय है कि मैं सार्वजनिक तौर पर आपसी मतभेदों के बारे में बात नहीं करता।

टी-20 श्रृंखला के लिए वॉर्नर, मार्श आस्ट्रेलियाई टीम में नहीं

सिडनी। श्रीलंका के खिलाफ फरवरी में होने वाली टी-20 श्रृंखला के लिए डेविड वॉर्नर और मिशेल मार्श को आस्ट्रेलिया की 16 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है जबकि कोच जस्टिन लैंगर भी उपलब्ध नहीं होंगे। आस्ट्रेलिया पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी कर रहा है। मैच 11 से 20 फरवरी के बीच सिडनी, कैनबरा और मेलबर्न में खेले जाएंगे। लैंगर समेत सहयोगी स्टाफ के सदस्य इस दौरान छुट्टियों पर हैं। उनकी गैर मौजूदगी में एंड्रयू मैकडोनाल्ड टीम के मुख्य कोच होंगे। श्रीलंका के खिलाफ आस्ट्रेलिया की टी-20 टीम : आरोन फिंच (कप्तान), एश्टोन एगर, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मोइजेस हेनरिक्स, जोश इंगलिस, बेन मैकडरमोट, ग्लेन मैक्सवेल, झाय रिचर्डसन, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, एडम जाम्पा।